महानगर नई दिल्ली सोमवार 27 जनवरी, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

भारत ने ईयू से कहा

सीएए हमारा अंदरूनी मामला

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

आधिकारिक सूत्रों ने यूरोपीय संघ (ईयू) संसद में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर मतदान से पहले रविवार को कहा कि ईयू संसद को ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए जो लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सांसदों के अधिकारों एवं संप्रभुता पर सवाल खड़े करे। उन्होंने कहा कि सीएए भारत का पूर्णतया अंदरूनी मामला है और कानून संसद के दोनों सदनों में बहस के बाद लोकतांत्रिक माध्यम से पारित किया गया था।

एक सूत्र ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि प्रस्ताव पेश करने वाले एवं उसके समर्थक आगे बढ़ने से पहले तथ्यों के पूर्ण एवं सटीक आकलन के लिए हमसे वार्ता करेंगे। बताते चलें कि ईयू संसद सीएए के खिलाफ कुछ सदस्यों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर बहस और मतदान करेगी। संसद में इस सप्ताह की शुरुआत में यूरोपियन यूनाइटेड लेफ्ट/नॉर्डिक ग्रीन लेफ्ट (जीयूई/एनजीएल) समूह ने प्रस्ताव पेश किया था जिस पर बुधवार को बहस होगी और इसके एक दिन बाद मतदान होगा।

> *ईयू संसद* में सीएए पर मतदान को लेकर कहा, ऐसा कोई कदम नहीं उठाएं जो लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सांसदों के अधिकारों एवं संप्रभुता पर सवाल खड़े करे।

प्रस्ताव में कहा गया है, 'सीएए भारत में नागरिकता तय करने के तरीके में खतरनाक बदलाव करेगा। इससे नागरिकता विहीन लोगों के संबंध में बड़ा संकट विश्व में पैदा हो सकता है और यह बड़ी मानव पीड़ा का कारण बन सकता है।' इस प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र, मानव अधिकार की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) के अनुच्छेद 15 के अलावा 2015 में हस्ताक्षरित किए गए भारत-यूरोपीय संघ सामरिक भागीदारी संयुक्त कार्ययोजना और मानव अधिकारों पर यूरोपीय संघ-भारत विषयक संवाद का जिक्र किया गया है। इसमें भारतीय प्राधिकारियों से अपील की गई है कि वे सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ 'रचनात्मक वार्ता' करें और 'भेदभावपूर्ण सीएए' को निरस्त करने की उनकी मांग पर विचार करें।

भारत सरकार का कहना है कि नया कानून किसी की नागरिकता नहीं छीनता है बल्कि इसे पड़ोसी देशों में उत्पीड़न का शिकार हुए अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और उन्हें नागरिकता देने के लिए लाया गया है।

हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं : मोदी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस पर 'मन की बात' में कहा कि हिंसा से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है और शांति हर सवाल के जवाब का आधार होना चाहिए ।

उन्होंने लोगों से अपील की कि एकजुटता से हर समस्या के समाधान का प्रयास हो और भाईचारे के जरिए हर विभाजन और बंटवारे की कोशिश को नाकाम करें। आकाशवाणी पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम इक्कीसवीं सदी में हैं, जो ज्ञान-विज्ञान और लोकतंत्र का युग है, क्या आपने किसी ऐसी जगह के बारे में सुना है जहां हिंसा से जीवन बेहतर हुआ हो?' उन्होंने पूछा, 'क्या आपने ऐसी किसी जगह के बारे में सुना है, जहां शांति और सद्भाव जीवन के लिए मुसीबत बने हों?' मोदी ने कहा कि हिंसा, किसी समस्या का समाधान नहीं करती, दुनिया की किसी भी समस्या का हल, कोई दूसरी समस्या पैदा करने से नहीं बल्कि अधिक-से-अधिक उसका समाधान ढूंढ़कर ही हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आइए, हम सब मिल कर, एक ऐसे नए भारत के निर्माण में जुट जाएं, जहां शांति हर सवाल के जवाब का आधार हो, एकजुटता से हर समस्या के समाधान का प्रयास बाकी पेज 8 पर

मन की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, शांति ही हर सवाल के जवाब का आधार हो

भाईचारे से हर विभाजन व बंटवारे की कोशिश को नाकाम करें

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पहली बार मोदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के बजाय पहली बार यहां नव निर्मित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। इंडिया गेट परिसर में स्थित इस स्मारक का पिछले साल 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था।

'अमर जवान ज्योति' पर एक झुकी हुई बंदूक के ऊपर जवान का हेलमेट रखा हुआ है तथा उसके नीचे बाकी पेज 8 पर

गगनयान मिशन के लिए चार उम्मीदवारों का चयन

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 में आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर 'गगनयान मिशन' के लिए चार उम्मीदवारों का चयन हुआ है जिन्हें एक साल के लिए रूस में प्रशिक्षण दिया जाएगा। गगनयान मिशन 21वीं सदी में विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगा। इस मिशन के लिए चार उम्मीदवारों का चयन किया गया है, ये चारों भारतीय वायु-सेना के पायलट हैं। ये होनहार युवा, भारत के कौशल, प्रतिभा, क्षमता, साहस और सपनों के प्रतीक हैं।

पद्म पुरस्कार अब पूरी तरह लोकोन्मुख

प्रधानमंत्री ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों के योगदान के बारे में लोगों से पढ़ने की अपील करते हुए कहा कि पहले पद्म पुरस्कार संबंधी निर्णय सीमित लोगों के बीच होते थे और वह अब पूरी तरह से लोकोन्मुखी बन गया है। पद्म-पुरस्कारों को लेकर देश में एक नया विश्वास और सम्मान पैदा हुआ है। उन्होंने कहा, '2020 के पद्म-पुरस्कारों के लिए, इस साल 46 हज़ार से अधिक नामांकन प्राप्त हुए हैं। ये संख्या 2014 के मुकाबले 20 गुना से भी अधिक है। ये आंकड़े जन-जन के इस विश्वास को दर्शाते हैं कि पद्म-अवार्ड, अब पीपुल्स अवार्ड बन चुका है।

वुहान में फंसे 250 छात्रों के लिए हर विकल्प पर विचार : भारत

बेजिंग, 26 जनवरी (भाषा)।

भारत ने रविवार को कहा कि वह वुहान समेत चीन के अलग-अलग हिस्सों में फंसे 250 भारतीय छात्रों की चिंताओं के समाधान के लिए चीनी सरकार से मंत्रणा के साथ सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है। वुहान चीन में कोरोना वायरस के प्रसार का केंद्र है। चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि चीन में इस नए कोरोना वायरस से रविवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है और 2,008 लोग वायरस से संक्रमित हैं जिनमें 23 विदेशी नागरिक हैं।

56

हो गई कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या

भारत ने रविवार को तीसरी हॉटलाइन सेवा शुरू की

संबंधित खबर पेज 9 पर

बेजिंग में भारतीय दूतावास ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीयों अधिकतर छात्रों के लगातार फोन आने के कारण भारत ने रविवार को तीसरी हॉटलाइन सेवा खोल दी। दूतावास ने ट्वीट किया, 'कोरोना वायरस के संक्रमण के संबंध में बेजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा स्थापित दो हॉटलाइन नंबरों पर काफी संख्या में फोन आ रहे हैं, इसे देखते हुए दूतावास ने फैसला किया कि वह तीसरी हॉटलाइन सेवा शुरू करेगा जो +8618610952903 पर उपलब्ध होगा।' दूतावास ने कहा कि अन्य दो हॉटलाइन नंबर 8618612083629 +8618612083617 हैं।

दूतावास ने यह भी कहा कि वह सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है और वुहान में फंसे भारतीयों को राहत मुहैया कराने के लिए चीनी अधिकारियों के साथ परामर्श कर रहा है। दूतावास ने अन्य ट्वीट किया, 'बीते दो दिनों में हमारे हॉटलाइन नंबरों पर करीब 600 फोन आए हैं जिनमें इस मुश्किल स्थिति से संबंधित चिंताओं का जवाब दिया गया। भारत सरकार और बेजिंग में भारतीय दूतावास प्रभावित नागरिकों को बाकी पेज 8 पर

चीन में अभी तक कोई भारतीय प्रभावित नहीं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/बेजिंग, 26 जनवरी (भाषा)।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि चीन में कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में अभी तक कोई भी भारतीय नहीं आया है। बेजिंग में भारतीय दूतावास वुहान और हुबेई प्रांत में अन्य स्थानों पर विश्वविद्यालय के छात्रों समेत सभी भारतीयों के निकट संपर्क में है।

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, 'हम चीनी अधिकारियों से निकट समन्वय बनाए हुए हैं। अभी तक संक्रमण से कोई भारतीय नागरिक प्रभावित नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया कि चीन में भारतीय दूतावास ने तीन हेल्पलाइन भी शुरू की हैं, जो लोगों की हर तरह से मदद करने को तैयार हैं। प्रवक्ता ने अन्य ट्वीट किया, 'बेजिंग में हमारा दूतावास छात्रों समेत भारतीय नागरिकों से निकट संपर्क बनाए हुए हैं ताकि उन्हें हुबेई प्रांत से बाहर संभावित यात्रा योजनाओं समेत हर प्रकार की सहायता मुहैया कराई जा सके।'

बेजिंग स्थित हमारा दूतावास भारतीयों के स्वास्थ्य एवं उनके कुशलक्षेम पर नजर रखे हुए है। कृपया स्थिति की अधिक जानकारी के लिए ट्विटर पर @ईओआइबेजिंग देखें। **-जयशंकर , विदेश मंत्री**

हम चीनी अधिकारियों से निकट समन्वय बनाए हुए हैं। अभी तक संक्रमण से कोई भारतीय नागरिक प्रभावित नहीं हुआ है। **-रवीश कुमार, विदेश मंत्रालय प्रवक्ता**

अल्पसंख्यकों का कभी उत्पीड़न नहीं हुआ : भैयाजी जोशी

नागपुर, 26 जनवरी (भाषा) ।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव भैयाजी जोशी ने रविवार को कहा कि देश में मुसलमानों का कभी भी उत्पीड़न नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ गलत जानकारियों का प्रसार किया जा रहा है। वह 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर संघ मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोल रहे थे।

जोशी ने सीएए को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा, अब तक, इस्लाम के अनुयायियों को इस देश में किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा है। अगर वहां से कोई भी नागरिक आता है चाहे वह मुसलिम ही क्यों बाकी पेज 8 पर

71 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर संघ मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोल रहे थे।

भड़काऊ भाषण को लेकर दिल्ली में भी शरजील पर मामला दर्ज किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शाहीन बाग में चल रहे प्रदर्शन के दौरान चर्चा में आए शरजील इमाम पर संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में रविवार को मामला दर्ज किया।

बिहार के निवासी और जवाहलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र शरजील ने सीएए और एनआरसी के विरोध में काफी उकसाऊ और भड़काने वाले भाषण दिए। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने कहा कि उसने पिछले साल 13 दिसंबर को भी जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भी ऐसा ही भाषण दिया था और इसके बाद उकसावे वाला एक और भाषण दिया। पुलिस ने बताया कि इन भाषणों से धार्मिक सौहार्द्र और भारत की एकता व अखंडता को नुकसान पहुंचने की संभावना है, जिसके लिए उसके बाकी पेज 8 पर

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दर्ज किया मामला

शरजील ने सीएए और एनआरसी के विरोध में काफी उकसाऊ और भड़काने वाले भाषण दिए।

ओड़ीशा में ग्रामीणों के हाथों मारा गया एक माओवादी

मलकानगिरि, 26 जनवरी (भाषा) ।

ओड़ीशा के मलकानगिरि जिले में ग्रामीणों के हाथों एक माओवादी मारा गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार की रात दो माओवादी जैंतुरई गांव आए थे और उन्होंने निवासियों को गणतंत्र दिवस को 'काला दिवस' के रूप में मनाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि हालांकि निवासियों ने माओवादियों के इस फरमान का विरोध बाकी पेज 8 पर

गणतंत्र दिवस को 'काला दिवस' के रूप में मनाने को कहने आए थे दो माओवादी

कश्मीर में कुछ घंटे बंद रहीं मोबाइल सेवाएं

श्रीनगर, 26 जनवरी (भाषा)।

गणतंत्र दिवस का उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए एहतियात के तौर पर कश्मीर घाटी में बंद की गई मोबाइल फोन सेवाओं को कुछ घंटे बाद रविवार को फिर से शुरू कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि शाम चार बजे मोबाइल टेलीफोन सेवाएं बहाल कर दी गईं। उन्होंने बताया बाकी पेज 8 पर

2005 से घाटी में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मोबाइल फोन और इंटरनेट सेवा बंद करना सुरक्षा ड्रिल का हिस्सा है।

समारोह गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, ब्राजीली राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। -प्रेम नाथ पांडेय

संबंधित खबरें पेज 7,8 पर

दरअसल

सैन्य ताकत का अद्भुत प्रदर्शन | **राष्ट्रीय पर्व** | **पुष्प वर्षा के साथ दर्शकों का स्वागत**

गणतंत्र दिवस पर भारत ने दिखाया दमखम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

देश के 71वें गणतंत्र दिवस समारोह में ऐतिहासिक राजपथ पर भारत के ओजस्वी इतिहास व अदम्य सैन्य ताकत का अद्भुत प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तिरंगा फहराने के साथ ही परेड की सलामी ली।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर मेसियस बोलसोनारो समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के बजाय यहां नवनिर्मित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच बड़ी संख्या में पहुंच कर बुजुर्गों बच्चों और महिलाओं ने अपनी गंगा-जमुनी सांस्कृतिक विरासत का भी दीदार किया।

16 राज्यों व छह मंत्रालयों की ओर से पेश झांकियों ने देश की समृद्ध परंपरा व विकास यात्रा की झलक दिखाई।

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान उपग्रह रोधी हथियार प्रणाली एसेट-मिशन शक्ति की झांकी।

सलामी मंच पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मौजूदगी में राजपथ पर भारत की संस्कृति के रंगों और रक्षा क्षेत्र की ताकत का प्रदर्शन किया गया। अत्याधुनिक हथियारों, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों एवं जहाजों और भारतीय सैनिकों के दस्तों ने किसी भी चुनौती से निपट सकने की देश की ताकत का अहसास कराया। सबसे अंत में रोमांच से भर देने वाले युद्धक विमानों को राजपथ के उपर से हैरतअंगेज कारनामों के साथ उड़ान भरते देखा गया। इन विमानों की ताकत के साथ ही वायुसेना के पायलटों का हुनर और जांबाजी का अहसास हुआ। परेड के आठ किलोमीटर के रास्ते में बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के चेहरों की चमक और उत्साह देखते ही बनता था।

करीब 10 बजे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान की धुन के बीच 21 तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर दर्शकों का अभिवादन किया गया। इस स्वागत से दर्शक रोमांचित हो उठे। इसके साथ परेड शुरू हुई। राजपथ पर सिग्नल कोर के मार्चिंग बाकी पेज 8 पर

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I,**Maninder** Singh Mann S/o-Jagdev Singh Mann R/o-295, First Floor, Bhera Enclave,Paschim Vihar,New Delhi-110087,have changed my name to Maninder Mann for all future purpose. 0040528996-6

I,**Anjuna** Agrawal Singh W/o Shri Jayendra Singh R/o-A1/001,Tower-01,Purvanchal Royal Park,Sector-137,Noida, G.B.Nagar,UP-201304,have changed my name to Anjuna Agrawal. 0040528996-1

I, Babusha D/o Satish Kumar Duhoon R/o OH235, Pallavpuram-II, Meerut, have changed my Name as Babusha Singh for all Purposes. 0130014515-1

I, Aashish V Sharmaa S/o Shri V. P. Sharma R/o C-4- 4048, Vasant Kunj, New Delhi-110070 have changed my son's name from Aadiraj Sharma to Aaddiraj Sharrma for all future purposes. 0040528946-1

I, Aashish V Sharmaa S/o Shri V. P. Sharma R/o C-4- 4048, Vasant Kunj, New Delhi-110070 have changed my daughter's name from Kyra Sharma to Kyra Sharrma for all future purposes. 0040528945-1

I, RAM RATTAN MISHRA S/o ganga Pd Mishra, R/o 67D block B R Shalimar bagh North West, Delhi-110088 declare that name of mine in my son ABHISHEK born on 8/2/1995, 10th certificate is written as RAM RATAN MISHRA. My actual name is RAM RATTAN MISHRA, RAM RATAN and RAM RATTAN MISHRA are name of one and same person. 0040528996-3

एल्गार मामले की एनआइए जांच पर अजित पवार ने कहा

केंद्र को अपनी सीमा में रहना चाहिए

पुणे, 26 जनवरी (भाषा)।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार 2017 में एल्गार परिषद मामले की जड़ में जाने की कोशिश कर रही थी तभी केंद्र ने अचानक मामले को राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) को सौंप दिया। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने केंद्र को शासन के संघीय ढांचे की भी याद दिलाई।

दस रुपए में दोपहर का खाना मुहैया कराने के लिए शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस की महत्वाकांक्षी 'शिव भोजन थाली' योजना शुरू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि केंद्र और राज्य को अपना-अपना काम करना चाहिए। केंद्र को तब हस्तक्षेप करना चाहिए जब मामला राष्ट्रीय स्तर का हो।

पुणे पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या 31 दिसंबर 2017 को एल्गार परिषद की ओर से आयोजित संगोष्ठी में भड़काऊ भाषण दिए गए थे, जिसकी वजह से अगले दिन कोरेगांव भीमा में जातीय हिंसा हुई। पुलिस ने जांच के दौरान शहरी नक्सली शब्द का इस्तेमाल तब किया जब तेलुगू कवि वरवरा राव और सुधा भारद्वाज सहित नौ कार्यकर्ताओं और वकीलों को गिरफ्तार किया गया। कोरेगांव-भीमा हिंसा का मामला एनआइए को सौंपे जाने के सवाल पर पवार ने कहा कि हाल में मैंने राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख और उनके उपमंत्री सतेज पाटिल से मुलाकात की थी। हमें जांच अधिकारियों ने मामले से अवगत कराया था। मेरा मानना है कि वे सच्चाई सामने लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की जांच का मूल उद्देश्य घटना की निष्पक्ष जांच होती है, उसके जड़ तक जाना होता है, तथ्यों की जांच करना और सांप्रदायिक टकराव रोकना होता है। राज्य सरकार इन आधारों पर जांच करना चाहती थी लेकिन अचानक केंद्र सरकार ने मामले को अपने पास लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि राकांपा प्रमुख शरद पवार ने पहले ही इस मामले में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

शरद पवार ने पहले दावा किया था कि हिंसा की घटना भाजपा नीत सरकार की साजिश है जिसे पुलिस के साथ मिलकर अंजाम दिया गया और विशेष जांच दल (एसआइटी) से मामले की जांच कराने की मांग की। अजित पवार ने कहा कि गृहमंत्री अनिल देशमुख ने भी इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। देशमुख ने केंद्र सरकार के फैसले का विरोध किया था और कहा था कि सरकार कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। इस बीच शिव भोजन थाली योजना के बारे में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो होटल में खाना खा सकते हैं, उन्हें योजना का लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह गरीबों के लिए है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ेगी भीषण गर्मी, घटेगी लोगों की कार्यक्षमता

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप अगले दस साल में भारत सहित तमाम उष्णकटिबंधीय देशों में गर्मी और उमस का प्रकोप इस हद तक बढ़ेगा कि इससे लोगों की कार्यक्षमता घटने के साथ ही इसके गंभीर आर्थिक प्रभाव भी देखने को मिलेंगे।

अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थान मेकेंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक जलवायु परिवर्तन का विभिन्न देशों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर असर साफ तौर पर दिखने लगेगा। रिपोर्ट के अनुसार गर्मी और उमस बढ़ने के कारण काम के घंटों में तेजी से गिरावट आएगी और इससे अगले दस साल में श्रम उत्पादकता 15 प्रतिशत तक घट सकती है, जो कि जीडीपी में गिरावट के रूप में दिखेगी।

इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के बारे में जीडीपी में 2.5 से 4.5 प्रतिशत तक संभावित गिरावट की रिपोर्ट में आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के दूरगामी प्रभावों के बारे में कहा गया है कि 2050 तक भीषण गर्मी का प्रकोप खुले में होने वाले काम (आउटडोर वर्क) पर लगातार बढ़ता जाएगा।

रिपोर्ट में 2030 तक भीषण गर्मी के संभावित खतरों से होने वाले नुकसान का आंकलन करते हुए बताया गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वातानुकूलित व्यवस्था पर 110 अरब डॉलर का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। साथ ही रिपोर्ट में भारत के लिए बाहरी कामकाज के विकल्पों को खोजते हुए तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के स्तर पर अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत पर बल दिया गया है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के दायरे में आने वाली आबादी के बारे में इस रिपोर्ट ने आगाह किया है कि गर्मी के प्रकोप के दायरे में 2030 तक 25 से 36 करोड़ लोग आ जाएंगे। इतना ही नहीं, हर साल दुनिया की नौ प्रतिशत आबादी के भीषण गर्मी के दायरे में आने की संभावित दर को देखते हुए 2050 तक 70 करोड़ से 1.2 अरब लोग भयंकर लू की चपेट में होंगे।

इससे रोजगार, आय और अन्य संबद्ध क्षेत्रों पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका से रिपोर्ट में इंकार नहीं किया गया है। इसमें चेतावनी भी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभावों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में समाज और सामाजिक व्यवस्था भी खतरे की जद में हैं। खतरे की सीमा पार होने पर संभावित परिणाम परिलक्षित होने लगेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के संभावित खतरों की जद में शामिल 105 दशों के प्राकृतिक एवं मानव संसाधन को प्रत्यक्ष जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इन देशों में भीषण गर्मी और उमस के कारण साल 2050 तक श्रमिकों के काम के घंटों में 15 से 20 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है।

उल्लेखनीय है कि भारत में पिछले साल जुलाई में अब तक की सर्वाधिक गर्मी के बाद अब रिकार्ड तोड़ सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार जुलाई 2019 को देश के इतिहास में सबसे गर्म महीने के रूप में दर्ज किया गया था और इस दौरान भारत की 65.12 प्रतिशत आबादी ने 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान का सामना किया। भारत में गर्मी का लगातार बढ़ता स्तर बताता है कि 2016 में 59.32 प्रतिशत और 2017 में 61.4 प्रतिशत आबादी भीषण लू की चपेट में आई थी।

असम में समारोह से पहले विस्फोट, उल्फा (आइ) ने ली जिम्मेदारी

गुवाहाटी, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रतिबंधित संगठन उल्फा (इंडिपेंडेंट) ने असम में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले हुए चार शक्तिशाली विस्फोटों की जिम्मेदारी ली है। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

उल्फा (आइ) ने उसके प्रचार विभाग के जॉय असोम द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान में दावा किया कि इन चारों विस्फोटों को संगठन द्वारा अंजाम दिया गया है। असम के डिब्रूगढ़ और चराइदेव जिलों में रविवार को सुबह चार शक्तिशाली विस्फोट हुए। पुलिस ने बताया कि तीन विस्फोट डिब्रूगढ़ में और एक विस्फोट चराइदेव में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी विस्फोट सुबह सवा आठ बजे से आठ बजकर 25 मिनट के बीच 10 मिनट के अंतराल पर हुए।

मोदी ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के लिए सोलिह और राजपक्षे को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देने के लिए मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह एवं श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे का धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इन दोनों देशों के साथ गहरी मित्रता को काफी महत्व देता है।

मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति की शुभकामनाओं का जवाब देते हुए ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह, भारत के गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं देने के लिए आपका धन्यवाद। यह बहुत हर्ष का विषय है कि भारत और मालदीव के बीच दोस्ती मजबूत हो रही है और इसका दोनों देशों के लोगों को फायदा हो रहा है।' उन्होंने श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिदा राजपक्षे का भी धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत, श्रीलंका के साथ गहरी दोस्ती को महत्व देता है।' राजपक्षे और उनकी पत्नी शनिवार को कोलंबो में भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

गणतंत्र दिवस : एअर इंडिया ने यात्रियों में वितरित किए तीस हजार झंडे

श्रीनगर, 26 जनवरी (भाषा)।

सरकारी विमानन कंपनी ने 71वें गणतंत्र दिवस के मौके पर पर्यावरण के अनुकूल एक खास किस्म के कागज से बनाए गए झंडों को मेट्रो शहरों और श्रीनगर के हवाई अड्डे पर यात्रियों में वितरित किया।

एअरलाइन ने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर एक बड़ा बैनर लगाकर लोगों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। घाटी में अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को पांच अगस्त को खत्म किए जाने के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस उत्सव है।

एअर इंडिया के प्रवक्ता धनंजय कुमार ने कहा कि मध्य प्रदेश की सहरिया जनजाति के सदस्यों ने इन झंडों को तैयार किया है। इन्हें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलुरु, हैदराबाद और श्रीनगर के हवाईअड्डों पर वितरित किया गया। कुमार ने बताया कि उन्होंने 800 से ज्यादा झंडे श्रीनगर हवाईअड्डे पर वितरित किए। उन्होंने बताया कि कुल 30,000 से ज्यादा झंडों को वितरित किया गया है। इस झंडे को तैयार करने में गेंदा और मेथी के बीज का इस्तेमाल किया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से श्रीनगर हवाईअड्डे पर झंडा फहराया गया।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I VIJAY KUMAR S/O SHRI KRISHAN GOPAL residing at RZD-3/137, 2nd floor No. 5, Gali No.-7, Mahavir Enclave, Palam Dabri Road, New Delhi-110045 declare that name of mine has been wrongly written as VIJAY KUMAR SHARMA in my Indian Passport No. H2960970. The actual name of mine is Vijay Kumar respectively which may be amended accordingly.

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

प्ररूप संख्या आईएनसी–25क
पब्लिक कम्पनी से प्राइवेट कम्पनी में सपरिवर्तन के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन

क्षेत्रीय निदेशक
कारपोरेट कार्य मंत्रालय के समक्ष
उत्तरी क्षेत्र

कम्पनी अधिनियम, 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 और कम्पनी (निगमन) चौथा संशोधन नियम, 2018 के नियम 41 के मामले में

और

मैसर्स एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 104, मुनीश प्लाजा, 20, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002 में स्थित है, के मामले में, आवेदक

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि कम्पनी को ऐसे सपरिवर्तन का अधिकार देने के लिए 24 जनवरी, 2020 को आयोजित विशेष आम अधिवेशन में पारित विशेष संकल्प की शर्तों के अनुसार प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में संपरिवर्तन करने की इच्छा रखने वाली कम्पनी ने पूर्वोक्त नियमों के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के अधीन आवेदन केन्द्र सरकार/क्षेत्रीय निदेशक के समक्ष प्रस्तुत किया है।

कम्पनी के प्रस्तावित परिवर्तन/स्थिति के कारण यदि किसी व्यक्ति के हित पर प्रभाव पड़ने की संभावना है तो वह व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिन के भीतर निम्नलिखित पते 104, मुनीश प्लाजा, 20, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002 पर आवेदक कम्पनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय को भेजी गई प्रति सहित किसी हलफनामे द्वारा अपनी आपत्ति भेज सकता है या किसी के माध्यम से भिजवा सकता है या रजिस्ट्रीकृत पोस्ट द्वारा भेज सकता है जिसमें संबंधित क्षेत्रीय निदेशक, बी–2 विंग, द्वितीय तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003, फोन : 011–24366038, फैक्स : 011–24366039 या ई– मेल rd.north@mca.gov.in को उसके हित और आपत्ति के आधार की प्रकृति का उल्लेख किया जाएगा।

कृते एवं हेतु आवेदक
एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड
हस्ता./–
मनोज कुमार उपाध्याय
प्रबन्धक निदेशक
डीआईएन : 01282332

तिथि : 25.01.2020
स्थान : दिल्ली

पंजीकृत कार्यालय का पता : 104, मुनीश प्लाजा, 20, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

सेक्योर स्पेस प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, नई दिल्ली–110015, भारत
मोबाइल : +919820939740
ई–मेल : securespace01@gmail.com
सीआईएन : U93000DL2016PTC292450
प्रपत्र आईएनसी–26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार–पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
सेक्योर स्पेस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, नई दिल्ली–110015 पर है
..... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को ''राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली'' से ''तेलंगाना राज्य'' में परिवर्तित करने के लिए 20 जनवरी, 2020 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन का सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है। कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए–21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तथा अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी–2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है।
63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, दिल्ली–110015.

आवेदक के लिए तथा उसकी ओर से
सेक्योर स्पेस ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
ह./–
कल्याण चक्रवर्ती पिल्ला
निदेशक
तिथि : 25.01.2020
स्थान : नई दिल्ली
डीआईएन : 07207965
पता : फ्लैट–18, चौथी मंजिल, सुयश कोऑपरेटिव एनएसजी बांद्रा रीक्लेमेशन, मुम्बई–400050

हेल्थ ऑर्बिट ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, नई दिल्ली–110015, भारत
मोबाइल : +91 9820939740
ई–मेल : p.kalyana@gmail.com
सीआईएन : U93090DL2016PTC300502
प्रपत्र आईएनसी–26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार–पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथाकम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
हेल्थ ऑर्बिट ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, नई दिल्ली–110015 पर है
..... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को ''राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली'' से ''तेलंगाना राज्य'' में परिवर्तित करने के लिए 20 जनवरी, 2020 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन का सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए–21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तथा अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी–2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है।
63/12, प्रथम तल, मेन रामा रोड, नई दिल्ली–110015, भारत

आवेदक के लिए तथा उसकी ओर से
हेल्थ ऑर्बिट ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
ह./–
नलिनी राम पिल्ला
निदेशक
तिथि : 25.01.2020
स्थान : नई दिल्ली
डीआईएन : 07207989
पता : 5–7/4–16, चौथी लेन, के.एल. राव नगर, छित्ती नगर, कृष्णा विजयवाड़ा–520001

'लव जिहाद को नजरअंदाज करना इसे मूक मंजूरी देने के समान'

कोच्चि, 26 जनवरी (भाषा)।

केरल में लव जिहाद पर बहस को आगे बढ़ाते हुए कैथोलिक गिरजाघर के एक वरिष्ठ पादरी ने कहा कि युद्ध ग्रस्त देशों में दक्षिणी राज्य की महिलाओं का यौन दासी के तौर पर इस्तेमाल एक सच्चाई है और इससे आंखे मूंदना इसे मूक मंजूरी देने के समान है।

कुछ दिन पहले राज्य सरकार ने लव जिहाद पर सीरो मालाबार गिरजाघर के बिशप के नजरिये को खारिज कर दिया था। अब केरल कैथोलिक बिशप कांउसिल (केसीबीसी) के प्रवक्ता फादर वर्गीज वल्लिकट्ट ने राज्य से लापता महिलाओं और बच्चों के मामले में सही से जांच नहीं करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार की आलोचना की।

लव जिहाद को सच्चाई बताते हुए वल्लिकट्ट ने रविवार को जारी एक वीडियो में कहा कि ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज करना इन्हें मूक मंजूरी देने के समान है। मीडिया द्वारा प्रसारित वीडियो में पादरी ने कहा कि प्यार के जाल में फंसने के बाद गुम हुए लोगों का पता लगाने के लिए केंद्र या राज्य सरकार ने प्रभावी जांच नहीं की। मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए वल्लिकट्ट ने कहा कि बाद में लापता हुए लोगों के बारे में जानकारी मिली कि वे अन्य देशों में हैं जहां उनका इस्तेमाल यौन दासियों और आतंकवादी के तौर पर किया जा रहा था। कथित रूप से लव जिहाद में फंसाने के बाद ईसाई महिलाओं को सीरिया और अफगानिस्तान ले जाने की घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उनमें से कुछ का संघर्षरत देशों की जेलों में होने का पता चला है। वल्लिकट्ट ने एजंसी से कहा कि वीडियो में वह लोगों के विचारों को व्यक्त कर रहे थे।

मुंबई के बाहरी इलाके में रविवार को सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन।

गूगल ने डूडल बनाकर भारत की विविधता, सौहार्द को दर्शाया

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

इंटरनेट की दिग्गज कंपनी गूगल ने रविवार को भारत के 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उसकी विविधता और सांस्कृतिक विरासत को दिखाते हुए रंग बिरंगा डूडल बनाया। डूडल में कई रंग हैं लेकिन नीले रंग को प्रमुखता दी गई है। इसमें मशहूर वाद्य यंत्रों और नृत्यों की तस्वीरों के साथ प्रसिद्ध धरोहरों को दिखाया गया है।

गूगल अपने होमपेज पर खास अवसरों तथा मशहूर हस्तियों के विशेष डूडल बनाता रहता है। गूगल के छह अक्षरों को रंग-बिरंगा दिखाया गया है तथा उसमें भारत के राष्ट्रीय पक्षी तथा दक्षिण भारत की मशहूर नृत्य कला को दर्शाया गया है।

जी-ओ-ओ-जी-एल-ई के छह अक्षरों में पहले अक्षर 'ओ' को मोर के रूप में दर्शाया गया है जबकि दूसरे ओ को कथकली नृत्यांगना के चेहरे और 'एल' अक्षर को पारंपरिक वाद्य यंत्र 'सितार' के रूप में दिखाया गया है। बाकी के तीन अक्षरों में भारत के जीवन की रंग बिरंगी तस्वीरों को दिखाया गया है। इन अक्षरों की पृष्ठभूमि में सबसे ऊपर विश्व धरोहर स्थल हुमायूं के मकबरे को देखा जा सकता है जबकि नीचे की तरफ इंडिया गेट दिखाया गया है और उसके सामने एक ऑटो रिक्शा तथा साइकिल रिक्शा दिखाया गया है। लोगो के पीछे पतंग उड़ती दिख रही है जबकि 'ई' अक्षर के ऊपर एक महिला नृत्य करते हुए दिख रही है। गूगल इंडिया ने भी विशेष डूडल ट्वीट किया और इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी। सिंगापुर स्थित अतिथि कलाकार मेरू सेठ द्वारा बनाए डूडल ने समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दिखाया गया जिसमें विविध एशियाई महाद्वीप को एकजुट दर्शाया गया है।

आंध्र मंत्रिमंडल की आज बैठक, विधान परिषद के भविष्य का होगा फैसला

अमरावती, 26 जनवरी (भाषा)।

आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल की सोमवार को अहम बैठक होगी जिसमें राज्य विधान परिषद के भविष्य पर फैसला होगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पहले ही उच्च सदन की जरूरत पर सवाल उठा चुके हैं। राज्य विधानसभा का विस्तारित शीतकालीन सत्र सोमवार को दोबारा शुरू हो रहा है। संभव है कि 17 दिसंबर से जारी राजनीतिक गतिरोध के मद्देनजर विधानसभा, विधान परिषद को खत्म करने का प्रस्ताव पारित कर दे। माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस दूसरी योजना पर भी काम कर रही है जिसमें विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के विधान पार्षदों को अपने पाले पर करना भी शामिल है। पार्टी पहले ही तेदेपा के दो विधान पार्षदों को तोड़ चुकी है। अगर यथास्थिति बनी रही तो वाईएसआर कांग्रेस विधान परिषद में 2021 में ही बहुमत हासिल कर सकती है जब विपक्ष के कई सदस्य छह वर्षीय कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होंगे।

> ● राज्य विधानसभा का विस्तारित शीतकालीन सत्र सोमवार को दोबारा शुरू हो रहा है। संभव है कि 17 दिसंबर से जारी राजनीतिक गतिरोध के मद्देनजर विधानसभा, विधान परिषद को खत्म करने का प्रस्ताव पारित कर दे।

वाईएसआर कांग्रेस के 58 सदस्यीय विधान परिषद में मात्र नौ सदस्य है और इसकी वजह से सरकार को राज्य की तीन राजधानी बनाने की योजना को मंजूरी दिलाने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है।

नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने जयपुर साहित्य महोत्सव में कहा

भारत को बेहतर विपक्ष चाहिए

जयपुर, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रख्यात अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने रविवार को कहा कि भारत को बेहतर विपक्ष की जरूरत है जो किसी भी लोकतंत्र का हृदय है और सत्तारूढ़ पार्टी को भी नियंत्रण में रहने के लिए इसे स्वीकार करना चाहिए।

'जयपुर साहित्य महोत्सव' के सत्र को संबोधित करते हुए 58 वर्षीय भारतीय अमेरिकी अर्थशास्त्री ने कहा कि अधिनायकवाद और आर्थिक सफलता में कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, 'आप आसानी से तर्क कर सकते हैं कि सिंगापुर में सफल तानाशाह था। जिम्बाब्वे की बात भी की जा सकती है। हम इस घृणा उत्पन्न करने वालों के बारे में बात कर सकते हैं...एक स्तर पर सत्ता भ्रम होता है।' बनर्जी ने कहा, 'भारत को बेहतर विपक्ष की जरूरत है। विपक्ष लोकतंत्र का दिल होता है और सत्तारूढ़ पार्टी को भी नियंत्रित करने के लिए अच्छे विपक्ष की जरूरत होती है।'

मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में नवोन्मेषी अर्थशास्त्री और उनकी पत्नी एस्थर डुफलो और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर माइकल क्रेमर को वैश्विक गरीबी उन्मूलन की खातिर प्रायोगिक तरीके अपनाने के लिए संयुक्त रूप से 2019 में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बनर्जी ने कहा, 'गरीबी कैंसर की तरह है और इससे कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इससे कई बीमारियां होती हैं। कुछ लोग शिक्षा के मामले में गरीब हैं, कुछ सेहत से गरीब हैं और कुछ पूंजी के मामले में गरीब हैं। आपको पता लगाना है कि क्या कमी रह गई है। सभी का एक तरह से समाधान नहीं किया जा सकता।' उन्होंने उस रूढ़िवादिता को भी चुनौती दी जिसके मुताबिक अगर गरीब लोगों को पैसा दिया गया तो वे उसका अपव्यय करेंगे एवं आलसी हो जाएंगे और फिर गरीबी के दलदल में फंस जाएंगे। बनर्जी ने घोर गरीबी में रह रहे लोगों को पूंजी देने और मुफ्त में सुविधाएं देने का समर्थन किया।

जयपुर साहित्य महोत्सव के दौरान नारेबाजी कर रहे पांच लोग हिरासत में लिए गए

जयपुर, 26 जनवरी (भाषा)।

जयपुर के डिग्गी हाउस में चल रहे जयपुर साहित्य महोत्सव (जेएलएफ) के एक सत्र के दौरान नारेबाजी कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने रविवार को हिरासत में ले लिया।

हालांकि, बाद में पुलिस ने उन्हें भविष्य में इस प्रकार का कृत्य नहीं करने की चेतावनी देकर छोड़ दिया।

जेएलएफ के एक सत्र के दौरान पांच लोगों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ नारेबाजी की, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

सोशल मीडिया पर मौजूद इसके वीडियो में ये लोग नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं। नारेबाजी कर रहे लोगों को जेएलएफ के सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मी परिसर से बाहर लेकर गए, जहां उन्होंने अपनी नारेबाजी जारी रखी। पुलिस ने उसके बाद पांच कार्यकर्ताओं को सीआरपीसी की धारा 129 के तहत हिरासत में ले लिया और उन्हें लेकर अशोक नगर थाने पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की गई।

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	22.7 डि.से.	22.7 डि.से.	21.8 डि.से.	22.7 डि.से.
न्यूनतम	6.9 डि.से.	6.9 डि.से.	7.3 डि.से.	7.5 डि.से.

कोचिंग सेंटर हादसा : सुभाष विहार के पांच घरों में मातम

मकान मालिक पुलिस गिरफ्त में

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

कोचिंग सेंटर की छत ढहने से हुई पांच लोगों की मौत से भजनपुरा से सुभाष विहार में मातम पसरा हुआ है। एक ही कॉलोनी के एक शिक्षक और चार बच्चों की मौत से हर कोई गमगीन है। वहीं, रविवार को दिल्ली पुलिस ने मकान मालिक व उमेश के भाई शंकर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में घायल हुए बच्चों के परिजनों ने कहा कि कोचिंग सेंटर के ऊपर निर्माण कार्य चल रहा था। इसकी जानकारी नहीं थी। यदि जानकारी होती तो वह बच्चों को नहीं भेजते। पड़ोसियों ने बताया कि काम करने वाले मजदूरों ने कहा था कि बच्चों की छुट्टी कर दें। पर शंकर और उमेश नहीं माने थे।

मामले पर उत्तरी-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त वेद प्रकाश सूर्य ने बताया कि फिलहाल लापरवाही का मामल दर्ज कर लिया गया है। मकान मालिक और शिक्षक उमेश की हादसे में मौत हो गई है और शंकर घायल हैं। फिलहाल इस मामले में कानूनी मदद लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। देश के 71वें गणतंत्र दिवस के मौके पर जहां राजधानी में चारों ओर आजादी का जश्न मनाया जा रहा था। वहीं, शहर के भजनपुरा के सुभाष विहार में लोगों की आंखें नम थी। शनिवार को हुए खौफनाक हादसे पर स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल 15 अगस्त और 26 जनवरी के मौके पर कई कार्यक्रम और झंडा फहराया जाता था, लेकिन इस साल इलाके में घटी घटना के बाद सुभाष विहार में हर कोई दुखी है। कहीं कोई आयोजन नहीं हुआ।

बेटे का आखिरी सलाम

फाइल फोटो

हादसे में जान गंवाने वाले दीशू के पिता महिपाल सिंह ने बताया कि सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला दीशू महिपाल के तीन बच्चों में छोटा बेटा था। गणतंत्र दिवस के मौके पर स्कूल कार्यक्रम के लिए कुछ घंटे पहले ही महिपाल फौजी की वर्दी लेकर आए थे। एक बार उसने यह भी कहा था कि पापा वह आखिरी सलाम कर रहा है। पर जब पिता ने उसे टोका तो वह हंसने लगा था। कोचिंग जाने के कुछ समय बाद महिपाल को पता चला कि कोचिंग सेंटर की दूसरी मंजिल ढह गई है और दीशू मलबे में दब गया है। दीशू की दादी की मौत 22 जनवरी को हो गई थी। परिवार के लोग 24 जनवरी को हरिद्वार से अस्थि विसर्जन कर लौटे थे। महिपाल ने कहा कि वह बेटे को सेना में जाने का मन था इसलिए उसका अंतिम संस्कार फौजी की वर्दी पहनाकर करेंगे, ताकि उसकी अंतिम इच्छा पूरी हो।

मां को नहीं दी बेटे की मौत की खबर

फाइल फोटो

सुभाष विहार के एफ-68, गली नंबर तीन रहने वाले कारखाना मजदूर राजेश के बेटे कृष्णा (9) की भी मौत हो गई थी। कृष्णा के भाई नितिन और बहन उमा भारती को भी चोटें पहुंची हैं। कृष्णा की मां लक्ष्मी को परिजनों नहीं बताया है कि अब वह इस दुनिया में नहीं है। लक्ष्मी ने कहा कि डॉक्टर को बताएं कि वह उसके बेटे की अच्छे से इलाज करे। कोई कोताही नहीं बरतें। उनका बेटा सेना में अधिकारी बन देश की सेवा करना चाहता है। परिजनों ने बताया कि डर है कि यदि उन्हें जानकारी दे दी गई तो उन पर गलत असर पड़ेगा। लक्ष्मी ने बताया कि कृष्णा ने कहा था कि कोचिंग से जब तक लौटकर आएगा तो उसके लिए मैगी बनाकर रखेगी।

फैंसी ड्रेस लेकर आई थी बेटी

फाइल फोटो

सुभाष विहार के गली नंबर 17 में विक्की त्यागी की बेटी कीर्ति (10) रविवार को स्कूल के सांस्कृति कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली थी। उनके अलावा कोचिंग सेंटर में उसका भाई यश त्यागी, देव त्यागी और बहन नैना त्यागी भी इसी कोचिंग सेंटर में पढ़ते थे। कीर्ति की मौसी ने बताया कि उनकी और उनकी बहन की शादी एक ही घर में हुई है। कोचिंग सेंटर में चार बच्चे एक ही घर के पढ़ते थे। घटना के समय नैना भी पढ़ रही थी, लेकिन वह भूतल पर थी इस कारण बच गई। उन्होंने बताया कि कीर्ति का ड्रेस एक दिन पहले ही आ गया था। ड्रेस पहनने के लिए उसने अपनी मौसी अर्चना से कहा था कि वह पहना दे, ताकि उसे प्रतियोगिता में जीत मिले।

शिक्षक उमेश के घर गमी

हादसे में जान गंवाने वाले शिक्षक उमेश के घर मातम का माहौल है। घायल शंकर उमेश के भाई हैं। दोनों ने मिलकर कोचिंग सेंटर खोला था। परिजनों ने बताया कि शंकर की पत्नी लक्ष्मी और उमेश की पत्नी रुचि भी पढ़ाती थीं। घटना के समय रुचि भूतल पर पढ़ा रही थी और उमेश ऊपरी मंजिल पर थे। घायल बच्चे प्रिंस शुक्ला के पिता राम बाबू ने कहा कि अब बच्चों को नहीं भेजेंगे। सुभाष विहार में एफ-68 में रहने वाले दो परिवार के तीन-तीन बच्चे वहां पढ़ते थे। हादसे में जान गंवाने वाले फरहान सुल्तान के पिता आरिफ सुल्तान पुलिस अधिकारी से पोस्टमार्टम नहीं करवाने की अपील करते रहे, लेकिन पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा दिया।

कमरे में मिला दक्षिण भारतीय ट्रस्टकर्मी का शव

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 26 जनवरी।

खैरपुर गांव स्थित एक दक्षिण भारतीय एजुकेशनल ट्रस्ट के एकाउंटेंट की हत्या कर कर दी गई। मृतक का शव रविवार सुबह कमरे में पड़ा मिला है। सूचना मिलने पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस को एकाउंटेंट के सिर पर चोट के निशान मिले हैं।

आशंका जताई गई है कि घटना को अंजाम देने के बाद शव को वहीं छोड़ दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मृतक के सहयोगी की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित खैरपुर गांव में कर्नाटक के बेल्लूर स्थित आनंद चुनचुन गिरी संस्थान ट्रस्ट के एकाउंटेंट गुरुराज (25) किराए के मकान में रहते थे। ट्रस्ट का ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बीजीएस विजनाथम नाम से स्कूल भी संचालित है। गुरुराज के साथ मकान के अन्य कमरों में ट्रस्ट के सचिव आनंद गिरी व रसोइया गोपाल भी रहता है। रविवार सुबह पुलिस को गुरुराज का शव कमरे में पड़ा होने की सूचना मिली।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आसपास के लोगों से पूछताछ की। गोपाल ने पूछताछ में बताया कि शनिवार रात भोजन करने के बाद सभी अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए थे। सुबह उठकर सभी अपने-अपने कामों में लग गए थे लेकिन गुरुराज कमरे से बाहर नहीं आए। लोगों ने समझा कि गुरुराज अभी तक सो रहे होंगे।

काफी देर होने पर भी जब गुरुराज बाहर नहीं आए, तो कमरा का दरवाजा खोलकर देखा गया। अंदर गुरुराज मृत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले। नोएडा सेंट्रल जोन के एसीपी राजीव कुमार सिंह के मुताबिक, मृतक के सिर पर चोट के निशान हैं। किसी वस्तु से सिर पर प्रहार कर वारदात को अंजाम दिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद चोट और इस्तेमाल होने वाले हथियार की जानकारी मिल पाएगी। प्रथमदृष्टया मृतक के साथ रहने वाले सभी लोग संदेह के दायरे में हैं। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली और आसपास के कई इलाके में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मेंस (एफआइआर) के महामंत्री डॉ एम राघवैया ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री और अध्यक्ष एसएन मलिक व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। गणतंत्र दिवस को क्रांतिकारी युवा संगठन ने कौमी एकता और सांप्रदायिक सौहार्द के दिवस के तौर पर मनाया।

इस मौके पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने शाहीन बाग और अन्य इलाकों में आम लोगों को राखी बांधी और सीएए कानून के खिलाफ लोगों को एकजुट करने की मुहिम चलाई। गाजियाबाद काला पत्थर रोड स्थित सृजन विहार हाउसिंग सोसाइटी में अवकाश प्राप्त शिक्षकों एचडी पालीवाल और पीबी जोशी ने झंडारोहण किया। बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी सागर सिंह रावत मौजूद थे। सोसाइटी के अध्यक्ष जितेंद्र सक्सेना और उपाध्यक्ष राम सिंह नेगी, सचिव संदीप जोशी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन और महासचिव दीपक भंडारी ने धन्यवाद किया। उधर पटपड़गंज के मन्नू अपार्टमेंट में भी गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।

पुलिस ने 558 राइफलों को विदा कर थामी इनसास व एसएलआर

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 26 जनवरी।

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर बहुत तेजी के साथ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। देश-विदेश के तमाम उद्योगपतियों एवं औद्योगिक घरानों ने यहां बड़ा निवेश किया है। उद्यमियों के साथ आम जनता अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सके, इसके लिए पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करना बहुत ही जरूरी हो गया था। सरकार का यह निर्णय बहुत ही कारगर सिद्ध होगा। इस दौरान नई स्मार्ट पुलिस के साथ नये हथियार लागू किए गए। जनपद में 558 रायफल को गणतंत्र दिवस के अवसर पर विदाई दी गई।

वे रविवार को सूरजपुर स्थित पुलिस लाइन में 71वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ध्वजारोहण के बाद परेड में शामिल हुए। शानदार परेड का नेतृत्व एसीपी व आइपीसी अधिकारी श्रद्धा पांडेय ने किया। परेड में पुलिस विभाग द्वारा अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। गौतमबुद्ध नगर पुलिस अत्याधुनिक हथियार एसएलआर (सेल्फ लोडिंग रायफल) व इनसास से लैस हो गई है। राणा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार का सपना औद्योगिक विकास है, जिससे कि रोजगार के अवसर पैदा हो सकें। औद्योगिक माहौल तभी बनेगा,जब बेहतर कानून व्यवस्था होगी। पुलिस को समय के साथ अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया जा रहा है। पुलिस को थ्री नॉट थ्री रायफल की जगह एसएलआर (सेल्फ लोडिंग रायफल) व इनसास जैसे अत्याधुनिक हथियार दिए गए हैं।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने कहा कि जनपद की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। नई व्यवस्था को अच्छी तरह से लागू किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि यह बहुत ही भावुक क्षण है। ऐसा हथियार, जिसे पुलिस ने लंबे समय तक इस्तेमाल किया। डकैतों, नक्सलियों व संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में रायफल बेहतरीन हथियार था, लेकिन समय के हिसाब से आधुनिक हथियार को लाना पड़ा है। इन्हें संग्रहालय और प्रशिक्षण केंद्रों में रखा जाएगा। इस मौके पर जिला न्यायाधीश, अतिरिक्त आयुक्त श्रीपर्णा गांगुली, अखिलेश कुमार आदि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

ऐ भाई...

ट्विटर चौपाल से तिवारी ने केजरीवाल पर साधा निशाना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

ग्रेटर कैलाश के जमरुदपुर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद मनोज तिवारी ने रविवार को ट्विटर चौपाल की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग अब केजरीवाल के ड्रामे से बोर हो चुके हैं। केजरीवाल सरकार के सारे हथकंडे अब फेल हो गए हैं क्योंकि लोगों ने उन्हें सिरे से नकार दिया है। भाजपा की सरकार आते ही दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए 60 स्माग टावर लगवाए जाएंगे। आप वादों और बातों में यकीन रखती है और काम के नाम पर एक और नए वादे के साथ चली आती है लेकिन भाजपा ऐसी पार्टी है जो अच्छे शासन पर और लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए काम करती है। इस चौपाल में ग्रेटर कैलाश से भाजपा प्रत्याशी शिखा राय, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी पुनीत अग्रवाल, सह-प्रभारी नीलकांत बक्शी सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संग रोड शो के सफल आयोजन के बारे में बताते हुए दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि ये दिल्ली के लोगों का प्यार ही है जो खुद गृह मंत्री को चुनाव प्रचार के लिए खींच कर ले आया। रोड शो के दौरान जिस तरह से लाखों लोग सड़क के किनारे होकर नरेंद्र मोदी के लिए गए ऐतिहासिक फैसलों के समर्थन में नारे लगा रहे थे और काफिले में साथ चल रहे थे उससे ये साबित हो गया है कि भाजपा दिल में, अब भाजपा दिल्ली में।

उन्होंने केजरीवाल पर पांच साल काम न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बहुत हो गया दिल्ली का नुकसान, अब भाजपा करेगी इसका समाधान।

ट्विटर पर आए सवालों का जबाव देते हुए तिवारी ने कहा कि प्रचार के जरिए चुनाव नहीं जीता जा सकता बल्कि दिल्ली के लोगों की आम समस्याओं का समाधान करने वाला ही चुनाव जीतेगा और ये काम भाजपा ने किया है। और हमें विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। विज्ञापनों में खुद को हीरो बनाने के लिए करोड़ों उड़ाने वाले केजरीवाल ने तो दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए कुछ नहीं किया लेकिन भाजपा की सरकार आते ही दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए 60 स्माग टावर लगवाए जाएंगे जिसकी लागत भी कम है।

कांग्रेस उम्मीदवार नए-नए नारे गढ़ कर रहे जनसंपर्क

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

द्वारका विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी आदर्श शास्त्री ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानों पर जनसंपर्क किया। इस दौरान आदर्श शास्त्री ने एक नारा भी दिया 'आदर्श झुकेगा नहीं, आदर्श रुकेगा नही'। दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने द्वारका विधानसभा में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान आदर्श शास्त्री के पिता अनिल शास्त्री भी मौजूद रहे। इसके साथ ही आदर्श शास्त्री ने अपने क्षेत्र में विधानसभा रैली निकाली। साथ ही डाबडी गांव में आयोजित बॉलीबाल खेल प्रतियोगिता में पहुंच कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। वहीं, गांधी नगर से कांग्रेस उम्मीदवार अरविंदर सिंह लवली ने डबल स्टोरी वेलकम, कैलाश नगर, इस्ट आजाद नगर और फातीमा चौक, बुलंद मस्जिद के बाद जनसभाएं कीं। ये जनसभाएं देर रात करीब नौ बजे तक आयोजित की गईं। अरविंदर सिंह लवली ने नारा दिया है कि संवारी थी दिल्ली, बदला था गांधी नगर। वहीं, विकासपुरी विधानसभा उम्मीदवार मुकेश शर्मा ने दास गार्डन और विकासपुरी में पदयात्रा की। चांदनी चौक से प्रत्याशी अलका लांबा ने नया बाजार, तिलक बाजार और खारी बावली में जनसंपर्क किया। उन्होंने भी नाया दिया कि विकास किया है विकास करेंगे, चांदनी चौक को संवारेंगे।

मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री पर लगाया लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप, कहा

दिल्ली के लोग बिकाऊ नहीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दिल्ली के लोगों का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने का आरोप लगाया। एक वीडियो संदेश के जरिए केजरीवाल ने कहा कि शाह रोज अपनी चुनावी सभाओं में दिल्ली के लोगों का अपमान करके चले जाते हैं, यह उनको शोभा नहीं देता। मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर दिल्ली के लोगों को बिकाऊ कहकर अपमानित करने का आरोप भी लगाया।

वार-पलटवार

केजरीवाल ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि बीते पिछले पांच साल में दिल्ली के लोगों ने कड़ी मेहनत से अपने स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी आदि की व्यवस्था को ठीक किया है, लेकिन गृह मंत्री अमित शाह रोज आते हैं और दिल्ली वालों की मेहनत का मजाक उड़ा कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले शाह ने कहा कि दिल्ली में एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा जबकि दिल्ली में अभी तक दो लाख कैमरे लगाए गए हैं। लोगों ने उनकी फोटो खींचकर भेज दी। उन्होंने कहा कि इस साल दिल्ली के सरकारी स्कूलों के नतीजे 96 फीसद आए हैं। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में कभी किसी राज्य के सरकारी स्कूलों का 96 फीसद नतीजे नहीं आए। देश के दूसरे राज्य ले लीजिए, कहीं 40 फीसद नतीजे आते हैं, तो कहीं 50 फीसद।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच साल में दिल्ली वालों ने दिल्ली के विकास के लिए खूब टैक्स दिया। ये टैक्स 30 हजार करोड़ से बढ़कर 60 हजार करोड़ हो गया। उन्होंने पूछा कि भाजपा को दिल्ली के लोगों ने पुलिस, एमसीडी और डीडीए दिया और भाजपा को बताना चाहिए कि इन विभागों ने क्या अच्छा काम किया? उन्होंने कहा कि भाजपा अपने काम गिनाए। भाजपा के नेता दिल्ली वालों को बिकाऊ बोल रहे हैं।

केजरीवाल झूठ बोलने में नंबर एक : शाह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार शाम को रोहताश नगर और बाबरपुर में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल की सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और इन्फ्रास्ट्रक्चर में भले ही फेल हो, लेकिन झूठ में नंबर-एक है। अभी अगर झूठ बोलने की प्रतिस्पर्धा हो तो वो नंबर-एक हैं। शाह ने कहा कि जब आठ फरवरी को मतदान करने जाएं तो ये सोचकर जाएं कि आपका वोट आपका ही भविष्य तय करने वाला है। केजरीवाल ने कहा था 500 स्कूल बनाएंगे, 50 कालेज बनाएंगे, कितने बनाए, जवाब दें। केजरीवाल ने कहा था कि 15 लाख सीसीटीवी लगवाएंगे, फ्री वाईफाई देंगे, दिल्ली को साफ पानी देंगे, कितना दिया, जवाब दें।

इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी, रोहताश नगर में भाजपा प्रत्याशी जितेंद्र महाजन और बाबरपुर में नरेश गौड़ के लिए जनता से अपील की। गृह मंत्री जोर शोर से प्रचार में लगे हुए हैं। दिल्ली का कोई भी इलाका छूट न जाए इसके लिए वे दक्षिणी दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से बाहरी और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के बवाना-बादली, मटियाला और नांगलोई जाट और पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के घोंडा विधानसभा तक में कार्यक्रम कर रहे हैं।

'कांग्रेस की अब आजादी और संविधान बचाने की लड़ाई'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने गणतंत्र दिवस के मौके पर रविवार को दिल्लीवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का हासिल है। कांग्रेस नेताओं ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और स्वतंत्रता के बाद बाबा साहब आंबेडकर ने हर नागरिक को बराबरी का अधिकार देने का संविधान बनाया। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने देश के मजबूत निर्माण की नींव रखी। आज हमारी इस आजादी को कुछ सांप्रदायिक ताकतें और सत्ता लोलुप पार्टियां चुनौती देने का काम कर रही हैं और एक बार फिर कांग्रेस ने देश के संविधान और आजादी को बचाए रखने की लड़ाई शुरू कर दी है।

सुभाष चोपड़ा ने ओखला में कांग्रेस प्रत्याशी परवेज हाशमी, लक्ष्मी नगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हरिदत शर्मा, द्वारका विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी आदर्श शास्त्री और राजौरी गार्डन विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अमनदीप सिंह सुदन, शकूर बस्ती विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी देवराज अरोड़ा के चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन किया।

प्रियंका करेंगी रोड शो, राहुल की होगी जनसभा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के रोड शो कराने की मांग ज्यादा उम्मीदवारों की ओर से की जा रही है। लोकसभा चुनाव की तर्ज पर प्रियंका इस चुनाव में भी राजधानी के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में रोड शो कर सकती हैं जबकि राहुल की जनसभा दक्षिण व बाहरी दिल्ली में कराए जाने की संभावना है।

दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के चुनाव प्रचार कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को एक अहम बैठक हो रही है। इस बैठक में विभिन्न उम्मीदवारों की ओर से स्टार प्रचारकों के लिए की गई मांग पर विचार किया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत

विवरण पार्टी हाईकमान को भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि सोमवार को हो रही बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा के चुनाव प्रचार में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जरूर हिस्सा लेंगे।

बैठक आज

लोकसभा के पिछले चुनाव में प्रियंका गांधी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर जाफराबाद इलाके में एक रोड शो किया था जिसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। इसके अलावा उन्होंने एक रोड शो दक्षिण दिल्ली में भी किया था। आंकड़ों की बात करें तो लोकसभा के चुनाव परिणाम में कांग्रेस राजधानी के पांच विधानसभा क्षेत्रों में पहले नंबर पर आई थी और ये सारे के सारे क्षेत्र अल्पसंख्यक बहुल थे। इनमें सीलमपुर और ओखला विधानसभा क्षेत्र भी शामिल था। कांग्रेस को इस बार भी अल्पसंख्यकों से काफी आस है। लिहाजा, ज्यादा संभावना इस बात की है कि प्रियंका और राहुल के रोड शो इन्हीं इलाकों में ज्यादा किए जाएं। अल्पसंख्यक वोटों को लेकर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के बीच खींचतान जारी है।

सूत्रों ने बताया कि राहुल, प्रियंका सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम इस प्रकार बनाए जाएंगे कि एक रोड शो में दो-तीन विधानसभा क्षेत्रों का दौरा हो जाए। इससे ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों की मांग को पूरा किया जा सकेगा। इसी प्रकार एक बड़ी जनसभा पांच-सात विधानसभा क्षेत्रों तक पार्टी की आवाज पहुंचाने की कोशिश की जाएगी।

'आप' व कांग्रेस का नेतृत्व मानसिक दिवालियापन से गुजर रहा : नड्डा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को पटेल नगर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी परवेश रत्न के समर्थन में आयोजित नुक्कड़ सभा में कहा कि अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) हताश हो चुकी है। इनका नेतृत्व मानसिक दिवालियापन से गुजर रहा है। भाजपा अपनी नीतियों और उद्देश्य को समाज के सामने रखता है और विकास के लिए गतिशील रहता है।

जनता के बीच

दिल्ली की कच्ची कालोनियों, झुग्गी बस्तियों में जाने पर पता चलता है कि केजरीवाल ने दिल्ली को किस तरह से नरक बना दिया है। सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने

पिछले विधानसभा चुनाव में केजरीवाल सरकार को ये सोचकर चुना कि ये दिल्ली की तस्वीर बदलेंगे लेकिन बदले में लोगों को सिर्फ धोखा मिला। लेखी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने भी तय कर लिया है कि केंद्र और निगम के बाद अब दिल्ली में भी भाजपा की सरकार को लाना है।

पूर्व सांसद ने 'काम की बात' से दिल्ली सरकार पर बोला हमला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली की भूतपूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित 'काम की बात' के नाम से वीडिया जारी कर आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार पर लगातार कई दिनों से हमला कर रहे हैं। जारी किए गए वीडियो में तथ्यों का हवाला देकर संदीप दीक्षित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना भी साध रहे हैं। रविवार को जारी वीडियो में स्वास्थ्य की सुविधाओं पर दिल्ली सरकार को घेरा। दीक्षित का आरोप है कि जब शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनी थीं, तब दिल्ली में मात्र 18 छोटे-बड़े अस्पताल दिल्ली सरकार के अधिन थे। पर 2015 में जब आप की सरकार आई तो 39 अस्पताल थे। पांच साल के शासनकाल में एक भी नया अस्पताल नहीं बना। हैरानी की बात यह है कि जो अस्पताल निर्माणाधीन थे। उनके कार्य आज तक अधूरे पड़े हैं।

संदीप दीक्षित का आरोप है कि कांग्रेस के शासनकाल में 4000 से बढ़कार अस्पतालों में 12000 बेड की व्यवस्था की गई थी। पर बीते पांच साल में बेडों की संख्या में इजाफा नहीं किया गया। शीला दीक्षित ने 180 डिस्पेंसरी को बढ़कर 500 कर दिया था, लेकिन आप के शासनकाल में कई डिस्पेंसरी बंद कर दिए गए। हालांकि, सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक खोले जरूर हैं, लेकिन उनकी स्थिति काफी खराब हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मादीपुर, सरिता विहार, आंबेडकर नगर, सिरसपुर, ज्वालापुरी, बुराड़ी में शीला दीक्षित के शासनकाल में अस्पताल बनने का कार्य शुरू हुआ था, लेकिन बीते पांच साल में एक भी अस्पताल का निर्माण कार्य वर्तमान सरकार पूरा नहीं कर सकी।

बेहतर नतीजों के दावों के साथ बसपा तैयार

आशीष दुबे
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

दिल्ली में तीन प्रमुख दलों के बीच की लड़ाई में सेंध लगाने के लिए अन्य राजनैतिक दल भी पूरी तैयारी से जुटे हैं। खासतौर पर 2008 जैसी स्थिति से और बेहतर साबित करने की मुहिम में जुटी दिल्ली बसपा ने इस बार 40 स्टार प्रचारकों की सूची तैयार की है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती के अलावा कई सांसद व पूर्व सांसद शामिल हैं।

दिल्ली में बसपा ने सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जिन इलाकों में अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति के मतदाता प्रभावी हैं, वहां बड़े नेताओं की जनसभा कराने की तैयारी है। 2008 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने दो सीटें जीती थीं। दिल्ली में उसे 16 फीसद वोट मिले थे। इससे पहले 2003 में भी बसपा को नौ फीसद मत मिले थे। बसपा के दिल्ली प्रदेश

बसपा प्रमुख मायावती के अलावा सतीश चंद मिश्र, आनंद, आकाश समेत पूर्व सांसद करेंगे जनसभा

अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने बताया कि इस बार के चुनाव में बसपा सत्ता की चाबी तय करेगी। इस बार 2008 से बेहतर परिणाम आएंगे और 20 फीसद से अधिक मत पार्टी को मिलेंगे। बसपा प्रमुख के अलावा स्टार प्रचारकों की सूची में भाई आनंद, भतीजा आकाश, सतीश चंद मिश्र, राज्यसभा सांसद बीर सिंह, राजाराम, डॉ. अशोक सिद्धार्थ, पूर्व एमएलसी एमएल तोमर समेत कुल 40 के नाम तय किए गए हैं। इलाकेवार प्रचारकों की जनसभा, रैलियों आदि का कार्यक्रम तय करने के बाद धुआंधार प्रचार शुरू किया जाएगा।

चुनावी तैयारी

राजनैतिक जानकार मानते हैं कि उत्तर प्रदेश से सटे दिल्ली के इलाकों में बसपा का काफी प्रभाव रहा है। दिल्ली में बसपा 2008 में मतों के आधार पर तीसरे सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। हालांकि 2015 में आप की सुनामी के कारण बसपा का आधार घटकर करीब 1.5 फीसद रह गया। माना जा रहा है कि अनुसूचित जाति व अल्पसंख्यक बाहुल्य सीटों पर पार्टी का अधिक जोर रहेगा।

रोहताश नगर में कांग्रेस उम्मीदवार ने विकास के नाम पर मांगा समर्थन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

रोहताश नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी विपिन शर्मा ने लोनी रोड स्थित एमआइजी, एलआइजी एक्सटेंशन इलाके में जनसंपर्क कर समर्थन मांगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस रिहायशी और वाणिज्यिक बिजली बिलों में राहत दिलाएगी। गणतंत्र दिवस का अवकाश होने के चलते बड़ी संख्या में लोग जनसंपर्क में साथ रहे।

उन्होंने कहा कि रोहताश नगर मेरा घर है। मैं इसका विकास भी करूंगा। इलाके में अब तक जो भी विकास कार्य हुए हैं, वह कांग्रेस ने ही कराए हैं। चुनाव जीतने के बाद 600 यूनिट रिहायशी बिजली के बिलों में राहत दिलाई जाएगी। इसी तरह 200 यूनिट तक के वाणिज्यिक बिलों में भी राहत दिलाने का काम किया जाएगा। ताकि सामान्य नागरिक, दुकानदारों और व्यापारियों को लाभ मिल सके। पदयात्रा में राजपाल सिंह, विनोद राणा, भारत कौशिक, देवेंद्र शर्मा, राजकुमार शर्मा, सत्यनारायण, पूजा दीक्षित, रजनी शर्मा समेत बड़ी संख्या में समर्थक साथ रहे।

समोसा और प्रचार

राजधानी में चल रहे चुनाव प्रचार में शामिल होने वाले लोगों में छुटभैए नेताओं से लेकर मुहल्ले के बच्चे व उनके दोस्त भी सक्रिय हैं। ऐसी ही एक बानगी बेदिल को भी देखने को मिली। एक पार्टी विशेष की टोपी पहने कुछ बच्चे पटपड़गंज के गलियों में घूम रहे थे। उनकी अगुआई एक छुटभैए नेता कर रहे थे। टोली में शामिल एक बच्चे ने फोन कर अपने दोस्त को बुलाया। कहा कि यार लाल बत्ती वाली दुकान के सामने आ जा हम मिलकर मजे करेंगें। पूरा मोहल्ला घूमना है चाय, समोसा भी करेंगे। बड़ा मजा आ रहा है आ जा।

हाई प्रोफाइल सीट नहीं

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के एक पदाधिकारी का नाम विधानसभा उम्मीदवारों की पहली सूची में ही आ गया था। वह लोकसभा का चुनाव भी लड़े थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यही कारण है कि जब पार्टी ने उन्हें एक सुरक्षित सीट से विधानसभा में उम्मीदवार बनाया तो उन्हें लगा कि यह सीट हाई प्रोफाइल सीट नहीं है। हालांकि, इस सीट से चुनाव जीतने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शीला दीक्षित सरकार में मंत्री भी रहे थे। पर यह सीट पार्टी के वर्तमान पदाधिकारी को पंसद नहीं आई और उन्होंने कुछ मीडिया में अपना साक्षात्कार देकर नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की। एक बारी तो ऐसा लगा कि घर वापसी कर चुके पूर्व मंत्री पर पार्टी दांव लगा सकती है, लेकिन जब दूसरी लिस्ट आई तो उसमें उस सीट को लेकर कोई बदलाव नहीं देखने को मिला। हालांकि, घर वापसी कर चुके दो अन्य नेताओं का नाम शामिल था, जिसे पार्टी ने उन्हीं दोनों सीट से उम्मीदवार बनाया था, जहां से वे कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके थे। अब देखना बड़ा ही दिलचस्त होगा कि अपनी मनपंसद सीट की मांग मीडिया के माध्यम से मांगने वाले पदाधिकारी अपनी जीत दर्ज करवा पाते हैं या फिर लोकसभा चुनाव की तरह हार का सामना करना पड़ सकता है।

अफसर चुस्त

कई बार विभाग के कर्मचारियों की सुस्ती उसके चुस्त अफसर की किरकिरी करा देती है। ऐसा ही एक वाकया हुआ बीते दिनों दिल्ली के निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर में। हुआ यों कि यहां के विभाग प्रमुख ने अपने मातहतों को समय की पाबंदी और तथ्यों को लेकर चौकान्ना रहने को कहा था, लेकिन शायद हो न सका। तभी तो मीडिया को भेजे आंकड़े एक दिन कुछ और दूसरे दिन कुछ होते दिखे। दरअसल यह वाकया दिल्ली चुनाव में परचा भरने के आखिरी दिन का था। मीडिया वाले जानना चाह रहे थे कि आखिर कितने उम्मीदवारों ने परचा भरा। विभाग ने जवाब भी दिया और आंकड़े भी दिए। लेकिन जिसे 343 बताया गया था वह अगले दिन 327 निकला। संवाददाता चौंके। जब पूछा गया तो जवाब था, यह सुधार है। इससे यही लगता है कि अफसर चुस्त, मातहत सुस्त हैं।

नामांकन पर चुटकी

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नामांकन में हुई देरी को लेकर चितिंत समर्थकों पर अब आयोग के अधिकारी भी चुटकी ले रहे हैं। एक बड़े अधिकारी ने प्रक्रियाओं में हुई देरी पर सीधा सा जवाब दिया। कहा आयोग का समय तय है। कब नामांकन शुरू होगा और कब खत्म होगा। यब भी पता है कि परिसर में आने के बाद सबका नामांकन होगा। तो हड़बड़ी क्यों, तय नियम व प्रक्रिया का पालन करें। सब ठीक ही होगा। ये तो वही बात है कि बच्चा परीक्षा के लिए देरी से आएगा और अधिक समय की मांग भी करेगा।

जनसंघ और भाजपा

दिल्ली में चुनावी माहौल के बाद एक नया बदलाव भाजपा में नजर आया है। पार्टी ने इस बार जनसंघ और भाजपा नेताओं को एक साथ दिखाने की कोशिश की है। इसकी पहल प्रदेश अध्यक्ष के कार्यालय में लगे एक बोर्ड से हुई है। यह बोर्ड विशेषतौर पर जनसंघ से लेकर अब तक अध्यक्षों के कार्यकाल पर तैयार किया गया है। अब तक केवल अध्यक्ष के कार्यकाल बोर्ड ही पार्टी कार्यालय में नजर आते थे। इस बार जनसंघ की कहानी भी बोर्ड बता रहा है। इन बोर्ड पर जनसंघ की शुरुआत 1951 से लेकर 2016 तक हुए बदलावों की जानकारी दी गई है।

-बेदिल

www.readwhere.com

नृत्य गुवाहाटी में रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पारंपरिक जनजातीय नृत्य प्रस्तुत करती महिलाएं।

महाराष्ट्र में प्रयोग के तौर पर शिवभोजन योजना शुरू

- 71वें गणतंत्र दिवस पर शुरू हुई इस योजना में गरीबों को दस रुपए में भोजन उपलब्ध होगा।
- इस थाली में दो चपाती, एक सब्जी, चावल और दाल शामिल है।

मुंबई, 26 जनवरी (भाषा)।

शिवसेना की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गरीबों को दस रुपए में भोजन उपलब्ध कराने की बहुप्रतीक्षित शिवभोजन योजना शुरू की।

प्रयोग के तौर पर यह योजना शुरू की गई है जिसके तहत सभी जिलों में निर्धारित समय पर तय केंद्रों/कैंटीनों में लोगों को थाली या लंच प्लेट उपलब्ध कराया जाएगा। यह योजना शिवसेना के चुनावी वादों में एक था। शिवसेना महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर गठबंधन सरकार चला रही है।

मुंबई में जिले के प्रभारी मंत्री असलम शेख ने नगर निकाय के नैयर अस्पताल की कैंटीन में 'शिवभोजन थाली' का उद्घाटन किया। ऐसे ही एक केंद्र का बांद्रा के जिलाधिकारी कार्यालय में पर्यटन मंत्री और मुंबई उपनगर के जिला प्रभारी मंत्री ने शुभारंभ किया। पुणे और नासिक के भी प्रभारी मंत्रियों क्रमशः अजीत पवार और छगन भुजबल ने अपने अपने जिलों में यह योजना शुरू की। अधिकारियों के अनुसार प्रभारी मंत्रियों और अन्य गणमान्य अतिथियों ने विभिन्न जिलों में इस केंद्र का शुभारंभ किया। इस थाली में दो चपाती, एक सब्जी, चावल और दाल शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक दिन के 12 बजे से लेकर दो बजे तक यह थाली उपलब्ध होगी। हर कैंटीन में रोजाना कम से कम 500 थालियां मिलेंगी।

आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया, 'इस योजना का लक्ष्य सभी को सस्ता और अच्छा भोजन उपलब्ध कराना है, भले ही उसकी जाति, पंथ या वित्तीय स्थिति कुछ भी हो।' राज्य सरकार इस प्रायोगिक योजना पर 6.4 करोड़ रुपए का खर्च करेगी। यह प्रायोगिक परियोजना तीन महीने के लिए है।

'गुमनाम नायकों को पद्म सम्मान मिलना भारत की खोज'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि गुमनाम नायकों को पद्म सम्मान दिए जाने की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि यह एक तरह से भारत की खोज है। नायडू ने ट्वीट किया, 'मुझे हर्ष है कि इस वर्ष के पद्म पुरस्कार, देश के उन अनजान विभूतियों को सर्मिपत हैं जिन्होंने समाज के उत्थान में अनुकरणीय योगदान दिया है।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सरकार की सराहना करता हूं कि प्रचार की चकाचौंध से दूर इन विभूतियों के प्रयासों को सम्मानित किया जा रहा है। वास्तव में ये भारत की खोज है। मैं पद्म पुरस्कार विजेताओं का उनकी समाज सेवा और अनुकरणीय राष्ट्र निष्ठा के लिए अभिनन्दन करता हूं।'

पूर्व केंद्रीय मंत्रियों अरुण जेटली, सुषमा स्वराज एवं जार्ज फर्नांडीस, मुक्केबाज मैरी कॉम और मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरूद्ध जगन्नाथ समेत सात हस्तियों को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।

गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाराणसी के प्रसिद्ध शास्त्रीय भजन गायक छन्नूलाल मिश्र और विश्वेशतीर्थ स्वामीजी श्री पेजावर अधोखजा मठ उडुपी (मरणोपरांत) को सर्वोच्च पद्म पुरस्कार 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया।

पत्थलगड़ी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

क्या झारखंड सरकार आरोपियों के खिलाफ राजद्रोह के आरोप वापस लेना चाहती है

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड की नवनिर्वाचित सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या वह उन चार आदिवासी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध राज्य में पत्थलगड़ी आंदोलन के समर्थन में कथित तौर पर फेसबुक पोस्ट लिखने के लिए राजद्रोह के आरोप में दर्ज मामले वापस लेना चाहती है।

शीर्ष अदालत को आरोपियों की ओर से सूचित किया गया कि राज्य सरकार के कैबिनेट के पहले निर्णयों में यह घोषणा भी शामिल थी कि वह आंदोलन से जुड़े सभी आपराधिक मामले वापस लेगी।

पत्थलगड़ी नाम आदिवासियों के उस आदिवासी आंदोलन को दिया गया है जो ग्राम सभाओं को स्वायत्तता की मांग को लेकर किया गया। पत्थलगड़ी की मांग करने वाले चाहते हैं कि क्षेत्र में आदिवासियों पर देश का कोई कानून लागू नहीं हो। पत्थलगड़ी समर्थक जंगल और नदियों पर सरकार के अधिकारों को खारिज करते हैं। आंदोलन के तहत पत्थलगड़ी समर्थक गांव या क्षेत्र के बाहर एक पत्थर गाड़ते हैं या बोर्ड लगाते हैं जिसमें घोषणा की जाती है कि गांव एक स्वायत्त क्षेत्र है और इसमें बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषिद्ध है।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की एक पीठ ने झारखंड के स्थायी अधिवक्ता तापेश कुमार सिंह से कहा कि वह निर्देश प्राप्त करें और उसे मामले वापस लेने के बारे में किसी निर्णय के बारे में दो सप्ताह में सूचित करें।पीठ ने हाल में अपलोड किए गए अपने आदेश में कहा कि दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करें। इस बीच, झारखंड राज्य के अधिवक्ता को निर्देशित किया जाता है कि वह इस बारे में निर्देश प्राप्त करें कि क्या राज्य याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों पर आगे बढ़ना चाहती है। शुरुआत में जे विकास कोरा के नेतृत्व वाले चार याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता जोएल ने अदालत को सूचित किया कि राज्य में नई सरकार ने शपथ ली है और उसने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में घोषणा की थी कि पत्थलगड़ी आंदोलन के चलते उत्पन्न आपराधिक मामले वापस लिए जाएंगे।

धमकी भरे पत्र पर वृंदा करात ने कहा, इससे हमारे काम पर असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

माकपा नेता वृंदा करात ने उन्हें और अन्य शख्सियतों को जान से मारने की धमकी का पत्र भेजने वाले समूह को कायर बताते हुए कहा कि इन धमकियों से उनके काम पर असर नहीं पड़ेगा। एक गुमनाम पत्र में करात और जाने-माने अभिनेता प्रकाश राज समेत 13 अन्य शख्सियतों को जान से मारने की धमकी दी गई है।

राज ने ट्विटर पर पत्र साझा करते हुए कहा कि यह पत्र कायरों के समूहों की ओर से आया है। अभिनेता ने इसके साथ फैज की नज्म 'हम देखेंगे' को उद्धृत किया। पत्र संघ परिवार के आलोचक निजगुणानंद स्वामी को भेजा गया था, जिसमें स्वामी, करात और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी समेत 14 शख्सियतों के नाम हैं।

करात ने कहा, 'ऐसी कायरता पूर्ण धमकियां कभी भी हमारा काम नहीं रोकेंगी। पुलिस को इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए।'

संरा में आदिवासियों को भारत के मूल निवासियों की मान्यता दिलाई जाए : पवार

इंदौर, 26 जनवरी (भाषा)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने जनजातीय समुदाय को 'देश का सच्चा मालिक' बताते हुए आदिवासियों की इस मांग का रविवार को समर्थन किया कि उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के मूल निवासियों के रूप में आधिकारिक मान्यता दिलाई जानी चाहिए।

पवार ने यहां मध्य भारत के आदिवासी संगठनों के आयोजित पहले संवैधानिक अधिकार सम्मेलन में कहा, आदिवासी भारत के मूल निवासी हैं और इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ की भी मान्यता दिलाए जाने की आवश्यकता है। हम इस विषय में जनजातीय समुदाय की मांग का समर्थन करते हैं और इसे पूरा करने का प्रयास करना हमारा फर्ज समझते हैं। उन्होंने कहा, आदिवासी देश के सच्चे मालिक हैं। उनमें देश को ठीक रास्ते पर ले जाने की ताकत है।

आदिवासी संगठनों के पहले संवैधानिक अधिकार सम्मेलन में पहुंचे राकांपा प्रमुख

पवार ने मध्य प्रदेश से संबंध रखने वाले शहीद स्वतंत्रता सेनानी टंट्या भील की 178वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपील की कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में 26 जनवरी को टंट्या भील की जयंती मनाई जानी चाहिए।

राज्यसभा सदस्य ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और संसद के दोनों सदनों के सभापतियों से चर्चा कर संसद भवन में शहीद टंट्या भील की प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आदिवासी समान समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसलिए शिक्षा, रोजगार और कृषि जैसे विषयों पर दोनों पड़ोसी सूबों के आदिवासियों के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए। पवार ने इस बात पर खुशी जताई कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उनके इस सुझाव पर सकारात्मक रुख दिखाया है।

अनुसंधानकर्ताओं को एनआरसी सर्वेक्षणकर्ता समझकर बनाया बंधक, किया पुलिस के हवाले

दरभंगा, 26 जनवरी (भाषा)।

लखनऊ से शोधकर्ताओं की एक टीम को यहां एक गांव के निवासियों ने एनआरसी के लिए सर्वेक्षणकर्ता समझकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इन लोगों को पुलिस स्टेशन ले जाने से पहले कुछ समय तक बंधक बनाकर रखा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

दरभंगा के पुलिस अधीक्षक बाबू राम ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब चार महिलाओं समेत 12 लोगों की एक टीम ने जमालपुर पुलिस थाना क्षेत्र के तहत एक गांव का दौरा किया। यह टीम लखनऊ के एक अनुसंधान संगठन से थी। उन्होंने बताया कि हालांकि जब उन्होंने घरों में जाकर सूचना एकत्र करना शुरू किया तो यह बात फैल गई कि एनआरसी सर्वेक्षक आए हैं जिसके बाद ग्रामीण उग्र हो गए और इन लोगों को पुलिस स्टेशन ले जाने से पहले कुछ समय तक बंधक बनाकर रखा गया।

PUBLIC ANNOUNCEMENT PURSUANT TO SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ("SEBI") CIRCULAR NO. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/110 DATED OCTOBER 10, 2016 ("SEBI CIRCULAR")
FOR THE IMMEDIATE ATTENTION OF THE PUBLIC SHAREHOLDERS OF

GOODWILL HOUSING AND INVESTMENTS LIMITED

("Goodwill"/ "The Company")
Registered Office: 1/811 Pillayar Koil Street, Thoraipakkam, Chennai- 600097, Tamil Nadu, India;
Tel: +91 9444038425 / 9444005357; Fax: NA; **Email:** goodwillhousing@yahoo.co.in;
Website: http://www.goodwillhousingandinvestmentslimited.com/; **Contact Person:** Mr. Somasundaram C
Corporate Identification Number: L65922TN1994PLC029166

THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT ("PA") IS BEING ISSUED ON BEHALF OF THE PROMOTER AND PROMOTER GROUP MEMBERS OF GOODWILL HOUSING AND INVESTMENTS LIMITED ("GOODWILL/ THE COMPANY") BY MR. CHITSABESAN KN, MR. SOMASUNDARAM C AND MR. CHITSABESAN UTHAMAN, ("HEREINAFTER COLLECTIVELY REFERRED TO AS THE "OFFERORS"), BEING THE PROMOTERS OF THE COMPANY TO PROVIDE EXIT OPTION TO THE PUBLIC SHAREHOLDERS (DEFINED TO MEAN ALL THE SHAREHOLDERS OF THE COMPANY OTHER THAN THE PROMOTERS AND PROMOTER GROUP MEMBERS HEREINAFTER REFERRED TO AS "PUBLIC SHAREHOLDERS") OF GOODWILL BY ACQUIRING UPTO 20,20,108 EQUITY SHARES ("OFFER SHARES") HAVING FACE VALUE RS. 10/- EACH AT RS. 8.50/- ("EXIT PRICE") IN ACCORDANCE WITH THE SEBI CIRCULAR ("EXIT OFFER").

I. BACKGROUND

The equity shares (**"Equity Shares"**) of Goodwill were listed on the Ahmedabad Stock Exchange Limited (**"ASE"**), Madras Stock Exchange Limited (**"MSE"**) and Coimbatore Stock Exchange Limited (**"CSX"**), the regional stock exchanges. Pursuant to the SEBI Circular, upon exit of Madras Stock Exchange Limited (**"MSE"**), Coimbatore Stock Exchange Limited) (**"CSX"**) and Ahmedabad Stock Exchange Limited (**"ASE"**) vide SEBI Order No. WTM/RKA /MRD/47/2015 dated May 14, 2015 (**"MSEL Exit Order"**), vide SEBI Order No. WTM/ /RKA /MRD/12 /2013 dated April 03, 2013 (**"CSX Exit Order"**) and vide SEBI Order No. WTM/MPB/MRD/160 /2018 dated April 02, 2018 (**"ASE Exit Order"**). Upon exit of MSE, CSE and ASE as stock exchanges, Equity Shares of the Target Company were shifted to the dissemination board of National Stock Exchange of India Limited (**"NSE"**) wef June 16, 2016* by Ahmedabad Stock Exchange Limited. *(Source – NSE Circular no. NSE/CML/32685 dated June 16, 2016).

The registered office of the Company is presently situated at 1/811 Pillayar Koil Street, Thoraipakkam, Chennai - 600097, Tamil Nadu, India. Initially the Company was engaged in the business of Non-Banking Financial Company (Non Deposit Accepting or Holding) registered with Reserve Bank of India (**"RBI"**) bearing registration no. **B.07.00446** vide Certificate dated December 13, 1999. Further, company had surrendered the Certificate of Registration **B.07.00446** on February 04, 2008 to RBI and was cancelled with effect September 12, 2008. Later on, the main business was changed into Investments and Developments in Real Estate.

The Offerors have in terms of applicable provisions of SEBI Circular, expressed their intention to provide an exit opportunity to the Public Shareholders of Goodwill and have submitted the Plan of Action to NSE on December 23, 2019.

II. SHAREHOLDING DETAILS

As on the date of this PA, the Paid up Equity Share Capital of Goodwill is Rs. 3,88,98,080 comprising of 38,89,808 Equity Shares of Rs. 10/- each. Out of these, the Promoter and Promoter group holds 18,69,700 Equity Shares representing 48.07% of the Paid up Equity Share Capital and balance 20,20,108 Equity Shares representing 51.93% of the Paid up Equity Share Capital are held by the Public Shareholders.

III. EXIT PRICE AND FINANCIAL ARRANGEMENTS

a) In terms of the applicable provisions of the SEBI Circular, the Offerors have appointed Saffron Capital Advisors Private Limited ("Saffron") a SEBI registered category I Merchant Banker (with permanent registration) and empaneled as "Independent Valuer" with NSE to carry out valuation of Equity Shares of the Company. Saffron after taking into consideration applicable valuation methodologies has issued its valuation report dated **January 17, 2020** and determined Rs. 8.41/- to be the fair value per Offer Share. In view of the above, the Offerors have decided to offer Rs. 8.50/- per Offer Share as the Exit Price.

b) Assuming full acceptances of Offer Shares at the Exit Price under the Exit Offer, the total requirement of funds is Rs. 1,71,70,918 (Rupees One Crore Seventy One Lakhs Seventy Thousand Nine Hundred and Eighteen Only) (**"Total Consideration"**). In accordance with the SEBI Circular, the Offerors have executed an unconditional, irrevocable demand Bank Guarantee pursuant to bank guarantee letter dated January 22, 2020 (**"Bank Guarantee"**) in favour of the NSE for an aggregate amount of Rs. 1,72,00,000/- (Rupees One Crore Seventy Two Lakhs Only) being more than 100% of the Total Consideration payable to the Public Shareholders payable under the Exit Offer. The Bank Guarantee is valid from January 22, 2020 to January 21, 2021.

IV. ACTIVITY SCHEDULE FOR EXIT OFFER

Date of Opening of Exit Offer Period	February 10, 2020
Date of Closing of Exit Offer Period	February 14, 2020
Last Date for Payment of Consideration	March 11, 2020

V. REGISTRAR TO THE EXIT OFFER

Offerors have appointed M/s Cameo Corporate Services Limited having office at Subramanian Building, No.1, Club House Road, Chennai- 600002, Tamil Nadu, India as the Registrar to the Exit Offer (**"RTA"**). Public Shareholders are requested to send their Form of Acceptance (**"Form"**) along with other relevant documents, clearly marking the envelope **"Goodwill Housing and Investments Limited- Exit Offer"** either by registered post / speed post/ courier, at their own risk or by hand delivery to the RTA on or before the closure of business hours on February 14, 2020.

VI. EXIT OFFER PROCEDURE AND SETTLEMENT

a) Public shareholders are requested to kindly refer to the Exit Offer Letter ("Offer Letter") (being dispatched separately to all Public Shareholders as on the date of Plan of Action, December 23, 2019) for procedure to be followed and documents required to be submitted for participating in the Exit Offer.

b) **Instruction for Public Shareholders holding Offer Shares in physical form:** As per Companies (Prospectus and Allotment of Securities) Third Amendment Rules, 2018 dated September 10, 2018, inter-alia, every holder of securities of an unlisted public company who intends to transfer such securities on or after October 02, 2018 shall get such securities dematerialized before the transfer. **ACCORDINGLY, ALL PUBLIC SHAREHOLDERS HOLDING OFFER SHARES IN PHYSICAL FORM ARE ADVISED TO FIRST DEMATERIALIZE THE OFFER SHARES WHICH THEY INTEND TO TENDER IN THE EXIT OFFER.**

c) Upon verification of applications (*along with necessary documents*) submitted by the Public Shareholders to the RTA, the RTA shall provide list of successful Public Shareholders to whom the payment shall be made by the Offerors within 15 working days from the date of closure of Exit Offer Period by way of cheque/ pay order/ demand draft/ electronic credit, as the case may be. The cheque/ pay order/ demand drafts will be dispatched to the Public Shareholders participating in the Exit Offer, at their own risk, by way of speed post/ registered post/ courier.

VII. EXIT WINDOW

The Public Shareholders may note that, those who could not tender their Offer Shares during the Exit Offer Period may do so during the period between February 15, 2020 to February 14, 2021 (both the days inclusive) being one year from the completion of the closure of the Exit Offer Period at the Exit Price (**"Exit Window Offer Period"**). The procedure for tendering the Offer Shares during Exit Window Offer Period shall be same except the payment of consideration, which shall be on a monthly basis within maximum 15 working days of the end of the relevant calendar month in which Offer Shares have been validly tendered by the Public Shareholders (**"Monthly Payment Cycle"**).

VIII. DECLARATION

The Offerors undertake to acquire the Offer Shares at the same Exit Price from those Public Shareholders who did not tender their Offer Shares under the Exit Offer Period, during the Exit Window Offer Period, subject to verification by the RTA.

IX. GENERAL DISCLAIMER

a) Every Public Shareholder who desires to avail of the 'Exit Offer' may do so pursuant to independent inquiry, investigation and analysis and shall not have any claim against the Offerors, Saffron or the Company whatsoever by reason of any loss which may be suffered by such person consequent to or in connection with such Exit Offer and tender of Offer Shares through the Exit Offer whether by reason of anything stated or omitted to be stated herein or any other reason whatsoever.

b) The Offerors jointly and severally accept the full and final responsibility for the information contained in this PA.

This PA shall be available at the website of the Company http://www.goodwillhousingandinvestmentslimited.com/ and NSE at www.nseindia.com.

Offerors on behalf of Promoter Group of the Company

Sd/-	Sd/-	Sd/-
CHITSABESAN KN	**SOMASUNDARAM C**	**CHITSABESAN UTHAMAN**

Place: Chennai
Date: January 25, 2020

pnb Housing Finance Limited

पंजीकृत कार्यालय : 9वां मंजिल, अन्तरिक्ष भवन, 22, क.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 011 -23357171 , 23357172, 23705414 वेबसाइट : www.pnbhousing.com
शाखा पता : D-2, सेक्टर-3, नोएडा, उ.प्र.-201301, दूरभाष : 0120-6511224-26, ई-मेल : noida@pnbhousing.com
शाखा पता : 8वीं मंजिल, डीसीएम बिल्डिंग, 16 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001, दूरभाष : 011-23357170/74,
ई-मेल : customercare@pnbhousing.com
शाखा पता : म.नं. 36, ब्लॉक : बी-1, भूतल, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058, दूरभाष : 011-25546073/74/75 70/74
ई-मेल : janakpuri@pnbhousing.com
शाखा पता : 5वीं मंजिल, एचबी ट्विन टॉवर-1, प्लॉट सं. ए-2, 3, 4, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली-110034,
ई-मेल : pritampura@pnbhousing.com
शाखा पता : यूजी1, एसजी बीटा टॉवर, प्लॉट सं. 10, सेक्टर-3, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)- 201011, दूरभाष : 120-2699117,
ई-मेल : ghaziabad@pnbhousing.com
शाखा पता : एससीओ-391, सेक्टर-29, अर्बन एस्टेट, निकट इफको चौक मेट्रो स्टेशन, गुरुग्राम, हरियाणा- 122001, दूरभाष : 0124-2385568,
ई-मेल : gurgaon@pnbhousing.com

अब तक संशोधित के अनुसार प्रतिभूत हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के अध्याय III की धारा 13(2) के तहत सूचना

हम, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि. (इसके पश्चात "पीएनबीएचएफएल" कहा जायेगा) ने प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के अध्याय III की धारा 13(2) (इसके पश्चात "अधिनियम" कहा जायेगा) के तहत अपने नोएडा शाखा कार्यालय, D-2, सेक्टर-3, नोएडा, उ.प्र.-201301 तथा साथ ही अपने दिल्ली शाखा कार्यालय, 8वीं मंजिल, डीसीएम बिल्डिंग, 16 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001 तथा साथ ही अपने जनकपुरी शाखा कार्यालय, म.नं. 36, ब्लॉक : बी-1, भूतल, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 तथा साथ ही अपने पीतमपुरा शाखा कार्यालय, 5वीं मंजिल, एचबी ट्विन टॉवर-1, प्लॉट सं. ए-2, 3, 4, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 तथा साथ ही अपने गाजियाबाद शाखा कार्यालय, यूजी1, एसजी बीटा टॉवर, प्लॉट सं. 10, सेक्टर-3, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)- 201011, तथा साथ ही अपने गुरुग्राम शाखा कार्यालय, एससीओ-391, सेक्टर-29, अर्बन एस्टेट, निकट इफको चौक मेट्रो स्टेशन, गुरुग्राम, हरियाणा- 122001 द्वारा माँग सूचना निर्गत की थी। कथित माँग सूचना आप सभी निम्नलिखित कजदारों/सह-कर्जदारों को हमारे अधिकृत प्राधिकारी द्वारा निर्गत की गयी थी जो कि किश्तों/व्याजों के भुगतान न किये जाने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक/नेशनल हाउसिंग बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार आपके खाते को नॉन-परफॉर्मिंग आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जा चुका है। इसकी विषय-सामग्री मूलधन, ब्याज आदि की किश्तों के भुगतान में आपके द्वारा की गयी चूक से सम्बन्धित है। बकाया राशि नीचे वर्णित है। पुनः कारणवश हमें विश्वास है कि आप माँग सूचना की सेवाओं की अनदेखी कर रहे हैं अतः माँग सूचना का यह प्रकाशन कथित अधिनियम की धारा 13(2) के तहत भी अपेक्षित है। एतद्वारा आपको अद्यतन ब्याज तथा प्रभारों सहित उपर्युक्त राशि इस माँग सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर पीएनबीएचएफएल को अदा करने के लिए कहा जाता है, जिसमें असफल होने पर पीएनबीएचएफएल कर्जदारों तथा जमानतियों की प्रतिभूत आस्तियों पर कब्जा करने सहित समस्त अथवा किसी एक या अधिक प्रतिभूत आस्तियों के विरुद्ध कथित अधिनियम की धारा 13(4) के समस्त या किन्हीं प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्यवाही करेगा।

आपका ध्यान प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है जिसके तहत आप सार्वजनिक या निजी सन्धि से कोटेशन, निविदा आमन्त्रित करके सार्वजनिक नीलामी द्वारा प्रतिभूत आस्तियों की बिक्री हेतु केवल इस सूचना के प्रकाशन की तिथि तक पीएनबीएचएफएल द्वारा व्यय किये गये समस्त लागतों, प्रभारों एवं व्ययों सहित सम्पूर्ण बकाया राशि अदा/भुगतान कर सकते हैं। कृपया यह भी ध्यान दें कि यदि पीएनबीएचएफएल द्वारा व्यय किये गये समस्त लागतों, प्रभारों एवं व्ययों सहित सम्पूर्ण बकाया राशि सार्वजनिक या निजी सन्धि से कोटेशन, निविदा आमन्त्रित करके सार्वजनिक नीलामी द्वारा प्रतिभूत आस्तियों की बिक्री द्वारा इस सूचना के प्रकाशन से पूर्व अदा नहीं की गयी तो इसके पश्चात आप प्रतिभूत आस्ति(यों) को छुड़ाने के हकदार नहीं होंगे।

पुनः आपको उपर्युक्त प्रतिभूत आस्तियों के बिक्री, पट्टे या किसी अन्य विधि से हस्तान्तरित करने के लिए कथित अधिनियम की धारा 13(13) के तहत निषिद्ध किया जाता है।

क्र.सं.	ऋण खाता सं.	कर्जदार तथा सह-कर्जदार का नाम/पता	जमानती का नाम/पता	बन्धक सम्पत्ति	माँग सूचना की तिथि	माँग सूचना की तिथि तक बकाया राशि
1.	0001 6660008244 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री मनोज कुमार कालरा, मकान नं. 816, सेक्टर-14, सोनीपत, हरियाणा-131001	श्री राकेश कालरा, मकान नं. 816, सेक्टर-14, सोनीपत, हरियाणा-131001	फ्लैट सं. एफ1-0502, किंग्सबरी, टीडीआई सिटी, कुंडली, सोनीपत, हरियाणा	08.01.2020	रु. 19,70,789.54/- 08.01.2020 तक
2.	0001 6660011081 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री विकास नागी एवं श्री सुरेश नागी पता : 1/45, ब्लॉक-1, गीता कॉलोनी, दिल्ली-110031 पता : फ्लैट सं. 007, ब्लूजम ब्लॉक एमएसवी विवेक मार्वल अपार्टमेंट, शिवानाहल्ली ग्रम येलाहंकाओल्ड टाउन, बंगलुरू, कर्नाटक-560064	अप्रयोज्य	प्लॉट सं. 51, तीसरी मंजिल, सिल्वर पार्क, कृष्णा नगर, दिल्ली-110051	08.01.2020	रु. 43,47,055.50/- 08.01.2020 तक
3.	HOU/DEL/ 0918/578812 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री रोहित आनन्द एवं श्रीमती शशि आनन्द पता : मकान नं. 770, कुंडे वालाना, अजमेरी गेट, दिल्ली-110006	अप्रयोज्य	फ्लैट सं. ए 4, भूतल, पिछला साइड, प्लॉट सं. 6, शक्ति खण्ड-II, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009	15.01.2020	रु. 29,62,862.38 15/01/2020 तक
4.	NHL/DEL/ 0516/290638 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री राकेश कुमार गोयल, श्रीमती गीता गोयल, मैसर्स क्वालिटी ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, पहला पता : प्लॉट सं. 90, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-एम, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, दिल्ली-110048 दूसरा पता : डी-15/2, ओखला फेज-1, दिल्ली-110020	अप्रयोज्य	प्लॉट सं. 90, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-एम, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, दिल्ली-110048, माप क्षेत्रफल : 2179.25 वर्ग फीट, भूमि क्षेत्रफल 400 वर्ग गज	16.01.2020	रु. 2,69,43,981.51 16.01.2020 तक
5.	0001 6660010472 & 0001 6700011052 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री कन्हैया कुमार झा एवं श्रीमती कविता ठाकुर, पहला पता : डी-266, जयपुर एक्स., पार्ट-II, बदरपुर, दिल्ली-110044 दूसरा पता : एफ-231, अल्फा टेक्निकल ओल्ड एमडी रोड, लाडो सराय, दिल्ली-110030	अप्रयोज्य	प्लॉट सं. 345, भूतल, सूर्या नगर, फेज-2, सेक्टर-91, फरीदाबाद, हरियाणा-121001	16.01.2020	Total रु. 32,11,487.29 (खाता सं. 0001 6660010472 रु. 22,17,531.69/- तथा खाता सं. 0001 6700011052 – रु. 9,93,955.60) 16.01.2020 तक
6.	HOU/DEL/ 0816/310886 शाखा कार्यालय : दिल्ली	श्री सौरभ चावला, सुश्री सुनीति चावला तथा मैसर्स रुद्राक्ष टी कम्पनी प्रा.लि. पता : मकान नं. 7/229, प्रथम तल, गीता कॉलोनी, दिल्ली-110031 दूसरा पता : क-176, सेक्टर-05, बवाना, दिल्ली-110039	अप्रयोज्य	मकान नं. 7/229, छत के अधिकार सहित तीसरी मंजिल, गीता कॉलोनी, दिल्ली-110031	16.01.2020	रु. 48,98,698.93 16.01.2020 तक
7.	HOU/GHA/ 0516/290277 शाखा कार्यालय : गाजियाबाद	रजत कुमार प्रधान, तपस्विनी प्रधान, प्लॉट सं. 48, ब्लॉक सी, निकट सुपरटेक हाई राइज बिल्डिंग, सेक्टर-34, नोएडा, उ.प्र.-201301	अप्रयोज्य	प्लॉट सं. 506, 05 टॉवर टी 15, क्रीसेंट पार्क (होल्ड) सेक्टर 92, ग्राम वजीरपुर एवं मेवका, गुरुग्राम, हरियाणा-122002	10.01.2020	रु. 62,03,315.23/- 10.01.2020 तक
8.	30 6660000975 शाखा कार्यालय : गाजियाबाद	अरुन राजन, पूनम राजन, मकान नं. 697, प्रथम तल, सेक्टर-31, गुरुग्राम, हरियाणा-122001	अप्रयोज्य	प्लॉट सं. 562 भूतल, शक्ति खण्ड-IV, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद, उ.प्र.-102210	14.01.2020	रु. 22,85,503.69/- 14.01.2020 तक
9.	30 6660000856 B.O.: Ghaziabad	शरत चन्द्र शर्मा, अम्बिका शर्मा, प्लॉट सं. 171, एयरफोर्स नेवल आफिसर्स एन्कलेव, प्लॉट-II सेक्टर 7, दिल्ली-110075	अप्रयोज्य	इकाई सं. : OCA0010401 आर्कईस जेपी ग्रीन्स, नोएडा, उ.प्र.	14.01.2020	रु. 48,85,513.02/- 14.01.2020 तक
10.	30 6660000757 शाखा कार्यालय : गाजियाबाद	आलोक पाण्डे, अजय पाण्डे, प्लॉट सं. 91-ए, ब्लॉक सी, रजत विहार, सेक्टर-62, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, उ.प्र.-201301	अप्रयोज्य	मकान नं. 329, ब्लॉक ए, सेक्टर एमयू-01, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद	14.01.2020	रु. 17,41,509.36/- 14.01.2020 तक
11.	0016 6660001466 शाखा कार्यालय : सेक्टर-3, नोएडा	श्रीमती आशा कौशिक, अजय कौशिक, 131 ए, ईस्ट मोती बाग, गली नं. 3, सराय रोहिल्ला, नई दिल्ली-110017, श्री जोगेश प्रकाश गौड़, ए-43, ग्राम किलोकरी, महारानी बाग, नई दिल्ली-110065	श्री मुकेश गौड़ एवं श्रीमती माया देवी शर्मा, मकान नं. ए-8, सेक्टर-12, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301	खसरा नं. 542, ग्राम-चौरा, सेक्टर-22, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301	17.12.2019	28,43,877.39 17-12-2019 तक
12.	NHL/PTP/ 0219/645224 शाखा कार्यालय : पीतमपुरा	श्री सुनील अरोड़ (कर्जदार) तथा श्रीमती प्रोमिला अरोड़ा (सह-कर्जदार) पता : ई-24, तीसरी मंजिल, साई अपार्टमेंट, रोहिणी, सेक्टर-13, नई दिल्ली-110085	अप्रयोज्य	ई-24, तीसरी मंजिल, साई अपार्टमेंट, रोहिणी, सेक्टर-13, नई दिल्ली-110085	18-01-2020	रु. 89,97,887.85 18/01/2020 तक
13.	NHL/JAN/ 0419/673379 शाखा कार्यालय : जनकपुरी	श्री

जनसत्ता

27 जनवरी, 2020

लाइलाज बीमारी

राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र की लाइलाज बीमारी बन चुकी है। ज्यादा पीड़ादायक तो यह है कि इसमें हमारे राजनीतिक दलों की ही प्रमुख भूमिका रही है और वे चाहते भी नहीं हैं कि राजनीति में साफ-सफाई का अभियान चले और आपराधिक छवि वाले लोगों के सदन में पहुंचने पर रोक लगे। राजनीति के अपराधीकरण को लेकर चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और प्रबुद्ध तबके की ओर से समय-समय पर चिंता जताई जाती रही है। सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ ने तो इस गंभीर मसले पर याचिकाओं की सुनवाई के बाद पिछले साल स्पष्ट रूप से यह कहा था कि इसके लिए संसद को कानून बनाना चाहिए। लेकिन संसद की ओर से इस दिशा में अब तक कोई पहल नहीं होना इस बात का प्रमाण है कि हमारे नेतागण ही नहीं चाहते कि राजनीति दागियों से मुक्त हो। इसीलिए सर्वोच्च अदालत ने इस मसले पर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है और चुनाव आयोग से हफ्ते भर के भीतर रूपरेखा पेश करने को है जिसमें यह बताया जाए कि दागियों की समस्या से कैसे निपटा जा सकता है।

राजनीति के अपराधीकरण का मुद्दा हाल में तब उठा जब चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आयोग का कहना था कि उम्मीदवारों का आपराधिक ब्योरा प्रकाशित कराने के सर्वोच्च अदालत के आदेश पर अमल के बावजूद राजनीति का अपराधीकरण रुक नहीं पा रहा है, इसलिए अब राजनीतिक दलों को निर्देश दिया जाए कि वे आपराधिक छवि वाले लोगों को टिकट ही न दें। दुखद तो यह है कि सर्वोच्च अदालत के कड़े रुख, चुनाव आयोग के निर्देशों के बावजूद हमारे राजनीतिक दल अपनी ओर से इस दिशा में कोई पहल नहीं कर रहे हैं। यह एक तरह से न्यायपालिका और चुनाव आयोग को ठेंगा दिखाना है। राजनीतिक दल शुरू से ही यह दलील देते आए हैं कि जब तक कोई अपराधी दोषमुक्त करार नहीं दे दिया जाता, उसे दोषी नहीं माना जा सकता। दागदार नेता इसी का फायदा उठा रहे हैं, क्योंकि लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया में मुकदमों के निपटान में बरसों गुजर जाते हैं और आरोपी के लिए दोषी साबित नहीं होने तक चुनाव लड़ने और जीतने पर सदन में पहुंचने का रास्ता खुला रहता है।

ऐसे में सवाल घूम फिर कर वहीं आ जाता है कि किया क्या जाए, जिससे दागदार लोगों का न केवल सदनों में, बल्कि राजनीति में ही प्रवेश बंद हो जाए। इस हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि ये काम तो राजनीतिक दलों और संसद को ही करना है। सर्वोच्च अदालत के पास कानून बनाने का अधिकार नहीं है, वह सिर्फ निर्देश और सुझाव दे सकती है। पर राजनीतिक दल और संसद इस बारे में मौन हैं। इससे समाज में यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भले विचारधाराओं के स्तर पर या अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर हमारे राजनीतिक दलों में कितने ही मतभेद क्यों न हों, लेकिन दागियों के मुद्दे पर सारे दलों में सांठगांठ है। इसी का नतीजा है कि चुनावी राजनीति में हत्या, हत्या की कोशिश और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों तक में शामिल नेताओं का असर कायम है। यह भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि जिसमें शायद ही कोई ऐसा दल हो जिसमें आपराधिक रिकार्ड वाले नेता न हों। अगर ऐसा कठोर कानून बन जाए जो आपराधिक मामले दर्ज होने वालों के लिए चुनाव लड़ने के रास्ते बंद कर सके, तो हमारी संसद और विधानसभाएं दागदार चेहरों से मुक्ति पा सकती हैं।

शब्दों की जगह

शब्दों का जीवन उनके प्रयोग पर निर्भर करता है, तो भाषा का उसकी ग्राह्यता और लचीलेपन पर। जो भाषा जितनी लचीली है और दूसरी भाषाओं के जितने अधिक शब्दों को अपने भीतर समाहित करने की क्षमता रखती है, वह उतनी ही समृद्ध और स्वीकृत होती जाती है। इस मामले में अंग्रेजी कुछ अधिक लचीली नजर आती है। आज दुनिया में भाषाओं का अस्तित्व कारोबारी गतिविधियां भी तय करती हैं। जो भाषा विश्व व्यापार के अनुसार खुद को बदलती, ढालती और प्रयोग में आ रहे नए शब्दों को ग्रहण करती चलती है, उसका जीवन उतना ही लंबा होता चलता है। इस लिहाज से भी अंग्रेजी अग्रणी दिखाई देती है। इसका एक प्रमाण आक्सफर्ड विश्वविद्यालय के शब्दकोश में हर साल चलन में आए नए शब्दों और दूसरी भाषाओं के शब्दों को भी अपने में समाहित करना है। इस साल इस कोश में कुल एक हजार नए शब्द जोड़े गए, जिनमें हिंदी समेत भारतीय भाषाओं के छब्बीस शब्द हैं। उनमें चावल, शादी, हड़ताल, डिब्बा जैसे शब्द शामिल हैं। इस तरह आक्सफर्ड विश्वविद्यालय डिक्शनरी में भारतीय भाषाओं से लिए गए कुल शब्दों की संख्या बढ़ कर तीन सौ चौरासी हो गई है। यह निस्संदेह हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं के लिए गर्व का विषय है कि अंग्रेजी में भी उनके शब्द अपने मूल रूप में जगह बना रहे हैं।

मगर हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं के लिए यह प्रश्न भी पैदा होता है कि वे अपने शब्दों को सहेजने को लेकर कितनी सतर्क और संवेदनशील हैं। हिंदी का आलम यह है कि इसमें जो कोश वर्षों पहले तैयार हुए थे, उनके नए संस्करण तैयार करने की जरूरत ही नहीं समझी जाती, जबकि उनके पहले संस्करण के बाद से अब तक भाषा व्यवहार में हजारों नए शब्द आ जुड़े हैं। यों हिंदी अपने को विश्वभाषा की सूची में शामिल होने को आतुर है, कारोबारी गतिविधियों में भी इसका निस्संकोच उपयोग होने लगा है, पर हकीकत यह है कि शब्द संचय के मामले में यह कठोर ही नजर आती है। बहुत सारे लोग इस बात को लेकर बहस करते मिल सकते हैं कि अमुक शब्द अंग्रेजी, अरबी, फारसी या किसी अन्य भाषा का है, सो उसे क्यों हमें अपनी भाषा में समाहित करना चाहिए। कई लोग तो उर्दू आदि भाषा के प्रयोग से परहेज करते देखे जाते हैं, जबकि दैनिक व्यवहार में वे शब्द घुलमिल चुके हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि लोकभाषाओं में व्यवहृत होने वाले बहुत सारे शब्दों को संजोने के मामले में कैसी छुआछूत होगी।

अंग्रेजी ने अपने को लैटिन से मुक्त कर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई और बहुत तेजी से अपने को विस्तृत किया। इस तरह विज्ञान जैसे अनुशासनों में उसने लैटिन से पिंड छुड़ा कर अपनी शब्द संपदा तैयार कर ली। जबकि हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाएं आज भी नए शब्दों को गढ़ने के मामले में संस्कृत का दामन नहीं छोड़ पाई हैं। इससे उनके लिखित और दैनिक व्यवहार में उपयोग होने वाले शब्दों में प्रायः अंतर नजर आता है। बोलचाल की भाषा पर जोर होने के बावजूद यह कठिनाई अभी समाप्त नहीं हो पाई है। यहां तक कि बाजार के दबाव में बहुत सारी बोलियां तेजी से खत्म हो रही हैं, उनके शब्द ढूंढे नहीं मिलेंगे। जब तक भारतीय भाषाएं अपना स्वरूप लचीला नहीं बनाएंगी, तब तक सिर्फ आक्सफर्ड डिक्शनरी में अपने कुछ शब्दों के स्थान पाने पर गर्व करने से उनकी समृद्धि का गौरवगान पूरा नहीं होगा।

कल्पमेधा

धार्मिकता पिछड़ेपन का ठप्पा है। इसलिए जितना ज्यादा दिमागी पिछड़ापन होगा, धार्मिक प्रवृत्तियां उतनी ही मजबूत होंगी।

– एम. एन रॉय

कृषि कर्ज माफी पर सवाल

सतीश सिंह

पिछले एक दशक में कृषि कर्ज माफी की अनेक घोषणाएं की गईं। राज्य सरकारों ने भी बड़े पैमाने पर कृषि कर्ज माफ किए। बावजूद इसके, किसानों को माफ की गई कर्ज की पूरी राशि नहीं मिल पा रही है। राज्यों के बजट विश्लेषण से पता चलता है कि जिस साल कृषि कर्ज माफ किया गया, उसके बाद के कई सालों तक कर्ज माफी की राशि बैंकों को नहीं दी गई। इसका कारण राज्यों के खजाने में पैसा नहीं होना रहा है।

महाराष्ट्र सरकार ने दो लाख रुपए तक के कृषि कर्ज को माफ करने की घोषणा की है, जिसकी पात्रता के गणना की तारीख 30 सितंबर, 2019 रखी गई है। महाराष्ट्र में एक करोड़ सैंतीस लाख किसान हैं। वित्त वर्ष 2017-18 में नवासी लाख किसानों में से चवालीस लाख किसानों के कृषि कर्ज माफ कर दिए गए थे। इस बार लगभग पचास लाख से अधिक किसानों को कर्ज माफी का लाभ मिल सकता है, जिसका कारण कर्ज माफी की पात्रता सीमा को डेढ़ लाख रुपए से बढ़ा कर दो लाख रुपए किया जाना है। कर्ज माफी के पात्र किसानों की संख्या के आधार पर कृषि कर्ज माफी की लागत लगभग पचास हजार करोड़ रुपए आने का अनुमान है।

सरकार द्वारा किसानों को कर्ज माफी देने के पीछे सबसे बड़ा तर्क यह है कि जब कॉरपोरेट के फंसे कर्ज (एनपीए) को बट्टे-खाते में डाला जा सकता है, तो किसानों का कर्ज को क्यों नहीं माफ किया जा सकता है। फिलहाल, कृषि एनपीए एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है, जो कुल एनपीए का 12.4 फीसद है। पिछले दशक में तीन लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के कृषि कर्ज माफ किए जा चुके हैं। इस प्रकार, कृषि एनपीए और माफ किए गए कर्ज को जोड़ा जाए तो कुल राशि 4.24 लाख करोड़ रुपए हो जाती है, जो उद्योगों के बट्टे खाते में डाले गए 5.7 लाख करोड़ रुपए से बहुत कम नहीं है। यदि महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित हालिया कृषि कर्ज माफी की राशि को कृषि एनपीए और माफ की गई कर्ज राशि को जोड़ दिया जाए, तो कुल कृषि एनपीए और माफ की गई कर्ज की राशि 4.7 लाख करोड़ रुपए हो जाती है। इधर, दिवाला और शोधन अक्षमता कानून आने के बाद से बड़े चूककर्ता कारोबारियों का कुछ हद तक पुनर्वास हो रहा है। इससे वसूली में भी तेजी आई है। हालांकि, चूककर्ता किसानों को कृषि कर्ज माफी देने के बाद भी उनकी वित्तीय स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है और वे कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं।

पिछले एक दशक में कृषि कर्ज माफी की अनेक घोषणाएं की गईं। राज्य सरकारों ने भी बड़े पैमाने पर कृषि कर्ज माफ किए। बावजूद इसके, किसानों को माफ की गई कर्ज की पूरी राशि नहीं मिल पा रही है। राज्यों के बजट विश्लेषण से पता चलता है कि जिस साल कृषि कर्ज माफ किया गया, उसके बाद के कई सालों तक कर्ज माफी की राशि बैंकों को नहीं दी गई। इसका कारण राज्यों के खजाने में पैसा नहीं होना रहा है। चूँकि, वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) कानून के प्रावधानों के कारण चौदहवें वित्त आयोग ने राज्यों को निर्धारित सीमा से अधिक बाजार से उधार लेने के लिए प्रतिबंधित कर रखा है। इसलिए राज्य सरकारें बाजार से पैसा नहीं उठा पा रही हैं। तेलंगाना ही केवल ऐसा राज्य है, जिसने घोषित कर्ज माफी की नब्बे फीसद राशि का भुगतान वित्तीय संस्थानों को कर दिया है।

आमतौर पर कृषि कर्ज माफी की राशि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा बैंकों को कई किस्तों में दी जाती है। एक बार कर्ज माफी का लाभ मिलने के बाद किसानों को दोबारा कर्ज मिलने में परेशानी होती है। वित्तीय संस्थान चूककर्ता किसानों को कर्ज देने से परहेज करते हैं। समय पर वित्तीय सहायता नहीं मिलने की वजह से चूककर्ता किसानों का कर्ज बढ़ता चला जाता है, जिससे कृषि उत्पादकता में गिरावट आती है। कृषि कर्ज माफी की वजह से नए कृषि कर्ज के वितरण में भी कमी आ रही है। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2018 में महाराष्ट्र, कर्नाटक और पंजाब की सरकार ने कृषि कर्ज माफ किए थे, जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2018 में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का वर्ष दर वर्ष कर्ज वितरण महाराष्ट्र में चालीस फीसद, कर्नाटक में एक फीसद और पंजाब में तीन फीसद हुआ। इस तरह, कृषि कर्ज माफी किसानों की कर्जग्रस्तता को कम करने के बजाय बढ़ाती जा रही है। साथ ही, अब वैसे किसान जो नियमित रूप से कर्ज का भुगतान कर रहे हैं, वे भी कर्ज नहीं चुकाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। वर्तमान में एक बार कर्ज माफी का लाभ मिलने के बाद किसान दोबारा कर्ज की राशि बैंक को नहीं लौटा रहे हैं। आमतौर पर ऐसे किसान अगली कर्ज माफी की घोषणा का इंतजार करते हैं।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने वर्ष 2008 में की गई कृषि कर्ज माफी पर 5 मार्च 2013 को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। रिपोर्ट के अनुसार कर्ज माफी योजना को लागू करने के दौरान अपात्र किसानों को कर्ज माफी का लाभ देने, लाभार्थी किसानों को कर्ज माफी का प्रमाणपत्र नहीं देने, स्वतंत्र एजेंसियों से कर्ज माफी का अंकेक्षण नहीं कराने जैसी गलतियां सामने आई थीं।

कृषि क्षेत्र में मौजूद समस्याओं को दूर करने के लिए कृषि कर्ज माफी को समाधान नहीं माना जा सकता। किसानों की समस्याओं को दूर करने से ही स्थिति में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। इसके लिए खाद्य उत्पादों की प्रतिस्पर्धी और समावेशी मूल्य शृंखलाओं का निर्माण करना चाहिए। सहकारिता मॉडल की मदद से उत्पादन से लेकर विपणन तक की संपूर्ण मूल्य शृंखला में सुधार आ सकता है। इसके अलावा कृषि उपज और लाइवस्टॉक विपणन (एपीएलएम) अधिनियम 2017 के मॉडल को भी अमलीजामा पहनाने की जरूरत है। इससे कृषि विपणन प्रणाली में मौजूद बाधाओं को दूर करने में आसानी होगी। बैंकों द्वारा कर्ज के लिए संपत्ति गिरवी रखने पर भी शुल्क लगाने की प्रक्रिया को भी समाप्त करने की जरूरत है। मौजूदा समय में इस नियम की वजह से बैंकिंग परिचालन में अनेक मुश्किलें आ रही हैं साथ ही साथ बैंक के खर्च में अनावश्यक रूप से वृद्धि हो रही है।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का आगाज भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 1998 में किया था। केंद्र सरकार तीन लाख रुपए तक के केसीसी लेने वाले किसानों को त्वरित भुगतान रियायत दे रही है। समय पर कर्ज की अदायगी करने वाले किसानों को पांच फीसद ब्याज देना होता है। मार्च, 2019 के अंत में, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एएससीबी) ने केसीसी श्रेणी में 6680 अरब रुपए का कर्ज दिया था, जो कुल कृषि कर्ज का साठ फीसद था। आज किसानों के बीच यह सबसे लोकप्रिय कर्ज है। फिर भी, कई कारणों जैसे- प्राकृतिक आपदा, उपज की वास्तविक कीमत नहीं मिलने, कृषि कर्ज माफी की घोषणा आदि के कारण किसान केसीसी का पुनर्भुगतान नहीं कर पा रहे हैं।

किसानों की कर्जग्रस्तता में वृद्धि का एक बहुत बड़ा कारण लगभग सत्तर फीसद कृषि योग्य भूमि पर बंटाईदार या काश्तकार किसानों द्वारा खेती-किसानी करना है। मौजूदा नियमों के अनुसार काश्तकार किसान न तो कर्ज पाने के हकदार हैं, न ही सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का। सरकार द्वारा दिए जाने वाले सारे फायदे भूमि मालिकों को मिलते हैं। केरल एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने काश्तकार किसानों को आर्थिक शोषण से बचाने के लिए मनी लेंडिंग एक्ट को अमलीजामा पहनाया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में भी काश्तकार किसानों की बेहतरी के लिए काम किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2018 के बजट में काश्तकार किसानों को काश्तकारी का प्रमाणपत्र देने की बात कही गई थी। किसानों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए इस संकल्पना को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। हकीकत ये है कि कृषि कर्ज माफी से किसानों का कोई भला नहीं हो रहा है। नीति आयोग और रिजर्व बैंक तक इसका कई बार विरोध कर चुके हैं। आज किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान करने की जरूरत है, न कि उन्हें कर्ज में फंसाने की।

दरकिनार ईमान

राकेश सोहम्

दुनिया मेरे आगे

हो सकता है आप घरेलू पम्प खरीदने जाएं और विक्रेता उसकी खूबियां कुछ इस प्रकार बताए कि यह पम्प बहुत अच्छा है... इससे कारपोरेशन के नल से पानी खींच सकते हैं। बस, नल से सीधे जोड़ दें। मैं खुद अपने घर में कई साल से इस पम्प का उपयोग कर रहा हूं। अभी तक कोई दिक्कत नहीं हुई वगैरह। उन दिनों ऑनलाइन बिजली बिल भुगतान की सुविधा नहीं थी। जनसेवा केंद्र खोले गए थे। कम बिजली बिल देख कर वहां नियुक्त कर्मचारी ने तपाक से पूछा था- 'क्यों साहब, कोई व्यवस्था बना ली क्या?' उसका इशारा मीटर शिथिल करके या सीधे कनेक्शन लेकर बिजली चोरी की व्यवस्था बना लेने से था। ऐसी सोच दयनीय है। कम बिजली प्रयोग करके बिजली के प्रति मितव्ययी होना आपको शक के दायरे में खड़ा कर सकता है! आपको बिजली-चोर बना सकता है।

गौरतलब है कि जल के स्रोत सीमित हैं। भू-जल स्तर गिरता जा रहा है। नदियों में जल की मात्रा घट रही है। दिनोंदिन पीने के पानी की कमी हो रही है। इसी प्रकार बिजली उत्पादन के साधन भी सीमित हैं। जबकि इन साधनों को उपयोग करने वाले लोग बढ़ती जनसंख्या के आंकड़ों के साथ बढ़ रहे हैं। क्या यही एक कारण है कि पानी और बिजली की चोरी इन दिनों आम हो गई लगती है? हालांकि ऐसे लोगों की भी कमी नहीं हैं, जो ईमानदार हैं। वे आवश्यकताओं को सीमित रखते हैं। बिजली और पानी चोरों के आंकड़े देना संभव नहीं है, लेकिन आस-पड़ोस का अवलोकन किया जाए तो स्थिति साफ हो जाएगी। इसमें हर वर्ग, जाति, धर्म और समाज के लोग शामिल हैं। केवल अशिक्षित लोग ही इस बीमारी के शिकार नहीं है बल्कि उच्च शिक्षित समाज के प्रतिष्ठित और मार्गदर्शक माने जाने वाले लोगों की भी बड़ी संख्या है। ऐसे लोग मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं। एक तो वे, जो गरीब हैं। केवल प्रकाश के लिए बिजली और जीवनयापन के लिए पानी की चोरी करते हैं। वे अपनी झोपड़ी या घर के पास से गुजरने वाली बिजली के तारों से सीधा कनेक्शन ले लेते हैं। यह कनेक्शन अक्सर प्रतिदिन शाम को बनाए जाते हैं और सुबह होते-होते निकाल भी दिए जाते हैं। इसी प्रकार ये पास से गुजरने वाली पानी की पाइप लाइन से किसी तरह पानी ले लेते हैं।

कभी कुछ समय हुआ, बिजली चोरी का अनोखा मामला प्रकाश में आया। एक बड़ी इमारत में स्ट्रीट लाइट से बिजली चोरी का मामला था। स्ट्रीट लाइट के तार से सीधा कनेक्शन लिया गया था। आश्चर्य तब हुआ जब यह पाया गया कि इस इमारत से एक तार विकसित कॉलोनी के एक घर में जाता था! यह तार लगभग पंद्रह मीटर मैदान को खोद कर जमीन के नीचे से डाली गई थी। सवाल है कि विकसित कॉलोनी में रहने वाले संपन्न रहवासी को बिजली चोरी करने की क्या जरूरत थी? उसकी इतनी आमदनी थी कि वह अपने उपयोग के बिजली के बिल का भुगतान कर सकता था। फिर भी चोरी की जा रही थी। ऐसे चोरों को मैं दूसरे प्रकार का पानी और बिजली चोर मानता हूं जो केवल चोरी करने के लिए चोरी करते हैं। इनकी संख्या बहुत ज्यादा है। मध्यमवर्गीय परिवार से लेकर बड़े उद्योगपति तक इस लत के शिकार हैं। इन साधनों की सबसे अधिक बर्बादी भी यहीं से शुरू होती है, जो केवल जरूरत के लिए चोरी नहीं करते।

ऐसे अनेक घर हैं जो नल खुलने के समय से आधे घंटे पूर्व पंप चालू कर देते हैं और नल बंद होने के देर बाद तक चालू रखते हैं। पाइपलाइन में से पानी की एक-एक बूंद निकाल लेते हैं। हालांकि जल की आवश्यक मात्रा बहुत कम समय में ही पूरी हो जाती है। लेकिन शेष पानी बर्बाद किया जाता है। प्रतिदिन वाहन, आंगन, छत और बगीचे के पेड़ पौधे धोए जाते हैं। अगर इसके बाद भी पानी आता है तो पाइपलाइन को घर की नाली के मुहाने पर ठूंस दिया जाता है, ताकि नाली साफ हो जाए। यह पानी की बर्बादी नहीं तो क्या है?

हद तो तब हो जाती है जब सरकारी महकमों में कार्यरत कर्मी खुद ही पानी और बिजली की चोरी में लिप्त पाए जाते हैं। ऐसे लोग ज्यादा निर्भीक, आश्वस्त और चोरी करने की तकनीक में पारंगत होते हैं। इन्हें पकड़े जाने का भय नहीं होता है। वे जानते हैं कि निपटना कैसे है। ऐसे लोग आम चोरों के बीच सम्मानित होते हैं। कभी आप इनके सामने दुखड़ा रोएं, पानी और बिजली की दरों को लेकर चर्चा करें, तो ये तुरंत चोरी के तरीके सुझा देंगे! मेरा मानना है कि जरूरतमंदों के द्वारा इन साधनों की चोरी उतनी घातक नहीं, जितनी तथाकथित समर्थ चोर इन साधनों की बर्बादी करते हैं। इन साधनों की बेइंतेहा बबार्दी राष्ट्रीय हित में नहीं है। देश के विकास के लिए इन साधनों के उपयोग के प्रति ईमानदारी और मितव्ययिता पहली शर्त है।

चौपाल

अमीरों का मंच

पूंजीवाद के लिए मजदूरों को केवल 'जिंदा' रखना जरूरी है, उनके अस्तित्व को बचाए रखना जरूरी है। यह भी ध्यान देना जरूरी है कि वे केवल 'साक्षर' बन कर ही अपना संपूर्ण जीवन बिता दें, गलती से भी वे 'शिक्षित' और 'समझदार' न बन जाएं। इसके अतिरिक्त एक बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि पर्याप्त रोजगार के बावजूद दस फीसद बेरोजगारी को बनाए रखना पूंजीवादी खेमे और फैक्ट्री मालिकों के लिए एकदम अत्यावश्यक है, क्योंकि इन दस फीसद बेरोजगार युवकों की लाइन हमेशा फैक्ट्री के गेट पर काम की तलाश के लिए लगी रहेगी, तभी भीतर काम करने वाले मजदूरों पर दबाव बना रहेगा और वे नौकरी जाने और बेरोजगार होने के खौफ और मानसिक दबाव में काम करते रहेंगे। दुनियाभर में,शोषण का यही सिलसिला सदियों से अनवरत चलता आ रहा है और भविष्य में भी यह पता नहीं, यह कब तक चलता रहे।

आज विश्व आर्थिक मंच नामक बड़े पूंजीवादी प्लेटफार्म के तहत, जिसमें आम जन की कोई सहभागिता ही नहीं है, बल्कि उसमें डोनाल्ड ट्रंप, अंबानी, अडानी से लेकर दुनिया के बड़े से बड़े, यूरोप से लेकर अमेरिका तक के बड़े-बड़े उद्योगपतियों, घोर पूंजीवादी परस्त संभ्रांत पत्रकारों, हॉलीवुड-बॉलीवुड के कलाकारों, बैंकरों आदि की सहभागिता वाली इस जमात से आम आदमी की भलाई की उम्मीद कैसे पाल सकते हैं?

इन बड़े-बड़े लोगों से सुशोभित इस विश्व आर्थिक मंच का निचोड़ ये है कि दुनिया भर में सरकारें अपनी हर तरह की 'दखलांदाजी' कम करें, मतलब वे जनकल्याण, मजदूरों के हितों के लिए, उनके अनवरत शोषण के खिलाफ चुप रहे, बल्कि सरकारी कंपनियों को निजी हाथों में बेच दिया जाए, उन प्राइवेट कंपनियों पर टैक्स न लगाया जाए आदि-आदि। यह फोरम चूंकि बड़े कारपोरेटों का हितैषी मंच है और उस पर यह आरोप न लगे, इसलिए इस मंच से जलवायु परिवर्तन, भूख, बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी उठा लिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, इस फोरम में अमेरिकी साम्राज्यवादियों द्वारा अकारण ही एक संप्रभु राष्ट्र के सेनाध्यक्ष की नृशंस हत्या के कारण को वहां बैठे अमेरिकी साम्राज्यवाद के नुमाइंदे डोनाल्ड ट्रंप से कभी भी कोई नहीं पूछेगा कि 'हे महानुभाव! आपने ऐसा कुकृत्य क्यों किया?' अपितु वहां यह जरूर पूछा जा सकता है कि इस बिषम परिस्थिति में हम बड़े कारपोरेट उस क्षेत्र में निवेश कैसे कर पाएंगे?

भारत में एक बड़े कारपोरेट की रोजाना की कमाई करोड़ों-अरबों में होती है। दूसरी तरफ भारत सरकार की ही अधिकृत संस्था- नीति आयोग के अनुसार एक शहरी मजदूर की रोजाना की औसत कमाई सिर्फ 28 रुपए 65 पैसे है। इतनी भारी असमानता के चलते ही एक ऐसी स्थिति आती है जब 99.99 प्रतिशत आम जनता इतनी निर्धन हो जाती है कि उसकी खरीदने की क्षमता शून्य हो जाती है। ऐसी स्थिति बनने पर आर्थिक मंदी छा जाती है। हाल के वर्षों में भारत सहित विश्व के कई देशों की यही हालात हुई है, इसीलिए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में स्विस राष्ट्रपति को कहना पड़ा है कि 'हमें साझा भविष्य के लिए सही संतुलन ढूंढ़ना है।

● *निर्मल कुमार शर्मा, गाजियाबाद*

विरोध क्यों?

संविधान की प्रस्तावना 'हम भारत के लोग, भारत को एक संप्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए ... ' में क्या खराबी है? संवैधानिक पद पाने वाला हर आदमी इसी की शपथ लेता है। देश की दशा और दिशा इसी से तय होती है। फिर इसे स्कूलों में पड़ाना, अनिवार्य रूप से प्रार्थना के समय पढ़ने और पढ़ाने में क्या मुश्किल है? महाराष्ट्र के बाद जब मध्यप्रदेश में इसे अनिवार्य किया गया तो फिर भाजपाई भड़क गए। क्यों? आजाद हिंदुस्तान में जब कभी भी किसी ने तानाशाही चलाने की जुर्रत की, जब भी मनमर्जी करने की गुस्ताखी की, तो उसे इसी संविधान के जरिए सही मार्ग पर लाया गया। अदालत भी गलत को गलत और सही को सही बतलाने का काम संविधान के आधार पर करती हैं। अगर स्कूली बच्चों को इसे राष्ट्रगान की तरह पढ़ने को कहा जाता है तो इसमें क्या बुराई है?

● *जंग बहादुर सिंह, गोलपहाड़ी, जमशेदपुर*

भ्रष्टाचार और भारत

भ्रष्टाचार दूर करने के मामले में भारत की स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है। बल्कि भारत और नीचे चला गया है। हम धार्मिक उन्माद में खून गर्म कर लेते हैं, लेकिन फिनलैंड, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड जैसे देशों का अनुकरण नही कर सकते जहां भ्रष्टाचार न के बराबर है। भारत में आज भी ज्यादातर काम छोटे से बड़े तक, बिना घूस के संभव नहीं होते। लगता है भ्रष्टाचार जीवन का अभिन्न अंग हो गया है। अगर कभी भ्रष्टाचार को मौलिक अधिकार में शामिल करने की मांग उठने लगे, तब भी कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इसे अब सुविधा टैक्स नाम दे दिया गया है। भ्रष्टाचार शिरोमणियों का कहना है कि जिसे अवसर ही नहीं मिला, वही भ्रष्टाचार मिटाने की भड़ास निकालते रहता है। कहीं लूट, रंगदारी, अपहरण, लेवी वसूली भ्रष्टाचार के लिए नए अवसर तो नहीं हैं?

● *प्रसिद्ध यादव, बाबूचक, पटना*

कश्मीरी पंडितों का दर्द

तीस साल पहले लाखों कश्मीरी पंडितों के साथ जिस तरह से शर्मसार करने वाली घटना घटित हुई थी, उसके जख्म आज भी हरे हैं। 1990 में कश्मीरी पंडितों के साथ जो कुछ हुआ, उसका दंश वे आज तक झेल रहे हैं। कई कश्मीरी पंडितों की हत्या, उनके परिवारों की महिलाओं के साथ बलात्कार, घरों, दुकानों, फैक्ट्रियों को आग लगा देने जैसी घटनाएं आज भी रोंगटे खड़े कर देती हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि तीन दशक बाद भी इस खौफनाक मंजर पर कोई बुद्धिजीवी, पत्रकार, एंकर इस मुद्दे को उठाना मुनासिब नहीं समझता। सरकारों ने तो जो किया, वह हैरान करने वाला ही रहा है। पर अब भी वक्त है जब सरकार कुछ कर सकती है और देश और विदेश में रह रहे विस्थापित कश्मीरी पंडितों को घाटी में फिर से बसा कर रोजगार और उसकी जमीन को लौटा सकती है। आज कश्मीर से धारा 370 का हट जाने के बाद कश्मीरी पंडितों को घर वापसी की उम्मीद तो बंधी है।

● *मनकेश्वर महाराज भट्ट, मधेपुरा*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

देशभर में 71वां गणतंत्र रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विभिन्न राज्यों में प्रभात फेरियां, परेड का आयोजन हुआ। झंडावंदन कार्यक्रमों के आयोजन के बीच सूबे के राज्यपालों ने अपने-अपने प्रदेश की उल्लेखनीय उपलब्धियों को जनता के सामने रखते हुए जनता से सर्वांगीण विकास में हाथ बंटाने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल जीसी मुर्मू 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बलिदान स्तंभ पर शहीदों को सलामी देते हुए।

दुमका में जिला आयुक्त बी राजेश्वरी के साथ गणतंत्र दिवस परेड की सलामी लेते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

तमिलनाडु : सरकारी विभागों की झांकियां निकलीं

चेन्नई : तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने रविवार को यहां मरीना पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राज्य में 71वें गणतंत्र दिवस समारोहों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर सशस्त्र बलों, राज्य पुलिस, स्काउट्स और गाइडों ने शानदार मार्च पास्ट किया। इस मौके पर निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी की 2019 की तीन देशों की यात्रा समेत विभिन्न पहलों को दिखाते हुए सरकारी विभागों की झांकियां निकाली गई। छात्रों और कलाकारों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दीं। पलानीस्वामी ने पुलिसकर्मियों के लिए अन्ना वीरता पदक समेत कई पुरस्कार दिए। पलानीस्वामी के अलावा उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम, राज्य मंत्री तथा अन्य लोग भी इस मौके पर मौजूद रहे।

केरल राज्यपाल : भारतीयता विविधता में निहित है

तिरुवनंतपुरम : केरल में 71वें गणतंत्र दिवस समरोहों का नेतृत्व करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को कहा कि भारतीयता विविधता में निहित है और संविधान वास्तव में शाश्वत भारतीय लोकाचार को दर्शाता है। खान ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड देखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन तथा उनके मंत्रिमंडल के कुछ सहकर्मी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में खान ने कहा कि भारतीयता विविधता में निहित है जिसका तात्पर्य सम्मान और विविधता की स्वीकृति है। राज्यपाल ने कहा, 'हमारे देश के संस्थापक लोकतंत्र को पवित्र विश्वास मानते थे और इसलिए उन्होंने संविधान अपनाया जो पूरी तरह से शाश्वत भारतीय लोकाचार, मूल्यों और परंपराओं को दर्शाता है।' संशोधित नागरिकता कानून पर वाम मोर्चे की सरकार के रुख पर उससे टकराने वाले खान ने विजयन की तारीफ की और कहा कि राज्य की उपलब्धि इस बात में है कि यहां लगातार आई बाढ़ के दौरान विपरीत हालात का एकजुटता के साथ सामना किया गया।

छत्तीसगढ़ : नक्सली हिंसा में कमी आई

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कहा है कि राज्य में सचेत पुलिस बल और न्याय दिलाने की पहल के कारण नक्सली हिसा और अपराधों में कमी आई है। राज्यपाल उइके ने आज रविवार को यहां पुलिस परेड ग्राउंड में 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि सरकार ने सुरक्षा, विश्वास और विकास की त्रिवेणी से कानून और व्यवस्था को संवारा है। सचेत पुलिस बल और न्याय दिलाने की पहल के कारण नक्सली हिंसा और अपराधों में कमी आई है।

त्रिपुरा : जैविक खेती में उल्लेखनीय सफलता

अगरतला : त्रिपुरा के राज्यपाल रमेश बैस ने 71वें गणतंत्र दिवस पर असम राइफल्स मैदान में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर राज्यपाल ने अपने भाषण में कहा कि पड़ोसी देश बांग्लोदश के साथ द्विपक्षीय संबंध सौहार्दपूर्ण हैं और सरकार का प्रयास पड़ोसी देश के जरिये संपर्क विकसित करना है, जो राज्य के साथ-साथ पूरे पूर्वोत्तर को लंबे समय में समृद्ध बनाने में मदद करेगा। बैस ने कहा कि त्रिपुरा के विकास के लिए एचआइआरए (राजमार्ग, इंटरनेट, रोडवेज और वायुमार्ग) को अपना रहा है। (भाषा)

कोलकाता में गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत करने जातीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

चेन्नई में गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुईं छात्राएं।

सरकार मूल निवासियों के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है : जगदीश मुखी

शिलांग/ईटानगर/गुवाहाटी/गंगटोक/अगरतला, 26 जनवरी (भाषा)।

पूर्वोत्तर के राज्यों मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और असम में रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने इस अवसर पर अगले 10 साल में राज्य के लिए अपनी सरकार का दृष्टिकोण रखा और कहा कि वह राज्य के सभी निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां के पोलो ग्राउंड में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को मजबूत करने के दृष्टिकोण और मानव विकास, प्राथमिक क्षेत्र का कायाकल्प, बुनियादी ढांचा विस्तार, उद्यमिता को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण और शासन में सुधार के छह स्तंभ के साथ इस दिशा में व्यापक कार्य जारी हैं। राज्यपाल तथागत राय के अवकाश पर होने के कारण परंपरा से हटकर इस साल मुख्यमंत्री ने तिरंगा झंडा फहराया।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डॉ बीडी मिश्रा ने रविवार को राज्य के लोगों से अपील की कि वे विकास के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ आएं। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में इंदिरा गांधी पार्क में राष्ट्र ध्वज फहराने के बाद मिश्रा ने कहा कि पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए सरकार ने उपग्रह आधारित निगरानी समेत जियो टैगिंग टूल का इस्तेमाल सभी परियोजनाओं के लिए अनिवार्य किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार टीम भावना के साथ शासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, कृषि, बागवानी क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव, रोजगार सृजन और 2024 तक सभी घरों तक पेयजल मुहैया कराने जैसे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

अगरतला में असम राइफल्स के जवान गणतंत्र दिवस के मौके पर जश्न मनाते हुए।

सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कहा कि शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में अन्य के लिए सिक्किम मॉडल राज्य बन चुका है। यहां 71वें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में झंडोत्तोलन के बाद प्रसाद ने अपने भाषण में कहा, 'सिक्किम ने विकास, शांति, सौहार्द और सुरक्षा को आत्मसात किया है। राज्य में सांप्रदायिक दंगे या हड़ताल जैसी कोई समस्या नहीं है। यह एक मॉडल राज्य बन चुका है।' प्रसाद ने सिक्किम के देश के पहले जैविक राज्य बनने की भी प्रशंसा की।

वहीं, असम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल जगदीश मुखी ने कहा कि असम सरकार यहां के मूल निवासियों के अधिकारों के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है, जिन्हें इस संबंध में गठित समिति की रिपोर्ट के बाद जल्द ही संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त होगी। 71वें गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय झंडा फहराने के बाद मुखी ने कहा कि राज्य सरकार बराक-ब्रह्मपुत्र और पर्वतीय मैदानी इलाकों में पिछले साढ़े तीन साल के दौरान रह रहे असमी लोगों की प्रतिष्ठा के लिए पूरे समर्पण से काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार असम के मूल निवासियों के अधिकारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है... असम समझौते के खंड छह को पूरी तरह से लागू करने पर जोर देना इसके इसी लक्ष्य और नीति को साबित करता है।' त्रिपुरा के राज्यपाल रमेश बैस ने 71वें गणतंत्र दिवस पर असम राइफल्स मैदान में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया।

जम्मू : कड़ी सुरक्षा के बीच फहरा तिरंगा

जम्मू : जम्मू में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच परंपरा और हर्षोल्लास के साथ 71वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम में उपराज्यपाल जीसी मुर्मू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस है। मुर्मू ने जम्मू के बीचोबीच लोगों से ठसाठस भरे मौलाना आजाद स्टेडियम में तिरंगा फहराया और परेड का निरीक्षण करने के साथ भव्य मार्च पास्ट की सलामी ली जिसका नेतृत्व जम्मू-कश्मीर लाइट इंफैंट्री (जेएकेएलआई) की पांचवीं बटालियन के कर्नल राजेश कुमार शर्मा ने किया।

जेएकेएलआइ के अलावा सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस, भारतीय रिजर्व पुलिस, आपदा मोचन बल, जम्मू-कश्मीर अग्नि एवं आपदा सेवा, पूर्व सैनिक, राष्ट्रीय कैडट कोर और भारत स्काउट की टुकड़ियों ने भी मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। उपराज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया। परेड के अलावा बालकों और बालिकाओं ने सांस्कृतिक और खेलकूद का कार्यक्रम पेश किया और स्थानीय पुलिस के दस्ते ने मोटरसाइकिल पर हैरतअंगेज करतब दिखाए। कार्यक्रम की शुरुआत में वायुसेना के हेलिकॉप्टर ने पुष्पवर्षा की जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा और पूरे कार्यक्रम के दौरान नियमित अंतराल पर तीन हेलिकॉप्टर ऊपर से गुजरे।

जम्मू-कश्मीर के तीन पूर्व मुख्यमंत्री, नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, उनके बेटे उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अभी श्रीनगर में हिरासत में हैं इसलिए कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना रहे। कार्यक्रम के अंत में रैना ने पत्रकारों से कहा, 'जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए यह गणतंत्र दिवस ऐतिहासिक है क्योंकि हमारे शहीदों के 'एक निशान, एक विधान और प्रधान' का सपना सच हुआ है।

सलाम-ए-हिंद

बीकानेर में गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली छात्र।

प्रधानमंत्री ने बांधा केसरिया रंग का साफा, बरकरार रखी परंपरा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर साफा बांधने की अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इस बार गणतंत्र दिवस पर केसरिया रंग का 'बंधेज' का साफा बांधा।

पारंपरिक कुर्ता पजामा और जैकेट पहने प्रधानमंत्री ने इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के बजाय यहां नव निर्मित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहली बार शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के परिधान में खास तौर पर उनके साफे की काफी चर्चा होती है। पिछले साल प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से छठवीं बार स्वतंत्रता दिवस का भाषण दिया था और उस दौरान उन्होंने कई रंगों वाला साफा बांधा था। वहीं 2014 में मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार अपने भाषण के दौरान लाल रंग का बंधेज वाला साफा पहना था जिसकी पीछे की पट्टी का रंग हरा था। प्रधानमंत्री ने 2015 में धारीदार पट्टियों वाला साफा बांधा था जिनमें से कुछ का रंग लाल और गहरा हरा था। इसके बाद 2016 में लाल किले से भाषण के दौरान वह गुलाबी और पीले रंग वाले साफे में नजर आए थे। वहीं 2017 में उन्होंने चमकदार लाल और पीले रंग का साफा पहना था।

> 2014 में मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार अपने भाषण के दौरान लाल रंग का बंधेज वाला साफा पहना था जिसकी पीछे की पट्टी का रंग हरा था।

नए उद्योगों को हफ्ते भर में मंजूरी : कमलनाथ

कहा, सात दिन में मंजूरी नहीं तो मान लिया जाएगा कि मंजूरी मिल चुकी है

इंदौर, 26 जनवरी (भाषा)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को कहा कि औद्योगिक निवेश बढ़ाकर रोजगार सृजन को गति प्रदान करने के लिये उनकी सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस कानून के तहत नए उद्योगों को अधिकतम सात दिन में सभी सरकारी मंजूरियां देने का प्रावधान किया जाएगा।

कमलनाथ ने 71वें गणतंत्र दिवस पर यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तिरंगा फहराकर परेड की सलामी ली। उन्होंने गणतंत्र दिवस समारोह में कहा, 'हम जल्द ही कानून लाने जा रहे हैं, जिसके तहत नई इकाइयां लगाने वाले निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से अधिकतम सात दिनों की समयसीमा में सभी जरूरी मंजूरियां मिल जाएंगी।' उन्होंने कहा, 'अगर औद्योगिक निवेशकों को ये अनुमतियां सात दिन में नहीं मिलती हैं, तो कानूनी प्रावधानों के मुताबिक मान लिया जाएगा कि उन्हें ये अनुमतियां मिल चुकी हैं।' मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार आर्थिक गतिविधियां बढ़ाकर नए रोजगार पैदा करने के लिए लॉजिस्टिक्स, कृषि प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा, खनन, टेक्सटाइल और कपड़ा निर्माण के क्षेत्रों में नया निवेश लाने पर खास ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की नई औद्योगिक इकाइयों में 70 फीसद रोजगार सूबे के मूल निवासियों को दिया जाना अनिवार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि रोजगार की अपार संभावनाओं वाले रियल्टी क्षेत्र में निवेशकों के लिए जरूरी मंजूरियों की तादाद को 27 से घटाकर पांच किया जा रहा है।

कमलनाथ ने बताया कि कृषि जिंसों को सुरक्षित रखने के लिए सूबे में नई योजना के तहत 30 लाख टन की अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा, 'हम यह योजना इसलिए शुरू करने जा रहे हैं, ताकि मंडियों में फसलों के दामों में गिरावट पर किसानों को उनकी उपज कम दाम में बेचने पर मजबूर न होना पड़े।' मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने खेती की लागत के मुकाबले फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में पर्याप्त वृद्धि नहीं की है।

बेरोजगारी के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

आंकड़ों के हवाले से कांग्रेस ने देश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर केंद्र की राजग सरकार को घेरा। पार्टी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए रविवार को कहा कि प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया था लेकिन देश में जैसे जैसे भाजपा के बैंक खातों में रकम बढ़ती गई, वैसे-वैसे देश में रोजगार घटता गया।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अपने एक ट्वीट में कहा- वादा था हर साल 2 करोड़ रोजगार देने का, यानी 5 साल में 10,00,00,000 रोजगार। 5 सालों में देश के 7 प्रमुख सेक्टर में हुए 3,64,00,000 (3.64 करोड़) बेरोजगार! जैसे जैसे बीजेपी का बैंक बैलेंस बढ़ता है, देश में वैसे वैसे रोजगार घटता है!

बेरोजगारी को लेकर मीडिया में आए आंकड़ों के हवाले से सुरजेवाला ने सरकार की आलोचना की। इन आंकड़ों के अनुसार सितंबर से दिसंबर 2019 के चार महीनों में बेरोजगारी की दर 7.5 फीसद तक पहुंच गई है। यही नहीं, उच्च शक्षिति लोगों की बेरोजगारी दर बढ़कर 60 फीसद तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शहरों में खासकर उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 से 24 साल के युवाओं में बेरोजगारी की दर 37 फीसद है और इनमें से स्नातकों में बेरोजगारी की दर 60 फीसद तक पहुंच गई है। वर्ष 2019 में स्नातकों में बेरोजगारी की औसत दर 63.4 फीसद तक पहुंच गई है। कांग्रेस की युवा इकाई ने बढ़ती बेरोजगारी को ध्यान में रखकर ही राष्ट्रीय बेरोजगार रजिस्टर अभियान शुरू किया है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इसी महंगाई के मुद्दे पर राजस्थान में एक बड़ी रैली को संबोधित करने जा रहे हैं। पार्टी का यह मानना है कि केंद्र की सरकार बेरोजगारी की इस भीषण समस्या की ओर से आम लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ही नागरिकता संशोधन कानून (एनआरसी) और राष्ट्रीय नागरिकता पंजी (एनआरसी) सरीखे मुद्दे उठा रही है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो युवा कांग्रेस के अभियान के साथ साथ पार्टी सांसद राहुल गांधी बेरोजगारी के मुद्दे पर पूरे देश में अलख जगाने व युवाओं को जागरूक बनाने के लिए एक देशव्यापी दौरा शुरू करने वाले हैं। समझा जा रहा है कि पार्टी बेरोजगारी के इन तमाम आंकड़ों को युवाओं के समक्ष रखेगी और इसको एक बड़े सियासी मुद्दे की शक्ल देगी।

जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में 3.9 तीव्रता का भूकम्प

भद्रवाह (जम्मू-कश्मीर), 26 जनवरी (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की बर्फ से ढकी घाटी में रविवार को 3.9 तीव्रता वाला भूकंप आने से हिमस्खलन की आशंका के कारण लोग घबरा गए। उपमंडलीय पुलिस अधिकारी आदिल रिशु ने बताया कि इस दौरान जान-माल का किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है।

अधिकारियों ने बताया कि भूकंप सुबह करीब चार बजकर 34 मिनट पर आया और 12 सेकंड तक झटके महसूस किए गए। स्थानीय मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र कैलाश और आशापति हिमनदियों की तलहटी में भद्रवाह के पूर्वोत्तर में 4.3 किलोमीटर दूर था।

उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके भालेस्सा और मरमत के कुछ हिस्सों समेत भद्रवाह के निकटवर्ती इलाकों में भी महसूस किए गए जिससे घबराए लोगों को शून्य से भी कम तापमान के बावजूद अपने घरों से बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा।

तीन साल में पूरा हो जाएगा तीन हरित गलियारों का निर्माण : गडकरी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे सहित 22 एक्सप्रेस वे और हरित गलियारों में से तीन का निर्माण अगले तीन साल में पूरा कर लिया जाएगा। गडकरी ने कहा कि 22 परियोजनाओं के तहत 7,500 किलोमीटर के नए एक्सप्रेसवे और गलियारों का निर्माण 2024-25 तक 3.10 लाख करोड़ रुपए में पूरा करने की योजना है।

गडकरी ने कहा कि हमारी योजना प्रमुख परियोजना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण तीन साल में पूरा करने की है। इसका काम 51 पैकेज में किया जाएगा। इनमें से 18 पर काम शुरू हो चुका है। यह देश का सबसे लंबा 1,320 किलोमीटर का एक्सप्रेसव होगा। इससे दिल्ली से मुंबई की यात्रा का समय 24 घंटे से घटकर 13 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में से छह 2,250 किलोमीटर के एक्सप्रेसवे हैं जिनके निर्माण पर 1.45 लाख करोड़ रुपए की लागत आएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शेष 16 नए गलियारे हैं। इनके तहत 5,250 किलोमीटर की परियोजनाओं का निर्माण 1.65 लाख करोड़ रुपए की लागत में किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के अलावा ट्रांस राजस्थान और ट्रांस हरियाणा की परियोजनाओं को अगले तीन साल में पूरा किया जाएगा। गडकरी ने गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की और अपने सरकारी निवास पर झंडोत्तोलन किया।

भड़काऊ भाषण को लेकर दिल्ली में भी शरजील पर मामला दर्ज किया

पेज 1 का बाकी

खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इमाम को एक ऑडियो क्लिप में यह कहते हुए सुना गया कि असम को भारत के शेष हिस्से से काटना चाहिए और सबक सिखाना चाहिए। वहां बंगाली हिंदुओं और मुसलमानों दोनों की हत्या की जा रही है या उन्हें निरोध केंद्रों में रखा जा रहा है। बताया गया कि उसने यह भी कहा था कि अगर पांच लाख लोगों को एकत्रित कर सकें तो असम को भारत के शेष हिस्से से स्थायी रूप से अलग किया जा सकता है, अगर स्थायी रूप से नहीं तो कम से कम कुछ महीनों तक तो किया ही जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इमाम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 124 ए, 153ए और 505 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालयपरिसर में 16 जनवरी को दिए भाषण के लिए इमाम के खिलाफ शनिवार को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया। असम पुलिस ने उसके भाषण को लेकर उसके खिलाफ उग्रवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत एक प्राथमिकी भी दर्ज की है।

झांकियों में दिखी गंगाजमुनी तहजीब और लोक संस्कृति की झलक

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 26 जनवरी।

गणतंत्र दिवस समारोह में प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक झांकियों में देश की गंगाजमुनी तहजीब और लोकजीवन की मूल आत्मा उत्सव के साथ ही उल्लास पूर्ण जीवन की झलक पेश की गई। चाहे उत्तर प्रदेश की झांकी हो या बंगाल के लोक गायकों का समूह बाउल या पंजाब की झांकी, सभी में सर्वधर्म समभाव,भाईचारे और विभिन्न संप्रदायों में सहजीवन की अद्भुत परंपरा की मिसाल दिखी। इन झांकियों में जहां देश की वैश्विक विरासत को संजोया गया था, वहीं पानी सहेजने की अनूठी और प्राचीन परंपरा को भी जगह दी गई थी।

गोवा ने जहां 'मेढ़क बचाओ' का संदेश दिया वहीं जम्मू-कश्मीर ने 'गांव की ओर लौटो' कार्यक्रम से जनमानस का रुख गांव की ओर करने की पहल की थी। जलशक्ति मंत्रालय की झांकी ने देश के हर घर में नल से जल के लक्ष्य को पेश किया गया था, वहीं स्टार्टप और अन्य झांकियों ने सरकार की ओर से चलाई जा रही विकास यात्रा की बानगी पेश की।

उत्तर प्रदेश की झांकी में सर्वधर्म समभाव के संदेश के साथ जहां काशी में गंगा के निर्मलधारा में सांस्कृतिक विरासत के अविरल प्रवाह की झलक दी गई, वहीं प्रदेश के बाराबंकी स्थित देवा शरीफ के सूफियाना मिजाज को भी दर्शाया गया। इस झांकी में काशी की संगीत परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले शहनाई वादक बिस्मिल्लाखान, तबला वादक पंडित सामता प्रसाद और स्वरसाम्राज्ञी गिरिजा देवी की प्रतिकृतियां दिखाई गई थीं। गौतम बुद्ध के अलावा संत परंपरा के कबीर, रैदास को भी दिखाया गया।

बंगाल के लोक गायक समूह 'बाउल' के जरिए दिखाया गया कि वैष्णव हिंदू और सूफी मुसलमान इस समूह का हिस्सा रहे हैं। वहीं पंजाब की झांकी गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के नाम रही। गुजरात की झांकी में 'रानी की वाव' को केंद्र बनाया गया। यूनेस्को ने 2014 में 'रानी की वाव' को विश्व धरोहर का दर्जा दिया था। 'रानी की वाव' भारत के गुजरात राज्य के पाटण में स्थित प्रसिद्ध बावड़ी है। जो पानी सहेजने और वास्तुशिल्प की अनूठी मिसाल है। यूनेस्को विश्व धरोहर द्वारा 2019 में जयपुर को 'वॉल्ड सिटी ऑफ जयपुर' का दर्जा दिए जाने के बाद इस बार इसे राजस्थान की झांकी में दिखाया गया। इसमें जयपुर की सांस्कृतिक विरासत के साथ ही उसकी वास्तुशिल्प की भव्यता को दिखाया गया। मध्य प्रदेश की झांकी में भोपाल स्थित जनजातीय संग्राहलय को जगह दी गई थी। इनके अलावा छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और कर्नाटक राज्य की झांकियां भी यहां दिखीं। जिनमें उत्सव और उल्लासपूर्ण जीवन के साथ ही हस्त शिल्प और पारंपरिक ज्ञान की बानगी पेश की गई। जल शक्ति मंत्रालय ने जो झांकी निकाली उसमें 'जल जीवन मिशन' पहल को प्रर्दिशत किया गया। इस मिशन का लक्ष्य 2024 तक हर गांव में हर घर तक पाइप लाइन के जरिए पानी पहुंचाना है। गोवा ने जहां अपनी झांकी में 'मेंढक बचाओ' का संदेश दिया वहीं जम्मू-कश्मीर 'चलो गांव की ओर' का संदेश लेकर राजपथ पर उतरा।

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर की यह पहली झांकी थी जो कश्मीरी पंडितों के लिए शुरू किए गए कार्यक्रम 'गांव की ओर लौटो' के नाम रही। इन 22 झांकियों में 16 झांकियां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की थी और अन्य छह मंत्रालयों, विभागों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की थी। एनडीआरएफ की झांकी ने भी सबको आर्किषत किया। इसमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य के दौरान और दिल्ली की अनाज मंडी में आग लगने के दौरान पिछले साल इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया था। लोक निर्माण विभाग की फूलों से बनी झांकी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की अनेकता में एकता की मूल भावना को पेश किया।

ओड़ीशा में ग्रामीणों के हाथों मारा गया एक माओवादी

पेज 1 का बाकी

किया और इन दोनों का गांव के बाहर तक पीछा किया। माओवादियों ने लोगों को आतंकित करने के लिए गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने धनुष और तीर जैसे अपने पारंपरिक हथियारों से जवाबी कार्रवाई की। ग्रामीणों ने माओवादियों पर पथराव भी किया जिससे एक माओवादी मारा गया और एक अन्य घायल हो गया।

मृत माओवादी की पहचान मलकानगिरी के कालीमेला निवासी गंगा माधी उर्फ अदमा के रूप में हुई। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का सदस्य था और उसके ऊपर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। घायल की पहचान कोरापुट जिले के नारायनपटना निवासी जीप्रो हत्रिका उर्फ जीत्रा के रूप में हुई। घायल नक्सली के ऊपर चार लाख रुपए का इनाम था।

ग्रामीणों का मानना था कि वे क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी के कारण विकास कार्यक्रमों से वंचित हैं। हाल में माओवादियों ने जैंतुरई गांव को जोड़ने वाली एक सड़क के निर्माण का विरोध किया था। पुलिस ने बताया कि एक माओवादी मारा गया और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है जिसमें ग्रामीणों ने माओवादियों पर हमला किया है।

मलकानगिरि के पुलिस अधीक्षक आरडी खिलारी ने कहा, हमें बताया गया है कि माओवादियों द्वारा गोलियां चलाने पर ग्रामीणों ने जवाबी कार्रवाई की। ऐसा बताया गया है कि एक माओवादी मारा गया। पुलिस ने बताया कि बीएसएफ के जवानों समेत सुरक्षाकर्मियों को गांव रवाना किया गया है क्योंकि निवासियों को आशंका है कि माओवादी बदला लेंगे। पुलिस ने घायल माओवादी को इलाज के लिए मलकानगिरि के जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया है।

हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं : मोदी

पेज 1 का बाकी

हो और, भाईचारा, हर विभाजन व बंटवारे की कोशिश को नाकाम करे' गणतंत्र दिवस समारोह की वजह से इस रविवार प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम के समय में बदलाव किया गया। सुबह 11 बजे की बजाए रविवार को शाम 6 बजे का वक्त तय किया गया था। यह प्रधानमंत्री मोदी का नए साल में पहला 'मन की बात' कार्यक्रम है। पूर्वोत्तर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आपने भी समाचार में देखा होगा कि अभी कुछ दिनों पहले असम में, आठ अलग-अलग मिलिटेंट ग्रुप के 644 लोगों ने अपने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया, जो पहले हिंसा के रास्ते पर चले गए थे उन्होंने अपना विश्वास, शांति में जताया और देश के विकास में भागीदार बनने का निर्णय लिया है, मुख्यधारा में वापस आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष, त्रिपुरा में भी 80 से अधिक लोग, हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट आए हैं जिन्होंने यह सोचकर हथियार उठा लिए थे कि हिंसा से समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है, उनका यह विश्वास दृढ़ हुआ है कि शांति और एकजुटता ही, किसी भी विवाद को सुलझाने का एकमात्र रास्ता है। पूर्वोत्तर में अलगाववाद काफी कम हुआ है और इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस क्षेत्र से जुड़े हर एक मुद्दे को शांति के साथ, ईमानदारी से, चर्चा करके सुलझाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश के किसी भी कोने में अब भी हिंसा और हथियार के बल पर समस्याओं का समाधान खोज रहे लोगों से आज, इस गणतंत्र-दिवस के पवित्र अवसर पर अपील करता हू कि वे वापस लौट आएं, मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने में, अपनी और इस देश की क्षमताओं पर भरोसा रखें' ब्रू-रियांग शरणार्थियों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही, लगभग 25 वर्ष पुरानी ब्रू-रियांग शरणार्थी समस्या के एक दर्दनाक अध्याय का अंत हुआ।

उन्होंने कहा कि यह समस्या 90 के दशक की है। 1997 में जातीय तनाव के कारण ब्रू रियांग जनजाति के लोगों को मिजोरम से निकल करके त्रिपुरा में शरण लेनी पड़ी थी। इन शरणार्थियों को उत्तर त्रिपुरा के कंचनपुर स्थित अस्थाई कैम्पों में रखा गया। यह बहुत पीड़ादायक है कि ब्रू रियांग समुदाय के लोगों ने शरणार्थी के रूप में अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खो दिया था। 23 साल तक - न घर, न जमीन, न परिवार के लिए , बीमारी के लिए इलाज़ का प्रबंध और ना बच्चों के शिक्षा की सुविधा। मोदी ने कहा कि सरकारें आईं और चली गईं, लेकिन इनकी पीड़ा का हल नहीं निकल पाया लेकिन इतने कष्ट के बावजूद भारतीय संविधान और संस्कृति के प्रति उनका विश्वास अडिग बना रहा।

उन्होंने कहा कि और इसी विश्वास का नतीजा है कि उनके जीवन में आज एक नया सवेरा आया है। समझौते के तहत, करीब 34000 ब्रू-शरणार्थियों को त्रिपुरा में बसाया जाएगा। इतना ही नहीं, उनके पुनर्वास और सर्वांगीण-विकास के लिए केंद्र सरकार लगभग 600 करोड़ रुपए की मदद भी करेगी। प्रत्येक विस्थापित परिवार को घर बनाने में उनकी मदद की जाएगी। इसके साथ ही, उनके राशन का प्रबंध भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये समझौता कई वजहों से बहुत खास है। ये सहकारी संघवाद की भावना को दर्शाता है।

कश्मीर कुछ घंटे बंद रहीं मोबाइल सेवाएं

पेज 1 का बाकी

कि हालांकि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बाधित रहेंगी। घाटी में 2005 से गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मोबाइल फोन और इंटरनेट सेवा बंद करना सुरक्षा ड्रिल का हिस्सा है। कश्मीर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बहाल किये जाने के कुछ घंटों बाद शनिवार को अधिकारियों ने गणतंत्र दिवस के मद्देनजर सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सेवाओं को फिर से बंद कर दिया था।इसी बीच, गणतंत्र दिवस का उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। घाटी में मुख्य आधिकारिक कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर सुरक्षा बल तैनात रहे ताकि विध्वंसकारी ताकतें अपने षडयंत्रों में सफल न हो पाएं।घाटी में ऊंची इमारतों पर भी सुरक्षाबल तैनात थे। हालांकि घाटी में सड़कों से लोग नदारद रहे क्योंकि ज्यादातर लोगों ने घरों में रहने को ही तरजीह दी। हुर्रियत कांफ्रेंस जैसे अलगाववादी समूह 26 जनवरी और 15 अगस्त के मौके पर बंद का आह्वान करते हैं लेकिन इस साल इस तरह कोई आह्वान नहीं हुआ क्योंकि अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को पांच अगस्त को खत्म किए जाने के बाद से ऐसे नेता हिरासत में हैं।

पहली बार मोदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

पेज 1 का बाकी

निरंतर ज्योति जलती रहती है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए जवानों की याद में इंडिया गेट के नीचे 1972 में इसका निर्माण किया गया था। तकरीबन 40 एकड़ क्षेत्र में फैले राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में चार चक्र 'अमर चक्र', 'वीरता चक्र', 'त्याग चक्र' और 'रक्षक चक्र' हैं, जिन पर ग्रेनाइट के पत्थरों पर स्वर्ण अक्षरों से 25,942 जवानों के नाम लिखे हैं। इसमें 15.5 मीटर ऊंचा एक स्मारक स्तंभ, निरंतर जल रही ज्योति और कांस्य के छह भित्ति चित्र हैं जो भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना द्वारा लड़ी गई प्रसिद्ध लड़ाइयों को दर्शा रहे हैं। यह स्मारक 1962 में भारत-चीन युद्ध, 1947, 1965 और 1971 में भारत-पाक युद्ध, श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा बल के अभियानों और 1999 में कारगिल युद्ध तथा संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों के दौरान शहीद जवानों को समर्पित है। 42 मीटर ऊंचा इंडिया गेट प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) और तीसरे एंग्लो-अफगान युद्ध (1919) में मारे गए जवानों के सम्मान में ऑल इंडिया वॉर मेमोरियल आर्च के रूप में ब्रिटिश राज के दौरान बना था।

अल्पसंख्यकों का कभी उत्पीड़न नहीं हुआ : भैयाजी जोशी

पेज 1 का बाकी

न हो, वह भी पहले से बने कानून के हिसाब से नागरिकता हासिल कर सकता है। इसमें समस्या क्या है? उन्होंने कहा, बिना गंभीरता से विचार किए हुए गलत सूचनाओं का प्रसार किया जा रहा है। अगर सीएए के पीछे की भावना को सही तरीके से समझा जाता तो इसे किसी के विरोध का सामना नहीं करना पड़ता। जोशी ने कहा, सरकार ने बार-बार इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दिया है लेकिन अलग-अलग समूह अब भी इसके खिलाफ माहौल तैयार कर रहे हैं। संसद ने इस कानून को पारित किया है और सब को इसे स्वीकार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी सरकारों ने नागरिकता कानून में संशोधन किया है। जोशी ने लोगों से गलत जानकारियों से बचने की अपील की।

संघ के महासचिव ने कहा, यह देश के लिए अनिवार्य है कि कोई भी विदेशी यहां न रहे। यह अधिनियम सिर्फ पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हिदुओं को ही नहीं बल्कि जैन, सिख, बौद्ध और ईसाईयों को भी नागरिक बनने की अनुमति देता है। इसलिए अशांति फैलाना अच्छा नहीं है। वहीं श्रीलंका के लोगों को इसमें शामिल नहीं किए जाने को लेकर पूछे गए एक सवाल में उन्होंने कहा कि इन्हें पहले अनुमति दी गई थी और वहां अब धार्मिक आधार पर उत्पीड़न नहीं है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि देश के पास अपना संविधान है और वह उसके अनुसार चलता है।

लोहरदगा जिले के पांच पुलिस थाना क्षेत्र में कर्फ्यू में ढील

लोहरदगा, 26 जनवरी (भाषा)।

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के समर्थन में लोहरदगा में गुरुवार को निकले जुलूस में पथराव के बाद हुई हिंसा के चलते लगे कर्फ्यू में रविवार को दो घंटे की ढील दी गई। ये ढील पांच थाना क्षेत्रों में दी गई, ताकि लोग अपनी जरूरत का सामान खरीद पाएं।

लोहरदगा जिला प्रशासन की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ढील सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक दी गई। इस दौरान चार से अधिक लोगों के एकत्रित होने और नारेबाजी करने की अनुमति नहीं थी। उसमें कहा गया कि गणतंत्र दिवस मनाने को इच्छुक लोग ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय गान गा सकते हैं। इसके लिए 10 से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो सकते हैं। इस बीच, रांची में जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि लोहरदगा में स्थिति मुख्य रूप से सामान्य है।

रांची जोनल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, आइजी(ऑपरेशन्स), रेंज डीआइजी (रांची) और पांच एसपी रैंक के अधिकारी लोहरदगा में मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाएं हैं तथा उसे जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उसने कहा कि अतिरिक्त पुलिस बल की 15 कंपनियां जिले में तैनात है।

गणतंत्र दिवस समारोह में मंत्री के जूते पकड़े दिखा व्यक्ति

भुवनेश्वर, 26 जनवरी (भाषा)।

ओड़ीशा के वाणिज्य व परिवहन मंत्री पद्मनाभ बेहरा रविवार को उस समय विवादों में घिर गए जब इंटरनेट पर वायरल हुए एक वीडियो में क्योंझर में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एक व्यक्ति उनके जूते पकड़े हुए दिखा।

वीडियो में दिख रहा है कि मंत्री क्योंझर के जिला मुख्यालय में राष्ट्रध्वज फहरा रहे हैं और उस दौरान एक व्यक्ति कथित रूप से उनके जूते पकड़े हुए है। ध्वजारोहण के बाद व्यक्ति बेहरा के पैरों के निकट जूते रखते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में जो व्यक्ति जूते पकड़े दिख रहा है, उसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि, बेहरा ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने तिरंगे के प्रति सम्मान दर्शाने के लिए ध्वजारोहण से पहले अपने जूते उतारे थे। मेरे जूते किसी भी व्यक्ति ने नहीं पकड़े हुए थे।'

वुहान में फंसे 250 छात्रों के लिए हर विकल्प पर विचार : भारत

पेज 1 का बाकी

राहत उपलब्ध कराने के लिए चीनी अधिकारियों के साथ मंत्रणा करने के साथ सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है।' यहां सभी विकल्पों से तात्पर्य फंसे हुए भारतीयों को वहां से निकालने से समझा जा रहा है। समझा जाता है कि शहर और उसके आसपास के कई विश्वविद्यालयों में करीब 700 भारतीय छात्र पढ़ते हैं।

वायरस को फैलने से रोकने के लिए चीनी अधिकारियों ने वुहान समेत 12 अन्य शहरों को पूरी तरह से बंद कर दिया है। भारतीय छात्रों में अधिकतर मेडिकल के छात्र हैं जिनमें से अधिकतर छात्र चीनी नववर्ष की छुट्टियों के कारण कुछ सप्ताह पहले ही वहां से चले गए थे। प्राप्त सूचना के अनुसार 250 से 300 छात्र अब भी शहर में ही हैं जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर उनके माता-पिता में चिंता बढ़ गई है जो उन्हें वापस घर बुलाना चाहते हैं। पीएचडी के कई भारतीय छात्र भी वुहान और आसपास के इलाकों के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं।

वायरस को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण पहली बार भारतीय दूतावास ने यहां रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह रद्द किया। इस वायरस का तिब्बत को छोड़कर चीन के लगभग हर हिस्से में प्रभाव है। बताया जाता है कि चीन ने अमेरिका को अपने राजनयिकों व नागरिकों को वुहान से बाहर निकालने की अनुमति दी है। सरकारी 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार वुहान में अमेरिका का वाणिज्य दूतावास है और माना जाता है कि करीब 1,000 अमेरिकी नागरिक वुहान में हैं। अमेरिका अपने नागरिकों को वुहान से वापस बुलाना चाहता है। 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर के अनुसार फ्रांस और दक्षिण कोरिया भी वुहान में फंसे अपने-अपने नागरिकों को विमान से स्वदेश बुलाना चाहते हैं।

गणतंत्र दिवस पर भारत ने दिखाया दमखम

पेज 1 का बाकी

दस्ते का नेतृत्व कैप्टन तानिया शेरगिल ने किया।

देश में निर्मित स्वदेशी व विदेशी हथियारों के प्रदर्शन, घुड़सवार, ऊंट सवार व पैदल मार्चिंग दस्ते के लयबद्ध कदमताल और रंगारंग कार्यक्रमों के बीच रविवार को राष्ट्र ने 71वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया। इसके साथ ही मोटरसाइकिल सवार हैरतअंगेज कारनामे दिखाती महिला सैन्य शक्ति खास आकर्षण का केंद्र रही। वहीं तमाम सैन्य टुकड़ियों व सेना की अलग अलग झाकियों में महिला दस्तों के मार्च पास्ट ने दिखाया कि महिलाएं अबला नहीं, हर क्षेत्र में अव्वल हैं।

परमवीर व अशोक चक्र विजेताओं की ओर से सबसे पहले राष्ट्रपति व तिरंगे को सलामी के साथ परेड शुरू हुई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की उपग्रह रोधी (ए-सैट) हथियार प्रणाली रविवार को गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा बनी। किसी भी देश की आर्थिक और सैन्य सर्वोच्चता के लिए अंतरिक्ष महत्त्वपूर्ण आयाम है और इसमें ए-सैट हथियार आवश्यक रणनीतिक प्रतिरोध प्रणाली में अहम भूमिका निभाता है। भारत का यह पहला ए-सैट मिशन है जो विरोधी उपग्रहों को मार गिराने की भारत की क्षमता रखता है। पिछले साल मार्च में डीआरडीओ ने भारत के पहले ए-सैट मिशन 'मिशन शक्ति' को लांच किया था। इसके साथ ही भारत यह क्षमता को रखने वाले अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों की सूची में शामिल हो गया था। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान हर्कुलियस, जगुआर व सुखोई विमानों ने अद्भुत प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

इस वर्ष समारोह में कई चीजें पहली बार हुईं। इसमें प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करना भी शामिल है। इंडिया गेट परिसर स्थित इस स्मारक का पिछले साल 25 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन किया था।

इस गणतंत्र दिवस की परेड में पहली बार धनुष तोप का भी प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन कैप्टन मृगांक भारद्वाज की कमान में किया गया। स्वदेश निर्मित इस तोप का निर्माण आयुध निर्माण बोर्ड ने किया है। रात में भी युद्ध करने में सक्षम व अचूक मारक क्षमता वाले लड़ाकू वाहन ने अपनी गर्जना से राजपथ को गुंजायमान कर दिया।

भारतीय वायु सेना में शामिल किए गए चिनूक और अपाचे युद्धक हेलिकॉप्टर भी आकर्षण का केंद्र बने। समारोह में विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों की 22 झांकियों के जरिए देशवासियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की व विकास यात्रा झलक दिखाई गई। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रदेशों की झांकियों में गोवा ने जहां 'मेढक बचाओ' का संदेश दिया वहीं जम्मू-कश्मीर ने 'गांव की ओर लौटो' कार्यक्रम से लोगों को अवगत कराया। पंजाब की झांकी गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के नाम रही। इन 22 झांकियों में 16 झांकियां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की थी और अन्य छह मंत्रालयों, विभागों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की थी। इसके अलावा एनडीआरएफ की झांकी ने भी सबको आकर्षित किया। इसमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य के दौरान और दिल्ली की अनाज मंडी में आग लगने के दौरान पिछले साल इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता 49 बच्चों ने भी परेड में हिस्सा लिया। इसके अलावा कई स्कूलों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। गणतंत्र दिवस परेड समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित दर्शकों का अभिवादन किया और कुछ दूर तक पैदल चले।

समारोह में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत मोदी सरकार के ज्यादातर मंत्रियों के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवगौड़ा व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद भी राजपथ पर उपस्थित थे।

www.readwhere.com

चीन में कोरोना वायरस से अब तक 56 मरे, 2000 संक्रमित

बेजिंग, 26 जनवरी (भाषा/एएफपी)।

चीन में कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की संख्या रविवार को 56 तक पहुंच गई है। वायरस चीन के अन्य प्रांतों व शहरों में भी फैल रहा है और इसकी चपेट में तकरीबन 2000 लोग आ गए हैं। चीन ने रविवार को दक्षिण शहर शांताउ को आंशिक रूप से बंद कर दिया है। बीमारी के स्रोत के रूप में चमगादड़ और कस्तूरी बिलाव की पहचान हुई है। यह वायरस चीन के बाहर हांगकांग, मकाऊ, नेपाल, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, वियतनाम और अमेरिका तक पहुंच चुका है।

चीन में फैली इस बीमारी को निमोनिया का नया प्रकार बताया जा रहा है जिसे 2019-एनसीओवी नाम दिया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि यह वायरस अब तक चीन में 56 व्यक्तियों की जान ले चुका है। अभी तक कुल 2684 लोग इसकी चपेट में आए हैं। इस बीमारी का केंद्र वुहान और हुबेई प्रांत के 17 अन्य शहरों को बताया जा रहा है जहां वायरस ने सबसे अधिक लोगों की जान ली है। लेकिन अब बेजिंग समेत चीन के अन्य प्रांतों और शहरों में भी इस प्रकार के मामले तेजी से फैल रहे हैं।

चीन ने पहली वायरस का केंद्र रहे वुहान के बाहर किसी शहर को बंद करने की घोषणा की है। चीन ने रविवार मध्यरात्रि से गैरआपात वाहनों को दक्षिण शहर शांताउ में जाने की अनुमति नहीं दी। तकरीबन 56 लाख की आबादी वाला यह शहर वुहान से 1,100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शांताउ से आ रहे लोगों की जांच की जाएगी और उनसे वापस जाने का अनुरोध किया जाएगा।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को कहा कि चीन 'गंभीर स्थिति' का सामना कर रहा है लेकिन साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि चीन कोरोना वायरस के खिलाफ इस लड़ाई को जीत लेगा। चीन ने रविवार को एलान किया कि वह वुहान में अगले 15 दिन में 1300 बिस्तरों का एक और अस्थायी अस्पताल बनाएगा। शहर में इस समय एक हजार बिस्तरों का अस्पताल पहले ही बनाया जा रहा है जिसका काम दस दिन में पूरा हो जाएगा।

चीन जिस तरीके से युद्ध स्तर पर अस्पतालों का निर्माण करने में जुटा है, उससे लगता है कि उसे इस बीमारी की तीव्रता और गंभीरता का अंदाजा है और वह ज्यादा से ज्यादा मरीजों के इलाज के लिए खुद को तैयार कर रहा है। शी ने बसंत उत्सव या चीनी नववर्ष पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा, 'जब तक देश में मजबूत विश्वास और वैज्ञानिक सोच के साथ साझा प्रयास करने की शक्ति है तब तक वायरस के प्रसार की रोकथाम और नियंत्रण के उपायों में हमारी जीत होगी।'

बेजिंग में वायरस कोरोना के बारे में राज्य काउंसिल सूचना कार्यालय से रविवार को जानकारी लेते मीडियाकर्मी।

महामारी

चीन में वुहान के अलावा अन्य शहरों में भी फैला

शहर शांताउ को आंशिक रूप से बंद किया गया है

बीमारी के स्रोत के रूप में चमगादड़ व कस्तूरी बिलाव की पहचान हुई

2684 लोग अभी तक इसकी चपेट में आए हैं।

वुहान में अगले 15 दिन में 1300 बिस्तरों का एक और अस्थायी अस्पताल बनाएगा।

कर्मियों को बाहर निकालेगी कंपनी

पेरिस, 26 जनवरी (एएफपी)।

फ्रांस की कार निर्माण कंपनी पीएसए ने शनिवार को कहा कि वह वुहान से अपने कर्मचारियों को वापस बुलाएगी। फ्रांस में कोरोना वायरस के तीन मामले सामने आ चुके हैं। पीएसए ने कहा कि कर्मचारियों को वुहान से निकालने की प्रक्रिया चीन के अधिकारियों और फ्रांस के वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों की पूरी मदद से की जाएगी।

नागरिकों को निकालेगा अमेरिका

वुहान (चीन), 26 जनवरी (एएफपी)।

अमेरिका मध्य चीन के वुहान में फैले घातक कोरोनावायरस के मद्देनजर वहां फंसे अपने कर्मियों और अमेरिकी नागरिकों को निकालने के लिए उड़ान की व्यवस्था करने में जुटा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी।विभाग ने चीन में अमेरिकियों को भेजे ई-मेल में कहा है कि मंगलवार को उड़ान वुहान से लोगों को लेकर सैन फ्रांसिस्को पहुंचेगा लेकिन उसमें आम नागरिकों के लिए सीमित जगह होगी।

हांगकांग का डिज्नीलैंड बंद

हांगकांग, 26 जनवरी(एएफपी)।

हांगकाग में डिज्नीलैंड ने आगंतुकों के लिए अपने दरवाजें बंद कर दिए हैं। यह निर्णय स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है। डिज्नीलैंड के प्रतिद्वंद्वी पार्कों में से एक ओसियन पार्क ने भी अपने दरवाजे बंद करने की जानकारी दी है। शंघाई का भी डिज्नीलैंड बंद कर दिया गया है।

पाकिस्तान में गर्भवती ईसाई महिला को गोली मारी गई

कराची, 26 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तान के कराची में दो अज्ञात लोगों ने 36 वर्षीय गर्भवती ईसाई महिला को उस समय गोली मार दी जब वह स्कूल के बाहर खड़ी थी।

पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' के मुताबिक किरन नामक गर्भवती महिला अपने पति अमजद के साथ कोरांगी इलाके के कराची पब्लिक स्कूल में अपने बेटे का नामांकन कराने गई थी। अखबार ने बताया कि हमले के वक्त महिला कार में पति और बेटे का स्कूल से आने का इंतजार कर रही थी तभी मोटरसाइकिल पर सवार आए हमलावर गोली मारकर भाग गए। खबर के मुताबिक महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला के सीने में गंभीर जख्म आई है और गोली उसके हाथ से होकर गुजरी है। हालांकि, महिला की सेहत में सुधार हो रहा है। पुलिस ने घटना के पीछे लूटपाट की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि महिला से कोई लूटपाट नहीं हुई है। परिवार ने पुलिस को बताया कि उनकी किसी से दुश्मनी नहीं है।

'पाक का भारत से रिश्ता तनावपूर्ण होगा'

इस्लामाबाद, 26 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तानी थिक टैंक ने रविवार को कहा कि 2020 में पाकिस्तान के लिए विदेश मामले चुनौतीपूर्ण रहेंगे और भारत के साथ रिश्ते भी तल्ख बने रहेंगे। इस्लामाबाद पॉलिसी इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट 'पाकिस्तान आउटलुक 2020 : पॉलिटिक्स, इकोनॉमी एंड सिक्युरिटीज' में कहा कि भारत के साथ तनाव की वजह से पाकिस्तान का अधिकतर रणनीतिक और कूटनीतिक समय जाया होगा।' पाकिस्तानी अखबार डॉन ने रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए कहा, 'अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया भी भविष्य में अनिश्चितता से घिरी रहेगी।

नेपाल के विकास में भारत अहम भागीदार : ओली

काठमांडो/दुबई/माले, 26 जनवरी (भाषा)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने रविवार को कहा कि नेपाल के विकास में भारत न सिर्फ अहम भागीदार है बल्कि वह कारोबार, पारगमन व प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में सबसे बड़ा मित्र है और कई क्षेत्रों में आपसी समझ दोनों देशों को 'फायदेमंद स्थिति' में लाने का काम करेगी।

भारत के 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने संदेश में ओली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार और समूचे विश्व में रह रहे भारतीयों को उनके बेहतर स्वास्थ्य, खुशी एवं निरंतर समृद्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। नेपाल के प्रमुख अखबारों में रविवार को प्रकाशित अपने संदेश में उन्होंने कहा, 'भारत नेपाल के विकास का न सिर्फ अहम भागीदार है बल्कि वह कारोबार, पारगमन, निवेश, बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और कई क्षेत्रों के संदर्भ में सबसे बड़ा मित्र देश भी है।'

यूएई में गणतंत्र दिवस : भारत का 71वां गणतंत्र दिवस संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी मनाया गया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक व देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें देश के मिशन और सैकड़ों भारतीय मूल के लोग शामिल हुए। भारतीय दूतावास ने समारोह की तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा, 'राजदूत पवन कपूर ने 71वें गणतंत्र दिवस 2020 के मौके पर दूतावास में तिरंगा झंडा फहराया।'

बधाई : मालदीव और लिथुआनिया के विदेश मंत्रियों ने रविवार को 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत को शुभकामनाएं दीं। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने इस अवसर पर ट्विटर पर शुभकामना देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच खास मित्रता ऐसे ही निरंतर फलती-फूलती रहे।

INDOSTAR CAPITAL FINANCE LTD.

Registered Office: - One Indiabulls Centre, 20th Floor, Tower 2A, Jupiter Mills Compound, Senapati Bapat Marg, Mumbai – 400013, India
Phones:-022 – 43157000 Web: - www.Indostarcapital.com
Auction Place/Branch Office At: M-5A, 4th Floor, Mythri House Middle Circle, Connaught Place, New Delhi – 110001, India.

INDOSTAR

अनुलग्नक-IV-A
[नियम 8(6) का प्रावधान देखें]
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु नीलामी-सह-विक्रय सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु नीलामी विक्रय।

एतद्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदारों को सूचना दी जाती है कि प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों (''अचल सम्पत्तियों''), जिस पर इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड (प्रतिभूत लेनदार/इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड) के अधिकृत प्राधिकारी ने भौतिक कब्जा कर लिया है, की बिक्री ''जहाँ है जैसे है'', ''जो है वही है'' तथा ''जो कुछ भी है वहीं है'' के आधार पर 1) नीरज चौधरी, निवासी मकान नं. 781, सेक्टर-17ए, गुरुग्राम (हरियाणा) 122001, 2) श्रीमती मोनिया चौधरी निवासी मकान नं. 781, सेक्टर-17ए, गुरुग्राम (हरियाणा) 122001 पत्नी नीरज चौधरी, 3) मैसर्स सैफायर डिजिटल प्रिन्टर्स जिसका कार्यालय बी-94, उद्योग विहार, फेज-5, गुरुग्राम (हरियाणा)233002 है, से देय एवं बकाया रु. 3,52,87,545 (रुपये तीन करोड़ बावन लाख सत्तासी हजार पाँच सौ पैंतालीस मात्र) तथा प्रतिभूत लेनदार को देय ब्याज, लागतों तथा अनुबन्धात्मक दर पर प्रभारों की वसूली हेतु दिनांक 14.02.2020 को की जायेगी। आरक्षित मूल्य रु. 3,62,59,200/- (रुपये तीन करोड़ बासठ लाख उनसठ हजार दो सौ मात्र) होगा तथा जमा धरोहर राशि रु. 36,25,920/- (रुपये छत्तीस लाख पच्चीस हजार नौ सौ बीस मात्र) होगी।

ज्ञात ऋणभार तथा बिक्री की निश्चित शर्तों सहित अचल सम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण

क्र.सं.	ऋण खाता सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार(रों) के नाम	माँग सूचना की राशि तथा तिथि	आरक्षित मूल्य (आरपी)	ज.ध.रा. (आरपी का 10%)तथा अन्तिम तिथि	निरीक्षण की तिथि तथा समय	नीलामी की तिथि तथा समय	ज्ञात ऋणभार, यदि कोई हो
	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)	(G)	(H)
1.	LSDEL00116-17000088	1. नीरज चौधरी 2. मोनिया चौधरी 3. सैफायर डिजिटल प्रिन्टर्स	रु. 3,52,87,545/- 28.12.2018	रु. 3,62,59,200/-(रुपये तीन करोड़ बासठ लाख उनसठ हजार दो सौ मात्र)	रु. 36,25,920/- (रुपये छत्तीस लाख पच्चीस हजार नौ सौ बीस मात्र) तथा 13.02.2020.	05.02.2020 को 12.00 बजे अप. से 4.00 बजे अप. तक	14.02.2020 को 5.00 बजे अप.	कोई नहीं
अचल सम्पत्तियों का विवरण		भवन सं. ए-67, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली पर सम्पूर्ण द्वितीय एवं तृतीय तल जिसमें तीन बेडरूम अटैच्ड बाथरूम, एक ड्राइंग/डाइनिंग रूम, किचन, लॉबी तथा पीछे बालकनी, कॉमन डब्ल्यूसी सहित तृतीय तल के ऊपर एक सर्वेन्ट क्वार्टर तथा भवन में भूतल पर ड्राइवे में दो कार पार्क करने का अधिकार एवं तृतीय तल के ऊपर सम्पूर्ण टेरेस तथा भवन में कथित फ्रीहोल्ड भूमि का पर अविभाजित अविभाजनीय तथा अपक्षपाती मालिकाना हक का सम्पूर्ण भाग, भूमि की माप 250 वर्ग गज।						
(1)								

सार्वजनिक नीलामी के नियम एवं शर्तें:-

1. बिक्री पूर्णतः नीचे उल्लिखित नियम एवं शर्तों तथा इच्छुक संविदाकारों द्वारा जमा किये जाने वाले प्रस्ताव/निविदा दस्तावेज में उल्लिखित नियम एवं शर्तों के आधार पर की जायेगी।
2. अचल सम्पत्तियों की बिक्री ज्ञात ऋणभारों, यदि कोई हो, सहित ''जहाँ है जैसे है'', ''जो है वही है'' तथा ''जो कुछ भी है वहीं है'' के आधार पर की जायेगी। नीलामी के अधीन अचल सम्पत्तियों का निरीक्षण यहाँ निर्दिष्ट तिथि तथा समय पर 05.02.2020 को 12.00 बजे अप. से 4.00 बजे अप. के बीच किया जा सकता है। संविदा आवेदन प्रपत्र, धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने के सम्बन्ध में किसी पूछताछ या स्पष्टीकरण के लिए कृपया इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड के अधिकृत प्राधिकारी से सम्पर्क करें (सम्पर्क विवरण नीचे उपपद (4) में दिया गया है)। यदि नीलामी के संचालन में कोई तकनीकी खामी या त्रुटि होती है तो नीलामी शाखा स्तर पर भी की जा सकती है।
3. हमने विपणन अथवा सम्भावित संविदाकारों/क्रेताओं की खोज के लिए स्थानीय विपणन एजेन्सी/सेवा प्रदाताओं को नियुक्त किया है जो सरफाएशी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न कराने में सहायता भी करेंगे।
4. निविदाकारों/सम्भावित संविदाकारों/क्रेताओं को अपने प्रस्ताव के साथ स्तम्भ (ई) में सन्दर्भित के अनुसार जमा धरोहर राशि (ईएमडी) दिल्ली शाखा में देय इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट या पेऑर्डर के माध्यम से मुहरबन्द लिफाफे में रखकर उस पर ''अचल सम्पत्तियों/सम्पत्ति के क्रय हेतु प्रस्ताव'' लिखकर इस प्रकार जमा करना होगा ताकि यह हमारे अधिकृत प्राधिकारी/व्यक्ति श्री सुप्रीत सिंह, मोबाइल : 9873018111 के पास संविदा जमा करने की अन्तिम तिथि अर्थात 13.02.2020 को 5.00 बजे अप. से पूर्व पहुँच जाये। सफल संविदाकार द्वारा प्रदत्त ईएमडी की राशि विक्रय मूल्य में समायोजित कर दी जायेगी।
5. जो प्रस्ताव उचित रूप से भरे नहीं होंगे या प्रस्ताव के साथ ईएमडी नहीं होगी या इसमें वर्णित तिथि तथा समय के पश्चात प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जायेगा/वैध प्रस्ताव नहीं माना जायेगा, तदनुसार इन्हें निरस्त कर दिया जायेगा। ज.ध.रा. पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।
6. इच्छुक संविदाकार प्रस्ताव दस्तावेज के साथ आयकर विभाग द्वारा जारी पैन कार्ड की एक प्रति (अथवा प्रपत्र 60) तथा अपना पहचान पत्र का प्रमाण और आवास का प्रमाण जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट, चुनाव आयोग कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की प्रति भी संलग्न करेगा।
7. अचल सम्पत्तियों की बिक्री उच्चतम संविदाकार/प्रस्तावकर्ता को की जायेगी बशर्ते इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिभूत लेनदार/नीलामी विक्रय समिति द्वारा इसकी स्वीकृति हो। उपर्युक्त अचल सम्पत्तियों की ऑनलाइन/इंटर-से संविदा ऊपर स्तम्भ ''जी'' में उल्लिखित निर्धारित तिथि तथा समय पर और हमारे इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड की वेबसाइट पर की जायेगी। किन्तु, अधोहस्ताक्षरी को बिना कोई कारण बताये किसी प्रस्ताव/निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का विशेषाधिकार होगा।
8. कथित अचल सम्पत्तियों के परिप्रेक्ष्य में समस्त अधिबकायों सहित समस्त बकायों तथा व्ययों, अर्थात निगम करों, रखरखाव/सोसाइटी प्रभारों, बिजली एवं पानी के करों अथवा किसी अन्य बकायों का भुगतान सफल संविकार(रों)/क्रेता द्वारा किया जायेगा।
9. सफल संविदाकार/क्रेता को विक्रय राशि (ज.ध.रा. सहित) की 25% राशि का भुगतान विक्रय के परिप्रेक्ष्य में अधिकृत प्राधिकारी द्वारा प्रस्ताव की स्वीकृति के पश्चात तुरन्त करना होगा जिसमें असफल रहने पर ईएमडी जब्त कर ली जायेगी।
10. विक्रय मूल्य की शेष 75% राशि अधिकृत प्राधिकारी द्वारा सफल क्रेता को विक्रय की पुष्टि प्रदान करने के 15 दिनों के भीतर या प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 9 के अनुसार प्रतिभूत लेनदान के एकमात्र विशेषाधिकार द्वारा लिखित में सहमति के आधार पर किसी विस्तारित तिथि तक करनी होगी। विक्रय मूल्य के शेष 75% की राशि या उसके किसी भाग के निर्धारित तिथि अवधि के भीतर भुगतान करने में चूक करने की स्थिति में जमा की गयी राशि जब्त कर ली जायेगी और प्रतिभूत लेनदार को एक बार पुनः अचल सम्पत्तियों का विक्रय करने की स्वतन्त्रता होगी और चूककर्ता क्रेता अचल सम्पत्तियों या उसके क्रय के लिए पहले प्रदत्त राशि के किसी भाग के प्रति कोई दावा नहीं कर सकेगा।
11. यहाँ ऊपर वर्णित अचल सम्पत्तियाँ अधोहस्ताक्षरी अधिकृत प्राधिकारी द्वारा विक्रय की पुष्टि की तिथि से आग या चोरी या अन्य दुर्घटनाओं द्वारा क्षति एवं अन्य जोखिम सहित प्रत्येक पक्ष में पूर्ण रूप से सफल क्रेता के एकमात्र जोखिम पर होंगी। सफल संविदाकार किसी भी प्रकृति के आधार पर विक्रय को रद्द नहीं कर सकेगा।
12. यदि आस्तियों की अन्तिम संविदा/विक्रय राशि रु. 50.00 लाख या इससे अधिक है तो सफल संविदाकार इसे घटायेगा और घटाये गये के अनुसार कर्जदार का पैन नम्बर देते हुए विक्रय राशि से संविदा राशि का 1% की दर से टीडीएस का भुगतान करेगा जिसे संविदा पूर्ण होने के पश्चात अधिकृत प्राधिकारी/बैंक से प्राप्त किया जा सकता है और विक्रय राशि का शेष 99% निर्धारित समय के भीतर बैंक को देय होगा। अतः, उच्चतम सफल संविदाकार आयकर अधिनियम, 1961 के खण्ड (194-IA) के अनुसार कर्जदार के पैन पर पुनः कब्जाकृत आस्ति के क्रय पर 1% की दर से टीडीएस जमा करने के लिए बाध्य होगा।
13. ऐसे मामलों में नीलामी के तहत आस्ति की विक्रय वसूली राशि रु. 50.00 लाख है या अधिक है तो सफल संविदाकार/क्रेता को उपर्युक्त सम्पूर्ण विक्रय राशि के भुगतान तथा विक्रय औपचारिकताओं की पूर्णता के पश्चात केवल टीडीएस जमा करने पर प्रपत्र सं. 26क्यूबी में चालान-सह-विवरण की प्राप्ति पर सरफाएशी अधिनियम एवं नियम 2002 के तहत निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल सम्पत्तियों हेतु एक विक्रय प्रमाण-पत्र निर्गत किया जायेगा। इसके पश्चात बैंक के पास प्रपत्र 16बी में टीडीएस प्रमाणपत्र जमा करना होगा।
14. विक्रय प्रमाण पत्र पंजीकृत करवाना सफल संविदाकार की एकमात्र जिम्मेदारी होगी। उपर्युक्त सन्दर्भित अचल सम्पत्तियों के लिए सरफाएशी अधिनियम एवं नियम 2002 के तहत निर्धारित प्रारूप में निर्गत विक्रय प्रमाणपत्र के पंजीकरण के परिप्रेक्ष्य में स्टैम्प शुल्क, पंजीकरण प्रभारों, अन्तरण प्रभारों तथा अन्य व्ययों एवं प्रभारों से सम्बन्धित समस्त व्ययों का वहन सफल संविदाकार/क्रेता द्वारा वहन किया जायेगा। विक्रय प्रमाणपत्र अन्तरण के विषय में राज्य के कानूनों/नियमों के अनुसार शीघ्रातिशीघ्र पंजीकृत कराना होगा अन्यथा क्रेता को पंजीकरण के विलम्ब के कारणों का उल्लेख करते हुए प्रतिभूत लेनदार के पास निवेदन-पत्र देना होगा।
15. अधिकृत प्राधिकारी उच्चतम प्रस्ताव या कोई या समस्त प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है, प्रतिभूत लेनदार के रूप में इण्डोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड को बिना कोई कारण बताये किसी या समस्त संविदा(ओं) को अस्वीकार करने का अधिकार है। यदि संविदाएँ अस्वीकार की जाती हैं तो अधिकृत प्राधिकारी किसी निविदाकृत या इच्छुक संविदाकारों या अन्य पक्षों से निजी सन्धि द्वारा अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु मोल-भाव कर सकता है। बिक्री इंडोस्टार फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिभूत लेनदार/नीलामी विक्रय समिति तथा संशोधित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 द्वारा पुष्टि का विषय होगी।
16. इच्छुक संविदाकारों/प्रस्तावकर्ताओं या स्वयं, अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को नीलामी/विक्रय प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। किन्तु, विक्रय प्रमाण-पत्र केवल उन क्रेताओं के पक्ष में पंजीकृत होगा जिसके नाम से संविदा आवेदन प्रपत्र जमा किया गया है।
17. अधिकृत प्राधिकारी को बिना किसी पूर्व सूचना के अपने विशेषाधिकार पर विक्रय हेतु इस सूचना के किसी भी नियम एवं शर्त को परिवर्तित करने का अधिकार है और वह कथित पुनः कब्जाकृत बंधक अचल सम्पत्तियों की बिक्री में पेशेवर शुल्क देकर मार्केटिंग एजेन्ट या सेवा प्रदाता की सेवाएँ भी ले सकता है जिसे कर्जदार से वसूला जायेगा।
18. यदि प्रतिभूत लेनदार द्वारा व्यय किये गये समस्त लागत प्रभारों तथा व्ययों सहित समस्त बकाये नीलामी की तिथि के पूर्व एक कार्यकारी दिवस तक उपर्युक्त नामधारी कर्जदार/सहकर्जदार अदा कर देते हैं तो अचल सम्पत्तियों की बिक्री नहीं की जायेगी और संभावित संविदाकारों से प्राप्त समस्त संविदाएँ इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड के बिना किसी दायित्व/दावे के उन्हें वापस कर दी जायेगी।
19. यदि बकाये पूर्ण रूप से अदा नहीं किये गये तो उपर्युक्त तिथि पर विक्रय करने की सहायता के विषय में यह प्रकाशन कर्जदारों/बंधककर्ता(ओं) के लिए 30 दिन की सूचना भी है।
20. निविदाकृत दस्तावेज इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड की स्थानीय शाखा से प्राप्त किये जा सकते हैं। विक्रय के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु कृपया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट अर्थात www.Indostarcapital.com देखें।
21. कर्जदारों/बंधककर्ताओं को एतद्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि वे इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड को पूर्व सूचना देकर प्रकाशन की तिथि के 15 दिनों के भीतर इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड के संरक्षण में कथित बंधक सम्पत्तियों के भीतर पड़ी अपनी निजी घरेलू वस्तुएं/सामान, यदि कोई हो, अवश्य निकाल लें जिसमें असफल रहने इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड की इसके प्रति कोई दायित्व/जिम्मेदारी नहीं होगी और यह कर्जदारों/बंधककर्ताओं के जोखिम पर निस्तारित कर दी जायेंगी।
22. विशेष निर्देश : अन्तिम क्षणों में संविदा करने से संविदाकारों को बचना चाहिए क्योंकि इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेडऐसी विषम स्थितियों को संरक्षित करने के क्रम में किसी लैप्स/असफलता के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, संविदाकारों से समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ/वैकल्पिक बैक-अप आदि की व्यवस्था करने का निवेदन किया जाता है ताकि वे इन विषम स्थितियों से निपटने में सक्षम हो सकें और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें। नीलामी का विक्रय स्तम्भ सं. जी में उल्लिखित के अनुसार नीलामी बिक्री के समापन समय पर स्वतः ही बन्द हो जायेगा। अधिकृत प्राधिकारी अपने विशेषाधिकार के प्रयोग द्वारा नीलामी विक्रय को 15 मिनट तक विस्तारित करने के अधिकार का उपयोग कर सकता है।

सुप्रीत सिंह
अधिकृत प्राधिकारी
कृते इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.01.2020

फॉर्म-ए
सार्वजनिक घोषणा
(भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड कॉर्पोरेट व्यक्तियों हेतु दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन)
अतुल वाटिका डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानाकर्षण हेतु

प्रासंगिक विवरण

1.	कॉर्पोरेट ऋणी का नाम	**अतुल वाटिका डेवलपर्स प्रा. लि.**
2.	कॉर्पोरेट ऋणी के गठन की तिथि	25/04/2012
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कॉर्पोरेट ऋणी गठित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज – दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट ऋणी की कॉर्पोरेट आइडेंटिटी संख्या/सीमित देयता पहचान संख्या	U45300DL2012PTC234778
5.	कॉर्पोरेट ऋणी के पंजीकरण कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	पंजी. कार्या: 308 (पुराना नं. 135), मेघदूतगढ़ी दिल्ली-110068, भारत
6.	कॉर्पोरेट ऋणी के सम्बन्ध में दिवाला आरम्भ तिथि	22/01/2020 आदेश की तिथि 24/01/2020 आदेश की प्रतिलिपि प्राप्त होने की तिथि
7.	दिवालियापन संकल्प प्रक्रिया जो बंद करने की अनुमानित तारीख	**22/07/2020 (22/01/2020 से)**
8.	अंतरिम समाधान पेशेवर के रूप में कार्य करने वाले इंसोल्वेंसी प्रोफेशनल का नाम व पंजीकरण संख्या	श्री अखिलेश कुमार गुप्ता पंजी. सं. IBBI/IPA-001/ IP-P00780/2017-2018/11353
9.	अंतरिम समाधान पेशेवर का पता और ईमेल जो समिति के पास पंजीकृत हो	पता: ए-16/4, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057 ईमेल:AKHILESH@LLCA.NET
10.	अंतरिम समाधान पेशेवर के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किए जाने वाला पता और ई-मेल	पता: लूथरा एण्ड लूथरा रीस्ट्रक्चरिंग एण्ड इंसोल्वेंसी एडवाईजर एलएलपी, ए-16/9, वसंत विहार, नई दिल्ली 110057 ईमेल. AVDPL.IRP@LLCA.NET
11.	दावों के निवेदन की अंतिम तिथि	**09/02/2020**
12.	धारा 21 के उपधारा (6ए) के खंड (बी) के तहत लेनदारों की पहचान, यदि कोई हो अंतरिम संकल्प पेशेवर द्वारा निर्धारित	लागू नहीं है
13.	दिवालियापन पेशेवरों के नाम एक वर्ग में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए पहचाने जाते हैं (प्रत्येक वर्ग के लिए तीन नाम)	लागू नहीं है
14.	(क) प्रासंगिक फार्म और (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण फार्म उपलब्ध है	(क) प्रासंगिक फार्म, कृपया नीचे वर्णित क्रम सं 6 देखें। (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण : लागू नहीं है

1. अतः सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली बेन्च-V द्वारा दिनांक 22.01.2020 को मैसर्स अतुल वाटिका डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवालियापन प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया गया है। 2. एतद्वारा अतुल वाटिका डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित फोर्म सी ए में वर्ग के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में काम करने के लिए प्रविष्टि सं.13 के अधीन तीन रिजोल्यूशन प्रोफेशनल में से अपनी पसंद का एक अधिकृत प्रतिनिधि चुनना होगा। 5. दावे के सबूत निम्नलिखित निर्दिष्ट फार्म द्वारा जमा कराये जा सकते हैं। **फॉर्म बी**- दावों का सबूत परिचालित लेनदार हेतु, कारीगर व अन्य कर्मचारी छोड़कर, **फॉर्म सी**: वित्तीय लेनदार द्वारा दावा प्रस्तुत करने हेतु, **फॉर्म सीए**: एक वर्ग में वित्तीय लेनदार दावा प्रस्तुत करने हेतु, **फॉर्म डी**- दावों का सबूत कारीगर व अन्य कर्मचारी हेतु, **फॉर्म ई**: कारीगर व अन्य कर्मचारी के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा दावों का सबूत प्रस्तुत करने हेतु, **फॉर्म एफ**: दावों का सबूत लेनदार हेतु (परिचालित लेनदार व वित्तीय लेनदार को छोड़कर), उपर्युक्त फार्म इनसोल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया के पोर्टल से अर्थात https://ibbi.gov.in या अंतरिम समाधान प्रोफेशनल्स के पोर्ट से अर्थात http://www.llcairp.com/ डाउनलोड किये जा सकते हैं।
दावों के संदर्भ में झूठे या भ्रामक सबूत प्रस्तुत करने पर जुर्माना देय होगा।

हस्ता./-
(अखिलेश कुमार गुप्ता)
अंतरिम समाधान प्रोफेशनल्स
अतुल वाटिका डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड
पंजीकरण संख्या: IBBI/IPA-001/ IP-P00780/2017-2018/11353

दिनांक: 24/01/2020
स्थान: नईदिल्ली

राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण के समक्ष (न्यायालय-VI) प्रधानपीठ
कम्पनी याचिका सं. सीएए-163(एनडी)2019
कम्पनी आवेदन सं. – सीएए (सीएए)-171(एनडी)/2019
से सम्बद्ध
धारा 230-232 तथा कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्य प्रयोज्य प्रावधानों के मामले में
एवं
पिनेकल इन्फ्राकॉन लिमिटेड
...अन्तर कम्पनी सं.1/याचिकाकर्ता कम्पनी नं.1
और
अनुज ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड
...अन्तर कम्पनी सं.2/याचिकाकर्ता कम्पनी नं.2
और
एकोर सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
...अन्तर कम्पनी सं.3/याचिकाकर्ता कम्पनी नं.3
और
**शबनम प्रोपर्टीज प

विदेश में सूचीबद्धता की मंजूरी मिल सकती है भारतीय कंपनियों को

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

सरकार भारतीय कंपनियों को अपने इक्विटी शेयर विदेश में सूचीबद्ध कराने की मंजूरी देने के बारे में निर्णय कर सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इससे जहां व्यापार गतिविधियां बढ़ाने को इच्छुक कंपनियों को अतिरिक्त कोष जुटाने का विकल्प मिलेगा, वहीं विदेशों में सूचीबद्धता से देश में और पूंजी लाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा कि कई कंपनियां इक्विटी शेयर को विदेश में सूचीबद्ध कराने को इच्छुक हैं। फिलहाल कुछ भारतीय कंपनियों के पास 'अमेरिकन डिपोजिटरी रिसीट' (एडीआर) हैं, जिसका कारोबार अमेरिका में होता है। वहीं कुछ अन्य कंपनियों के पास 'ग्लोबल डिपोजिटरी रिसीट' (जीडीआर) हैं। अधिकारी ने कहा कि कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और बाजार नियामक सेबी भारतीय कंपनियों को विदेश में सूचीबद्ध कराने की अनुमति देने के पक्ष में हैं। उसने कहा कि अन्य विभागों और नियामकों के भी इस बारे में सहमत होने की उम्मीद है। इस बारे में जल्दी ही निर्णय हो सकता है। घरेलू कंपनियों को विदेश में सूचीबद्ध कराने की मंजूरी देने के लिए कंपनी कानून और सेबी नियमन में बदलाव की जरूरत होगी। उसने कहा कि फिलहाल केवल सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को विदेश में सूचीबद्ध होने की मंजूरी मिल सकती है।

'लक्ष्य से दो लाख करोड़ कम रह सकता है कर राजस्व, आयकर में कटौती के विकल्प सीमित'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

अर्थव्यवस्था में जारी नरमी के कारण चालू वित्त वर्ष में कर से प्राप्त राजस्व लक्ष्य की तुलना में दो लाख करोड़ रुपए कम रह सकता है। इसके कारण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के विकल्प सीमित हो गए हैं।

मामले से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े सूत्रों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट आयकर से प्राप्त राजस्व लक्ष्य की तुलना में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए कम रह सकता है। इसके अलावा अर्थव्यवस्था में जारी नरमी के कारण माल व सेवा कर (राजस्व) से प्राप्त अप्रत्यक्ष कर राजस्व भी लक्ष्य से 50 हजार करोड़ रुपए कम रह सकता है। सीतारमण ने सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए पिछले साल सितंबर में कॉरपोरेट आयकर की दरों में कटौती करने की घोषणा की थी। ऐसी उम्मीदें थीं कि वह बजट में व्यक्तिगत आयकर के लिए भी इसी तरह की राहत की घोषणा कर सकती हैं। हालांकि कर से प्राप्त राजस्व के लक्ष्य से कम रहने की आशंका और सरकार के विनिवेश के लक्ष्य से बेहद दूर रह जाने के कारण ऐसा कर पाने के विकल्प सीमित हो गए हैं। कॉरपोरेट कर की दरों में की गई 28 साल की सबसे बड़ी कटौती से सरकारी खजाने पर 1.45 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ा है। इसके अलावा सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और घरेलू संस्थागत निवेशकों के दीर्घ व अल्पावधि की पूंजीगत आय पर अधिशेष को भी वापस लेने की घोषणा की थी। इससे खजाने पर 1,400 करोड़ रुपए का दबाव पड़ा है।पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग समेत कई विशेषज्ञों ने संकेत दिए हैं कि कर से प्राप्त राजस्व लक्ष्य से दो से ढाई लाख करोड़ रुपए कम रह सकता है।

एनसीएलएटी ने रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ दिवाला कार्रवाई रोकी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रहेजा डेवलपर्स को बड़ी राहत दी है। न्यायाधिकरण ने एनसीआर की रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई पर रोक लगा दी है और कंपनी का प्रबंधन फिर से उसके निदेशक मंडल को सौंप दिया है।

इससे पहले पिछले साल 20 अगस्त को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की दिल्ली के प्रधान पीठ ने एक फ्लैट खरीदार की याचिका पर कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था। खरीदार ने परियोजना में देरी के लिए यह अपील दायर की थी। एनसीएलटी ने कंपनी के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर की भी नियुक्ति की थी। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति एसजे मुखोपाध्याय की अगुआई वाले तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना में देरी रियल एस्टेट कंपनी की वजह से नहीं बल्कि सक्षम प्राधिकरणों से मंजूरी मिलने में देरी की वजह से हुई है। यह कंपनी के नियंत्रण से बाहर की चीज है। एनसीएलटी इस तथ्य को पकड़ने में विफल रहा। एनसीएलएटी ने फ्लैट खरीदारों की मंशा पर सवाल उठाया। पीठ ने कहा कि वे कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने के लिए धोखाधड़ी और गलत मंशा से एनसीएलटी गए। एनसीएलएटी ने कहा कि रहेजा डेवलपर्स ने खरीदारों को फ्लैटों का कब्जा देने की पेशकश की। लेकिन खरीदार अधिक ब्याज के साथ अपना पैसा वापस चाहते थे। उन्होंने फ्लैट खरीदार करार के अनुसार राशि लेने से मना कर दिया। एनसीएलएटी ने कहा कि इसके मद्देनजर हमारे पास 20 अगस्त, 2019 को जारी आदेश को रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सोने का आयात अप्रैल-दिसंबर के दौरान 6.77 फीसद घटकर 23 अरब डॉलर

- स्वर्ण आयात के व्यापार घाटे और चालू खाते के घाटे पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए सरकार ने इस धातु पर आयात शुल्क 10 फीसद से बढ़ाकर 12.5 फीसद कर दिया है।

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

सोने का आयात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर में 6.77 फीसद घटकर 23 अरब डॉलर रहा। स्वर्ण आयात का असर चालू खाते के घाटे (कैड) पर पड़ता है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में पीली धातु का आयात 24.73 अरब डॉलर रहा था।

सोने का आयात कम होने से देश को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिली है। आलोच्य अवधि में यह 118 अरब डॉलर था जो एक साल पहले 2018-19 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में 148.23 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष में जुलाई से सोने के आयात में गिरावट आ रही है। हालांकि पिछले साल अक्तूबर और नवंबर में इसमें सकारात्मक वृद्धि हुई है। वहीं दिसंबर में इसमें करीब चार फीसद की गिरावट आई। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है। मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसका आयात किया जाता है। देश सालाना 800 से 900 टन सोने का आयात करता है।

स्वर्ण आयात के व्यापार घाटे और चालू खाते के घाटे पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए सरकार ने इस धातु पर आयात शुल्क 10 फीसद से बढ़ाकर 12.5 फीसद कर दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का दावा है कि क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां उच्च शुल्क के कारण अपना विनिर्माण केंद्र पड़ोसी देशों में ले जा रही हैं। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने आयात शुल्क कम कर चार फीसद करने की मांग की है। रत्न व आभूषण निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान 6.4 फीसद घटकर 27.9 अरब डॉलर रहा। देश का स्वर्ण आयात 2018-19 में करीब तीन फीसद घटकर 32.8 अरब डॉलर रहा था। आरबीआइ के आंकड़े के अनुसार चालू खाते का घाटा (कैड) जुलाई-सितंबर, 2019 के दौरान कम होकर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 0.9 फीसद यानी 6.3 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 2.9 फीसद अर्थात 19 अरब डॉलर था।

'एलपीजी वाहनों पर जीएसटी घटाएं'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

उद्योग संगठन इंडियन आटो एलपीजी कोलिशन (आइएसी) ने स्वच्छ वाहन ईंधन को बढ़ावा देने के लिये ऑटो एलपीजी के साथ-साथ गैस ईंधन के लिए कन्वर्जन किट पर माल व सेवा कर (जीएसटी) में कटौती की मांग की है। वाहनों में ईंधन के रूप में एलपीजी का उपयोग होता है। यह सर्वाधिक स्वच्छ ईंधन में शामिल है जिस पर फिलहाल 18 फीसद की दर से कर लगता है। वहीं ऑटो एलपीजी /सीएनजी कन्वर्जन किट पर यह 28 फीसद है। संगठन ने बयान में कहा कि स्वच्छ ईंधन पर उच्च दर से जीएसटी सरकार के हरित वाहनों को बढ़ावा देने के रुख के विपरीत है। आईएसी के महानिदेशक सुयश गुप्ता ने कहा, 'हम ऑटो एलपीजी जैसे पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां तैयार करने को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। ऑटो एलपीजी को दुनिया भर की सरकार बढ़ावा दे रही हैं।

गोयल-अमेजन विवाद पर यूकेआईबीसी ने कहा

ई-कॉमर्स को गलत समझा गया

मुंबई, 26 जनवरी (भाषा)।

ब्रिटेन भारत व्यापार परिषद (यूकेआइबीसी) का मानना है कि भारत सरकार कंपनियों द्वारा जताई जा रही चिंताओं को लेकर जागरूक है, लेकिन ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश आकर्षित करने को उसे अभी और कुछ करने की जरूरत है।

लॉबिग करने वाले समूह की यह टिप्पणी केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अमेजन पर बयान को लेकर हो रही आलोचना के बीच आई है। गोयल ने कहा था कि अमेजन भारत में निवेश की घोषणा कर कोई 'एहसान' नहीं कर रही है। सरकार के अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर पांच फीसद के निचले स्तर पर आने का अनुमान है जो इसका एक दशक का निचला स्तर होगा। अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ बेजोस ने हाल में कहा था कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत में लघु व मझोले उपक्रमों को डिजिटल बनाने पर एक अरब डॉलर (करीब 7,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। यूकेआईबीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रिचर्ड हील्ड ने गोयल के बयान के निवेशकों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष रूप से कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं, खासकर छोटी इकाइयों के लिए जिन्हें इनके मंच पर अपने उत्पाद बेचने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, 'मैं ई-कॉमर्स क्षेत्र का बड़ा प्रशंसक हूं और मुझे लगता है कि इस क्षेत्र को सही तरीके से समझा नहीं गया। इसकी आपूर्ति श्रृंखला में काम करने वालों और आम जनता को इससे क्या फायदा होता है, इसके बारे में सही समझ नहीं बन पाई।' हील्ड ने कहा कि मुकेश अंबानी प्रवर्तित रिलायंस इंडस्ट्रीज की ई-कॉमर्स क्षेत्र में उतरने की योजना है। हालांकि, कंपनी इसके लिए अलग कारोबारी मॉडल अपनाएगी। कोई भी कंपनी अपनी पसंद या प्राथमिकता के हिसाब से कारोबारी मॉडल अपना सकती है।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, बजट से पहले की उम्मीदों से बाजार को मिलेगी दिशा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के बारे में निर्णय और बजट में सकारात्मक उपायों की उम्मीद से इस सप्ताह बाजार को दिशा मिलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार वायदा व विकल्प खंड में इस माह के सौदों के समाप्त होने से बाजार में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकता है। इसके अलावा निवेशकों की खतरनाक कोरोना विषाणु के चीन और अन्य देशों में फैलने की खबर पर भी नजर होगी। इस विषाणु के कारण चीन में अबतक 56 लोगों की जान जा चुकी हैं। यह करीब एक दर्जन देशों में फैल चुका है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रमुख (खुदरा अनुसंधान) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'आम बजट से ठीक पहले वायदा व विकल्प खंड में इस माह के सौदे के समाप्त होने को देखते हुए बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। साथ ही कंपनियों के तिमाही नतीजे आने के साथ शेयर विशेष में घट-बढ़ देखने को मिल सकती है। इसके अलावा निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक नीति पर होगी।' उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका का चौथी तिमाही का जीडीपी वृद्धि का आंकड़ा और भारत का राजकोषीय घाटे का आंकड़ा जारी किया जाएगा। इसके अलावा एसबीआई, एचडीएफसी, एचयूएल और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी होंगे जिसका असर बाजार पर पड़ेगा।'

कार्यालय वसूली अधिकारी-I
ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ई-नीलामी बिक्री सूचना

आर.सी. नं. 397/2018 दिनांक: 13.01.2020

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम श्री नितिन कुमार अरोड़ा

मेरे आदेश दिनांक 13.01.2020 के अनुसार नीचे वर्णित सम्पत्ति कथित वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार 28.02.2020 को सार्वजनिक ई-नीलामी बिक्री द्वारा बेची जाएगी :- नीलामी बिक्री वेबसाइट https://drt.auctiontiger.net के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" द्वारा की जाएगी। **नीलामी की तिथि एवं समय : 28.02.2020 को प्रातः 11:00 बजे से दोप. 12:00 बजे के बीच** (यदि जरूरी हुआ तो दोप. 12.00 बजे के बाद 5 मिनट की अवधि के विस्तार के साथ)।

अचल सम्पत्ति का विवरण

क्र. सं.	सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य	धरोहर जमा राशि (ईएमडी)
1.	सम्पत्ति सं. 295 (पश्चिमी भाग परिमाप 53.11 वर्ग यार्ड) खसरा नं. 4/39 का भाग, गांव खुरेजी खास, आबादी राम नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051	रु.64,00,000/- (चौसठ लाख रुपए मात्र)	रु.6,40,000/- (छह लाख चालीस हजार रुपए मात्र)

नियम व शर्तें:

1. नीलामी बिक्री वेबसाइट पोर्टल https://drt.auctiontiger.net के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" के माध्यम से की जाएगी।
2. **ईएमडी राशि वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली ए/सी. आर.सी. नं. 397/2018** के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से निम्नलिखित खाता – सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा कार्यालय पटपडगंज रोड, दिल्ली, खाता सं. 3618572182, आईएफएससी कोड: सीबीआईएन0281669 में भुगतान करनी होगी। कथित डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी राशि भुगतान करने का प्रमाण वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली के कार्यालय में पहचान पत्र की स्व-सत्यापित प्रति (मतदाता पहचान पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट) जिसमें भविष्य में पत्राचार के लिए पता हो एवं पैन कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति के साथ **26.02.2020 को सायं. 5:00 बजे** तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। उसके बाद प्राप्त ईएमडी या ईएमडी का मूल प्रमाण पर विचार नही किया जाएगा।
3. ईएमडी या एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी भुगतान करने के मूल प्रमाण वाले लिफाफे के ऊपर "**आर.सी. नं. 397/2018**" लिखकर उसके साथ प्रेषक के विवरण अर्थात पता, ई-मेल आईडी एवं मोबाइल नम्बर आदि भेजने चाहिए।
4. **सम्पत्ति "जैसा है जहा है आधार" पर बेची जाएगी।**
5. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने एवं ई-नीलामी बिक्री सूचना में भाग लेने से पूर्व पोर्टल https://drt.auctiontiger.net पर विस्तृत नियम व शर्तों को भली-भांति पढ़ लें और/या **श्री तारा चंद मीणा, मुख्य प्रबंधक, मोबाइल नं. 9650921502, ई-मेल: bmdelb0294@centralbankbank.co.in से सम्पर्क करें।**
6. भावी बोलीदाताओं को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा और पहले यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना अनिवार्य होगा होगा जो कि उपरोक्त ई-नीलामी के लिए **मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लि.**, ए-201/208, वाल स्ट्रीट-2, ओरियंट क्लब के सामने, नजदीक गुजरात कॉलेज, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, गुजरात (भारत), फोन: +91-079-40230808/807/831/832/833/813/820, ई-मेल: support@auctiontiger.net से लेना होगा। **सम्पर्क व्यक्ति: श्री कुशल कोठारी, सम्पर्क नं. 9978591888 /8980690773 ई-मेल: kushal@auctiontiger.net श्री नितेश झा, सम्पर्क नं. 7982880393,** ई-मेल: delhi@auctiontiger.net और सहायता लैंडलाइन नं. 079-40230833/41072508
7. इच्छुक बोलीदाता ई-नीलामी के लिए **मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लि.**, ए-201/208, वाल स्ट्रीट-2, ओरियंट क्लब के सामने, नजदीक गुजरात कॉलेज, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, गुजरात (भारत), फोन: +91-079-40230808/807/831/832/833/813/820, ई-मेल: support@auctiontiger.net से लेना होगा। **सम्पर्क व्यक्ति: श्री कुशल कोठारी, सम्पर्क नं.9978591888 /8980690773 ई-मेल: kushal@auctiontiger.net श्री नितेश झा, सम्पर्क नं. 7982880393,** ई-मेल: delhi@auctiontiger.net और सहायता लैंडलाइन नं. 079-40230833/41072508
8. वैध यूजर आईडी एवं पासवर्ड रखने वाले एवं डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से ईएमडी भुगतान करने वाले बोलीदाता ही ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले पायेंगे।
9. इच्छुक बोलीदाता जिन्होंने **26.02.2020 को सायं 5:00** बजे तक आरक्षित मूल्य से अधिक अपनी बोलियां जमा की हैं, केवल वही **28.02.2020 को प्रातः 11:00 बजे से दोप. 12:00 बजे** के बीच आयोजित होने वाली ई-नीलामी में भाग लेने के पात्र होंगे। यदि बोली नीलामी के अंतिम समय में अंतिम 5 मिनट पर रखी जाती है तो नीलामी बंद होने का समय स्वतः ही 5 मिनट के लिए बढ़ जाएगा।
10. बोलीदाता को अपने प्रस्ताव रु. 1,00,000/- (एक लाख रुपए मात्र) के गुणांक में बढ़ाने होंगे।
11. असफल बोलीदाताओं को जमा की गई अपनी धरोहर राशि ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया समाप्त होने के तुरंत बाद वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली/सीएच अर्थात सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यालय से लेनी होगी।
12. सफल/उच्चतम बोली लगाने वाले बोलीदाता को ई-नीलामी खत्म होने के 24 घंटे के भीतर ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए **वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली ए/सी. आर.सी. नं. 397/2018** के पक्ष में उच्चतम बोली का 25 प्रतिशत डीडी/पे आर्डर के माध्यम से जमा करना होगा और इसे ई-नीलामी खत्म होने के 3 दिनों के भीतर **वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली आर.सी. नं. 397/2018** के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा धरोहर राशि को जब्त कर लिया जाएगा।
13. सफल/उच्चतम बोली लगाने वाले बोलीदाता को सम्पत्ति की बिक्री की तिथि से **15वें दिन** तक या उससे पूर्व, ऐसी तिथि को छोड़कर या यदि **15वें दिन रविवार** या अन्य अवकाश है तो 15वें दिन के बाद पड़ने वाले पहले कार्यालय दिवस को **रजिस्ट्रार, डीआरटी-2, दिल्ली के पक्ष में रु. 1000/-** तक 2 प्रतिशत की दर से और रु. 1000/- से अधिक सकल राशि पर 1 प्रतिशत अधिक दर से पाउंडेज शुल्क के साथ **वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली आर.सी. नं. 397/2018** के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से शेष 75 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी (यदि शेष 75 प्रतिशत राशि डाक के माध्यम से जमा की जाती है तो यह उपरोक्त पते पर **वसूली अधिकारी-1, डीआरटी-2, दिल्ली** के पास पहुंच जानी चाहिए)।
14. वसूली अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने या बिक्री को निरस्त करने का एकल अधिकार है और इस संबंध में उनका निर्णय अंतिम होगा।

सम्पत्ति की अनुसूची

क्र.सं.	बेची जानी वाली सम्पत्ति का विवरण
1.	सम्पत्ति सं. 295 (पश्चिमी भाग परिमाप 53.11 वर्ग यार्ड) खसरा नं. 4/39 का भाग, गांव खुरेजी खास, आबादी राम नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051

सम्पत्ति या इसके किसी भाग पर मूल्यांकित राजस्व: ज्ञात नहीं
सम्पत्ति पर अधिभार बकाया, यदि कोई हो, का विवरण: ज्ञात नहीं
दावें, यदि कोई हो, जो सम्पत्ति के साथ जुड़े हैं और इसके प्रकार एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरण: ज्ञात नहीं

न्यायालय की मोहर

(अविनाश चन्द्र) वसूली अधिकारी-2, अतिरिक्त प्रभार, डीआरटी-2, दिल्ली

प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन]
सी-टेल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ

सुसंगत विशिष्टियाँ

1.	कार्पोरेट देनदार का नाम	सी-टेल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
2.	कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	13.02.2004
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज-दिल्ली
4.	कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U64202DL2004PTC124649
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालय : डीएसएम नं. 361-32, तीसरी मंजिल, डीएलएफ टावर्स, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली-110015 कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट सं. 63, प्रथम एवं द्वितीय तल, कावुरी हिल्स, फेज-1, निकट जुबिली रिज होटल, माधापुर, हैदराबाद-500033
6.	कार्पोरेट देनदार के सम्बन्ध में ऋण शोध अक्षमता आरंभन की तिथि	23.01.2020 (आदेश की तिथि) 24.01.2020 (आदेश प्राप्ति की तिथि) ई-मेल के माध्यम से
7.	ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के समापन की पूर्वानुमानित तिथि	27.07.2020 (ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया प्रारम्भ होने की तिथि से 180 दिन)
8.	अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल के रूप में कार्यरत ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल का नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर	श्याम अरोड़ा पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-002/IP-N00546/2017-18/11703
9.	अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल पता और ई-मेल, जैसा कि बोर्ड में पंजीबद्ध है।	96, अरावली अपार्टमेंट, अलकनन्दा, नई दिल्ली, दिल्ली-110019 ई-मेल आईडी : cirpctel@gmail.com
10.	अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल का पत्राचार हेतु प्रयुक्त पता और ई-मेल	96, अरावली अपार्टमेंट, अलकनन्दा, नई दिल्ली, दिल्ली-110019 ई-मेल आईडी : cirpctel@gmail.com
11.	दावा प्रस्तुत करने हेतु अन्तिम तिथि	06.02.2020
12.	अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल द्वारा धारा 21 की उप-धारा (6क) के क्लॉज (ख) के तहत अभिनिश्चित लेनदारों की श्रेणियाँ, यदि कोई हो	अप्रयोज्य
13.	किसी श्रेणी में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने हेतु चिन्हित ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल के नाम (प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन नाम)	अप्रयोज्य
14.	(क) सम्बन्धित प्रपत्र और (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण पर उपलब्ध है :	वेबलिंक : https:// ibbi.gov.in/downloadform.html

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण पीठ V ने आदेश दिनांक 23.01.2020 को सी-टेल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कॉर्पोरेट ऋण शोध अक्षमता प्रक्रिया आरम्भ करने का आदेश दिया है। (आदेश की प्रति 24.01.2020 को ई-मेल के माध्यम से प्राप्त की गयी)।
सी-टेल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के लेनदारों से एतद्वारा अपने दावों का प्रमाण 06.02.2020 (अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल की नियुक्ति की तिथि से 14 दिन की तिथि) को अथवा इससे पूर्व अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल के समक्ष ऊपर आइटम 10 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा। अन्य सभी लेनदार अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं।
दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी।

ह./-
श्याम अरोड़ा
सी-टेल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल
पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-002/IP-N00546/2017-18/11703
2018/11703
दिनांक : 27 जनवरी, 2020
स्थान : नई दिल्ली
पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IP-N00314/2017-18/10578

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
विन-होल्ट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण

1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	विन-होल्ट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	25 मार्च, 2011
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	आरओसी, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U74990DL2011FTC271446
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	डी-6/23 (एसएफ) बसंत विहार, दक्षिण दिल्ली-110057
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	22 जनवरी, 2020 (आदेश 25 जनवरी, 2020 को प्राप्त हुई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	19 जुलाई, 2020
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	नामः प्रवीण आर. नवनदार पंजी. सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00008/2016-17/10027
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	डी-159-520, नीलकंठ बिजनेस पार्क, सामने विद्या विहार रेलवे स्टेशन (डब्ल्यू), मुम्बई-400086 ई-मेलः pravin@prnco.in
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल, यदि क्रम सं. 9 में दिये गये से भिन्न हो	डी-159-520, नीलकंठ बिजनेस पार्क, सामने विद्या विहार रेलवे स्टेशन (डब्ल्यू), मुम्बई-400086 ई-मेलः 1. ip.win-holt@prnco.in 2. pravin@prnco.in
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	04 फरवरी, 2020
12.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	क) वेब लिंकः www.ibbi.gov.in/downloadingform.html ख) भौतिक पताः लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली ने 22 जनवरी, 2020 (आदेश 25 जनवरी, 2020 को प्राप्त हुई) को विन-होल्ट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। विन-होल्ट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि मद सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 4 फरवरी, 2020 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
दावे का प्रमाण निम्न विनिर्दिष्ट प्रपत्रों में जमा किये जा सकते हैं।
प्रपत्र बीः ऑपरेशनल क्रेडीटर्स द्वारा दावे
प्रपत्र सीः वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा दावे
प्रपत्र डीः कर्मियों अथवा कर्मचारियों द्वारा दावे
प्रपत्र ईः कर्मियों अथवा कर्मचारियों के किसी प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जमा किये गये दावे
प्रपत्र एफः क्रेडीटरों द्वारा दावे (वित्तीय क्रेडीटरों तथा ऑपरेशनल क्रेडीटरों के अतिरिक्त) इन प्रपत्रों की प्रति प्राप्त करने के लिये आप वेबसाईट www.ibbi.gov.in से उक्त प्रपत्रों को डाउनलोड कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

**(प्

प्राथमिक शालाओं में स्थानीय बोली-भाषाओं में होगी पढ़ाई : बघेल

रायपुर, 26 जनवरी (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में आगामी शिक्षा सत्र से प्राथमिक शालाओं में छत्तीसगढ़ी, गोंडी, हल्बी, भतरी, सरगुजिया, कोरवा, पांडो, कुडुख और कमारी बोलियों में पढ़ाई की व्यवस्था करने की रविवार को घोषणा की।

बघेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनता के नाम अपने संदेश में कहा कि गणतंत्र की सफलता की कसौटी जनता से सीख कर, उनकी भागीदारी से, उनके सपनों को पूरा करने में है।

बघेल ने कहा, 'गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैं नई पीढ़ी को जागरूक और सशक्त बनाने के संबंध में यह घोषणा करता हूं कि आगामी शिक्षा सत्र से राज्य की प्राथमिक शालाओं में स्थानीय बोली-भाषाओं-छत्तीसगढ़ी, गोंडी, हल्बी, भतरी, सरगुजिया, कोरवा, पांडो, कुडुख, कमारी आदि-में पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी।' उन्होंने कहा कि राज्य के सभी स्कूली बच्चों को संविधान के प्रावधानों से परिचित कराने के लिए प्रार्थना के समय संविधान की प्रस्तावना का वाचन, उस पर चर्चा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ी, गोंडी, हल्बी, भतरी, सरगुजिया, कोरवा, पांडो, कुडुख, कमारी में पढ़ाई की व्यवस्था

छत्तीसगढ़ की महान विभूतियों की जीवनी पर परिचर्चा जैसे आयोजन किए जाएंगे। भारतीय संविधान की गौरवगाथा को याद किया जाएगा।

बघेल ने कहा, 'संविधान निर्माता डॉ भीम राव आंबेडकर ने कहा था कि यह तथ्य मुझे व्यथित करता है कि भारत ने पहले भी एक बार स्वतंत्रता खोई है। यदि राजनीतिक दल पंथ को देश के ऊपर रखेंगे तो हमारी स्वतंत्रता एक बार फिर खतरे में पड़ जाएगी और संभवतया हमेशा के लिए समाप्त हो जाए।' उन्होंने कहा, 'आज का दिन यह रेखांकित करने का भी है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सांप्रदायिकता को अपने समय की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति के रूप में चिन्हित किया था। इसलिए उन्होंने धर्मनिरपेक्ष समाज और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र की मजबूत नींव डालने के लिए पंथनिरपेक्ष संविधान पर जोर दिया था।'

उन्होंने कहा, 'सात दशकों में भारत ने विकास की जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, उसका सबसे बड़ा कारण हमारे संविधान की वह शक्ति है, जो तमाम विविधताओं के बीच भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाती है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के ताजा हालात किसी से छिपे नहीं हैं। तमाम प्रतिगामी ताकतों और हरकतों के बीच छत्तीसगढ़ एक बार फिर यह साबित करने में सफल हुआ है कि 'हमें जोड़ना आता है, हमें रचना आता है, हमें बनाना आता है।' उन्होंने कहा कि हमने जनता से मिले अधिकार, जनता को ही सौंपने की दिशा में अनेक निर्णय लिए हैं। बड़ी पंचायतों के परिसीमन से 704 नई पंचायतें गठित हुई जिनमें से 496 अनुसूचित क्षेत्रों में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के निर्दोष आदिवासी परिवारों को आपराधिक प्रकरणों की त्रासदी से मुक्त कराने के लिए गठित जस्टिस एके पटनायक समिति की सिफारिश के आधार पर पहले चरण में 313 लोगों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जो उनके लिए बहुत बड़ी आर्थिक और सामाजिक राहत भी है। \

गणतंत्र दिवस पर कोलकाता के आर्क बिशप थॉमस डिसूजा रविवार को विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों के साथ मानव श्रृंखला बनाते हुए।

कर्नाटक : पुलिस को मिला संदिग्ध पाउडर वाला बॉक्स

फोरेंसिक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा

मंगलुरु, 26 जनवरी (भाषा)।

कर्नाटक स्थित मंगलुरु हवाईअड्डे पर बम रखने के मामले में जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के बैंक लॉकर से एक बॉक्स बरामद किया है, जिसमें पाउडर जैसा कुछ है।

हवाईअड्डे के निकास द्वार पर बने टिकट काउंटर के पास सोमवार को बैग में जिंदा बम मिला था, जिसे बाद में नजदीक के मैदान में निष्क्रिय कर दिया गया। मामले में संदिग्ध आरोपी आदित्य राव ने 22 जनवरी को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और अदालत ने मामले की जांच के लिए गुरुवार को उसे 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

अन्य स्थानों के अलावा पुलिस दल शनिवार को राव को उडुपी स्थित बैंक ले गया। राव ने पुलिस को बताया कि यह पाउडर साइनाइड है। एसीपी केयू बेलियप्पा के नेतृत्व वाले जांच दल ने बॉक्स को जांच के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया। आरोपी ने शुक्रवार को पुलिस जांच दल को वह जगह दिखाई थी, जहां पर उसने 20 जनवरी को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) रखा था।

- पूछताछ के दौरान राव ने बताया कि उसने वहीं से देशी बम की सामग्री जुटाई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने टर्मिनल प्रबंधक को बम के लिए धमकी भरा कॉल करने की बात स्वीकारी है।

पुलिस के अनुसार उसे चेन्नई भी ले जाया जाएगा क्योंकि उसने पूछताछ के दौरान बताया था कि उसने वहीं से देशी बम बनाने की सामग्री जुटाई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने टर्मिनल प्रबंधक को बम के लिए धमकी भरा कॉल करने की बात स्वीकार कर ली है। कॉल के बाद उसने सिम कार्ड फेंक दिया था और बंगलुरु के लिए रवाना हो गया था, जहां उसने आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने बताया कि उसे अभी तक सिम कार्ड नहीं मिल पाया है।

बाढ़ से निपटने व जल संचयन के लिए चीन की 'स्पांज सिटी' संकल्पना अपनाएं

जल संसाधन एवं नदी विकास विभाग का संसदीय समिति को सुझाव

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

जल संसाधन एवं नदी विकास विभाग ने संसद की एक महत्वपूर्ण समिति को सुझाव दिया है कि देश के विभिन्न शहरों में बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्या, वर्षाजल के भंडारण एवं भूजल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने की जरूरत को देखते हुए भारतीय शहरों में प्रायोगिक रूप से चीन की 'स्पांज सिटी' संकल्पना को अपनाया जा सकता है।

संसद की जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति के समक्ष मौखिक साक्ष्य के दौरान जब समिति ने चीन की तर्ज पर 'स्पांज सिटी' सृजित करने के प्रस्ताव के बारे में पूछा तो जल शक्ति सचिव ने बताया कि चीन में बहुत सारे शहर 'स्पांज सिटी' पहल को अपना रहे हैं। शहर हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं। हम जल शक्ति मंत्रालय से संबंध रखते हैं और शहरी विकास मंत्रालय के साथ ही काम करते हैं। ऐसे में यह एक प्रौद्योगिकी है जिसका उपयोग किया जा सकता है क्योंकि भारतीय शहरों में 30-40 प्रतिशत तक जल की बर्बादी होती है ।

चीन की स्पांज सिटी परियोजना के तहत शहरों में रेन गार्डन्स, कृत्रिम तालाब और नमभूमि तैयार किए जा रहे हैं। इन सबका मकसद ज्यादा बारिश की स्थिति में पानी को सोखकर सुरंगों और भंडारण टैंक में भेजना है। इस पानी को उसी स्थिति में नदी में प्रवाहित किया जाएगा, जब उनमें पानी का स्तर कम हो जाएगा। इसका उपयोग भूजल रिचार्ज के लिए भी किया जाता है। इसके लिए धनराशि सार्वजनिक-निजी साझेदारी से जुटाई जाती है ।

संसद के शीतकालीन सत्र में दिसंबर 2019 में पेश रिपोर्ट के अनुसार, जल संसाधन एवं नदी विकास विभाग ने इस विषय पर लिखित उत्तर में कहा कि चीन के स्पांज नगरों में अपनाई गई संकल्पना में कंक्रीट फुटपाथ के स्थान पर आर्द्र भूमि, हरित छत, वर्षा जल संचयन और वर्षा बागानों का विकास किया गया है। चूंकि यह संकल्पना तूफान के कारण आए जल के प्रबंधन से भी जुड़ी है, ऐसे में इससे शहरों में आने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है। विभाग ने कहा कि इससे भूजल स्तर का पुनर्भरण और साथ ही सार्वजनिक जलापूर्ति बढ़ेगी। इससे शहरों में जल सुरक्षा में सुधार होगा।

जल संसाधन, नदी विकास विभाग का मत है कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में वित्तीय वहनीयता, तकनीक पर्यावरण, सामाजिक और अन्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्र में बाढ़ से निपटने के लिए प्रायोगिक रूप से 'स्पांज सिटी' की संकल्पना का प्रयोग किया जा सकता है।पिछले कई वर्षो से भारत में चेन्नई, मुम्बई सहित अनेक शहरों को बारिश, तूफान के कारण बाढ़ की समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

चीन में वुहान सहित कई शहर सामान्य तल से नीचे बसे हैं और इनके नीचे बसे होने के चलते मानसून में शहर पानी से भर जाता है। कई बार तूफान एवं नदियों के उफान पर रहने के कारण शहर का पानी बाहर भी नहीं निकल पाता। ऐसे में चीन में 'स्पंज सिटी' की परिकल्पना को अमलीजामा पहनाया गया है जो बारिश, तूफान और बाढ़ के पानी को सोख सके।

केरल में सीएए के खिलाफ बनाई 602 किमी लंबी मानव श्रृंखला

तिरुवनंतपुरम, 26 जनवरी (भाषा) ।

संशोधित नागरिकता कानून को वापस लेने की मांग करते हुए केरल में रविवार को गणतंत्र दिवस पर माकपा की अगुआई वाले सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने उत्तरी हिस्से से 620 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। एलडीएफ ने उत्तरी केरल के कसारगोड से सुदूर दक्षिणतम हिस्से कालियाक्कविलाई तक मानव श्रृंखला बनाई।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और भाकपा नेता कनम राजेंद्रन ने तिरुवनंतपुरम में इस प्रदर्शन में भाग लिया। एलडीएफ ने दावा किया कि इस मानव श्रृंखला में करीब 60-70 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। यह मानव श्रृंखला चार बजे बनाई गई जिसके बाद संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। बाद में केंद्र सरकार के प्रयासों से संविधान को बचाने की शपथ ली गई। वरिष्ठ माकपा नेता एस रामचंद्रन पिल्ले कसारगोड़ में इस 620 लंबी श्रृंखला में पहली कड़ी थे जबकि कालियाक्कविलाई में एम ए बेबी आखिरी कड़ी। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की कई अहम हस्तियां इससे जुड़ीं।

धरमनगर में 71वें गणतंत्र दिवस की परेड के बाद रविवार को त्रिपुरा की महिला पुलिस अधिकारी सेल्फी लेतीं हुईं।

जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मान मिले : पायलट

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

राजस्थान में कांग्रेस द्वारा एक समन्वय समिति गठित करने की प्रशंसा करते हुए राजस्थान के उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने इसे अच्छा कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष किया, उन्हें जरूर यह महसूस कराया जाना चाहिए कि वह राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

पायलट ने कहा कि ऐसा होता आया है कि सरकार के गठन के बाद पार्टी संगठन को हल्के में ले लिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के सात करोड़ लोगों ने कांग्रेस पर विश्वास करके उसे वोट दिया। इसके बाद ही पार्टी ने यह निर्णय लिया कि कौन मुख्यमंत्री, कौन उपमुख्यमंत्री और कौन मंत्री बनेगा।

राज्य के कोटा में नवजात बच्चों की मौत के मुद्दे से निपटने के तरीकों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की आलोचना के बाद उनकी यह टिप्पणी आई है। वहीं कुछ समय पहले कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने राजस्थान और कांग्रेस शासित राज्यों में पार्टी और सरकार का सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित करने के लिए समन्वय और घोषणापत्र कार्यान्वयन समितियों के गठन की बात कही थी।

पायलट ने कहा कि सरकार का हिस्सा होने और आरपीसीसी प्रमुख के तौर पर यह उनकी जिम्मेदारी है कि पार्टी को दोबारा सत्ता में लाने के लिए कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए संघर्ष को पहचान मिले। उन्होंने पिछले सप्ताह ही प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के रूप में छह साल पूरे किए हैं। वह राज्य ईकाई के अब तक के सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष बने रहने वाले नेता हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने और संघर्षों के दिन में पार्टी अध्यक्ष के रूप में राज्य के लोगों के साथ उनका अलग तरह का संबंध विकसित हुआ है और यही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उप मुख्यमंत्री लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सरकार को लोगों तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कोटा के एक सरकारी अस्पताल में 100 से ज्यादा नवजात बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय करने की बात कही थी ताकि इस तरह की दुखभरी घटना दोबारा न हो सके।

पायलट ने कहा कि हमें इन मामलों पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। सुशासन जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करने से आता है। ऐसा करने से कम से कम यह तय होता है कि ऐसी दुख भरी घटना दोबारा नहीं होगी और सुधारात्मक कदम तत्काल उठाया जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में बेहद संवेदनशीलता और दया की भावना दिखानी चाहिए और लोगों को यह विश्वास होना चाहिए कि ऐसे कदम उठाए गए हैं जिससे ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। पायलट पहले कोटा के मामले में यह कह चुके हैं कि सरकार और अधिक संवेदनशीलता दिखा सकती थी और उन्होंने कुछ मृत बच्चों के माता-पिता से भी मुलाकात की थी।

समन्वय और घोषणापत्र कार्यान्वयन समिति के गठन पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि यह अच्छा कदम है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिन्होंने सच में संघर्ष किया और चुनाव जिताया, उनके योगदान को जरूर पहचान मिलनी चाहिए। उन्हें यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि वह सरकार का अहम हिस्सा हैं। निश्वित रूप से इस कदम से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का विश्वास और मजबूत होगा। संगठन के भीतर इससे लोगों की आवाज को मुखरता प्रदान करने को लेकर उन्होंने कहा कि जब आप विपक्ष में होते हैं तो पार्टी का महत्व बहुत ज्यादा होता है लेकिन जब आप सरकार में आते हैं तो कभी-कभी पार्टी को हल्के में ले लेते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए।

असम के मंत्री और विधायक को सीएए विरोधियों ने दिखाए काले झंडे

गुवाहाटी, 26 जनवरी (भाषा) ।

असम में रविवार को गणतंत्र दिवस समारोहों में हिस्सा लेने जा रहे मंत्री हिमंत विश्व सरमा और भाजपा विधायक अंगूरलता डेका को अलग-अलग स्थानों पर संशोधित नागरिकता कानून के विरोधियों ने काले झंडे दिखाए।

पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन के समन्वयक सरमा नगांव जिले में नुरूल अमीन स्टेडियम जा रहे थे। रास्ते में आसू और एजेवाईसीपी के सदस्यों ने 'वापस जाओ' 'हमें सीएए मंजूर नहीं है' के नारे लगाए और उन्हें काले झंडे दिखाए।

लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। मंत्री ने पहले एक मौके पर कहा था कि भले ही उन्हें काला झंडा दिखाया जाता है लेकिन वह उन्हें सफेद नजर आता है। खबरों के अनुसार कामरूप जिले में नगांव के बटाडरावा की विधायक डेका को भी प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। आसू के कार्यकर्ताओं ने उन्हें भी काले झंडे दिखाए।

संभावित मरीजों को निगरानी में रख कर पुख्ता जांच | **संक्रमण** | हवाईअड्डों पर निगरानी तंत्र अलर्ट पर

मनुष्यों से मनुष्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के फिलहाल प्रमाण नहीं

राष्ट्रीय वेक्टरजनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ धारीवाल ने कहा, एहतियात जरूरी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

चीन में फैले कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे से भारत अछूता नहीं है। भारत में इसका संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सरकार ने युद्धस्तर पर तैयारियां की हैं। इस वायरस के बारे में अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक यह जानवरों से मानव शरीर में प्रवेश करता है लेकिन मनुष्यों से मनुष्यों में इसके संक्रमण का अभी तक प्रमाण नहीं है।

इस बारे में भारत सरकार के राष्ट्रीय वेक्टरजनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ एसी धारीवाल ने कहा, 'चीन भारत का पड़ोसी देश होने के अलावा चीन से नेपाल एवं पाकिस्तान जाने वालों की काफी अधिक संख्या को देखते हुए इन पड़ोसी देशों में इस वायरस के संक्रमण के खतरे से भारत अछूता नहीं है। यही वजह है कि सरकार ने पिछले तीन दिनों में इसके संक्रमण को रोकने के लिये युद्धस्तर पर प्रयास किए हैं।

शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक चीन में सांप के जरिए यह वायरस मानव शरीर में प्रविष्ट हुआ। क्या भारत में भी पूर्वोत्तर राज्यों सहित अन्य जनजातीय क्षेत्रों में इस वायरस के खतरे की आशंका नहीं हैं? डॉ धारीवाल ने कहा, 'चीन में सांप का मांस खाना इस वायरस के संक्रमण की संभावित वजह बनने की रिपोर्ट आई है। अब तक की अध्ययन रिपोर्टों के मुताबिक सरीसृप वर्ग के जीवों से मनुष्यों में इस वायरस के फैलने का खतरा होता है। पुष्टि हुई है कि यह वायरस जीव जंतुओं से मनुष्यों में फैलता है, लेकिन मनुष्यों से मनुष्यों में इसके संक्रमण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। जहां तक पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य जनजातीय क्षेत्रों में कोरोना वायरस के खतरे का सवाल है, तो दूरदराज के जनजातीय इलाकों में इस तरह के संक्रमणों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिए इंटीग्रेटिड सर्विलांस प्रोग्राम चलाया जा रहा है।

डॉ धारीवाल ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में इबोला, निपाह, जीका और सार्स वायरस तमाम देशों में फैले और भारत ने पुख्ता सर्विलांस सिस्टम की मदद से इनके संक्रमण को सफलतापूर्वक रोका। निपाह को केरल से और जिका को मध्य भारत से आगे नहीं बढ़ने दिया गया। भारत में विभिन्न देशों से फैलने वाले वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए हवाईअड्डों सहित अन्य प्रवेश मार्गों पर मजबूत निगरानी तंत्र को हमेशा 'अलर्ट' पर रखा जाता है। इस बार भी संभावित मरीजों को चिकित्सा निगरानी में रख कर पुख्ता जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए घबराने के बजाय चौकन्ना रह कर ऐहतियात बरतने की जरूरत है।

- चीन में सांप का मांस खाना इस वायरस के संक्रमण की संभावित वजह बनने की रिपोर्ट आई है। अब तक की अध्ययन रिपोर्टों के मुताबिक सरीसृप वर्ग के जीवों से मनुष्यों में इस वायरस के फैलने का खतरा होता है। पुष्टि हुई है कि यह वायरस जीव जंतुओं से मनुष्यों में फैलता है, लेकिन मनुष्यों से मनुष्यों में इसके संक्रमण की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

उन्होंने कहा, 'इस वायरस का असर फ्लू की तरह के लक्षणों के रूप में दिखता है। इससे जुकाम, नाक बहना, गले में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होती है। ऐसे में मधुमेह या निमोनिया सहित अन्य बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है। क्योंकि पहले से बीमार लोगों में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। चीन के अलावा कोरोना वायरस जापान, कोरिया और थाईलैंड में पनप चुका है, इसलिए इन देशों की यात्रा करने या यहां के यात्रियों के संपर्क में आने से बचना चाहिए।'

डॉ धारीवाल ने कहा, 'स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले तीन दिनों में विदेश मंत्रालय के साथ सामंजस्य कायम कर सभी हवाईअड्डों पर निगरानी तंत्र को अलर्ट पर रखा हुआ है। चीन से आने वाले यात्रियों की पूरी जांच की जा रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के मातहत पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु संस्थान सहित अन्य संक्रामक रोग निदान केंद्रों को भी सजग किया गया है। विभिन्न देशों में वायरस के संक्रमण के खतरों से बचने के लिए भारत में अब तक किए गए उपायों के सकारात्मक परिणामों के आधार पर हम अपने निगरानी तंत्र को लेकर आश्वस्त हैं। पूरी एहतियात के साथ स्थिति पर नजर रखी जा रही है।'

www.readwhere.com

खबर कोना

भारत के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर ने पूरा किया उम्र का शतक

मुंबई, 26 जनवरी (भाषा)।

भारत के सबसे उम्रदराज प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वसंत रायजी ने शनिवार को अपनी जिंदगी का शतक पूरा किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज रायजी 100 साल के हो गए हैं। उन्होंने 1940 के दशक में नौ प्रथम श्रेणी मैच खेले थे जिसमें 277 रन बनाए थे। उनका उच्चतम स्कोर 68 रन था।इतिहासकार रायजी तब 13 साल के थे जब भारत ने दक्षिण मुंबई के बांबे जिमखाना में पहला टैस्ट मैच खेल था। वह भारतीय क्रिकेट की संपूर्ण यात्रा के गवाह रहे हैं। वह बंबई (अब मुंबई) और बड़ौदा के लिए खेला करते थे। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर हाल में आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के साथ रायजी से मिलने के लिए गए थे। तेंदुलकर ने ट्विटर पर लिखा, 'आपको 100वें जन्मदिन की शुभकामनाएं श्री वसंत रायजी। स्टीव और मैंने आपके साथ बहुत अच्छा समय बिताया और अतीत की कुछ अद्भुत क्रिकेट कहानियां सुनी। हमारे प्यारे खेल के बारे में यादों का खजाना आगे तक पहुंचाने के लिए आपका आभार।' रायजी ने लाला अमरनाथ, विजय मर्चेंट, सीके नायडू और विजय हजारे के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं।

ग्रींसबोरो में शनिवार को यूएस फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में एलेक्सा और क्रिस्टोफर।

मैच के समय पर चर्चा कर सकती है आइपीएल संचालन परिषद

नई दिल्ली 26 जनवरी (भाषा)।

इंडियन प्रीमियर लीग की संचालन परिषद अगामी सत्र के रात्रि मैच आठ बजे की जगह सात बजकर 30 मिनट पर शुरू करने के संदर्भ में सोमवार को चर्चा करेगी। यहां होने वाली बैठक के दौरान अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह सहित बीसीसीआइ के शीर्ष पदाधिकारियों के तीन सदस्यीय क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) को भी अंतिम रूप देने की उम्मीद है जो राष्ट्रीय चयन पैनल के उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी। पता चला है कि गौतम गंभीर और सुलक्षणा नाईक लोढ़ा समिति की सिफारिशों के अनुसार सीएसी में जगह बनाने के पात्र नहीं हैं। गंभीर ने 2018-19 सत्र में संन्यास लिया है जबकि वह सांसद भी हैं।

प्रागनानंदा ने दर्ज की लगातार चौथी जीत

जिब्राल्टर, 26 जनवरी (भाषा)।

युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रागनानंदा ने 18वें जिब्राल्टर शतरंज उत्सव में हमवनत रवि तेजा को हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। शुरुआती दौर में हमवतन पीवी नंदीधा से हारने के बाद प्रागनानंदा का पांचवें दौर में भी शानदार प्रदर्शन जारी रहा। अब वह चार अंक लेकर 11 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इसमें के शशिकिरण और एसएल नारायणन शामिल हैं। पांच खिलाड़ी संयुक्त रूप से बढ़त बनाए हुए हैं, उनके पांचवें दौर के बाद 4.5 अंक हैं। भारतीय खिलाड़ी और दुनिया के दूसरे सबसे युवा जीएम डी गुकेश हालांकि 26 चाल में ग्वेन जोंस से हार गए।

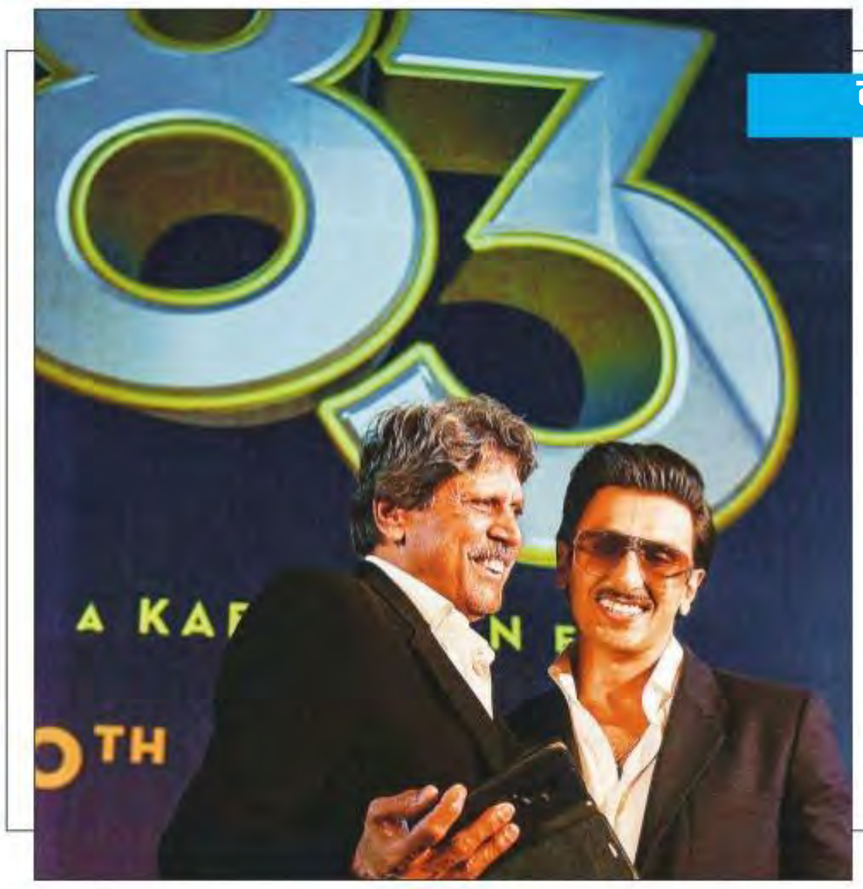

कपिल

1983 की विश्व विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव शनिवार की रात मुंबई में फिल्म 83 के पोस्टर लांच के मौके पर फिल्म के हीरो और कपिल देव की भूमिका निभा रहे अभिनेता रणवीर सिंह के साथ।

टी 20 मैच

भारत की जीत में फिर चमके राहुल

ऑकलैंड, 26 जनवरी (भाषा)।

केएल राहुल के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से भारत ने दूसरे टी-20 मैच में रविवार को न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया। इसके साथ ही उसने पांच मैचों की श्रृंखला में अपनी बढ़त 2-0 कर दी। भारत के सामने 133 रन का लक्ष्य था। ऐसे में रोहित शर्मा और कप्तान विराट कोहली के विकेट जल्दी गंवाने के बाद राहुल (नाबाद 57) और श्रेयस अय्यर (46 रन) ने जिम्मेदारी संभाली। तीसरे विकेट के लिए उन्होंने 86 रन जोड़कर टीम को 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 135 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

इससे पहले मार्टिन गुप्टिल (33 रन) ने धीमा खेल रही पिच पर न्यूजीलैंड को तेजतर्रार शुरुआत दिलाई। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की और 33 रन के अंदर चार विकेट लेकर कीवी टीम को इसका फायदा नहीं उठाने दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने 26 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 132 रन बनाए।

रविंद्र जडेजा ने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट जबकि जसप्रीत बुमराह ने 21 रन देकर एक विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने चार ओवर में केवल 22 रन दिए, उन्हें विकेट नहीं मिला। शार्दुल ठाकुर (दो ओवर, 21 रन, एक विकेट) और शिवम दुबे (दो ओवर, 16 रन एक विकेट) ने भी सफलताएं हासिल कीं।

विराट कोहली

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित (आठ) फिर से नाकाम रहे और पहले ओवर में ही स्लिप में कैच दे बैठे। टिम साउथी (20 रन देकर दो) ने उनकी जगह लेने के लिए उतरे कप्तान कोहली (12 गेंदों पर 11) को भी ज्यादा देर नहीं टिकने दिया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर दो विकेट पर 40 रन हो गया।

राहुल और अय्यर ने इसके बाद पारी संवारने का बीड़ा बखूबी उठाया। उन्होंने शुरू में संभलकर बल्लेबाजी की लेकिन बाद में खुलकर रन बटोरे। अय्यर ने ईश सोढ़ी (33 रन देकर एक) को निशाने पर रखा। राहुल ने हामिश बेनेट पर पहले छक्का और फिर चौका लगाकर इस प्रारूप में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे (नाबाद आठ) ने साउथी पर विजयी छक्का लगाया।

विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। गुप्टिल ने पारी के पहले ओवर में ही ठाकुर पर दो छक्के जड़कर अपने इरादे जतलाए। गुप्टिल पावरप्ले की अंतिम गेंद का पूरा उपयोग करके उसे छह रन के लिए भेजना चाहते थे लेकिन गेंद हवा में लहरा गई और विराट कोहली ने कैच पकड़ा।

आस्ट्रेलियाई ओपन

फेडरर-जोकोविच क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न, 26 जनवरी (एएफपी)।

मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर ने रविवार को आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिला एकल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एश्ले बार्टी भी अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहीं। सर्बिया के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने रॉड लीवर एरेना में अर्जेंटीना के 14वें वरीय डिएगो श्वार्जमैन को 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 11वीं बार टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई।

फेडरर ने हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 4-6, 6-1, 6-2, 6-2 से जीत दर्ज करके 57वीं बार ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मंगलवार को वह जब अमेरिका के टेनिस सैंडग्रेन का सामना करेंगे तो यह 38 वर्षीय स्विस खिलाड़ी का आस्ट्रेलियाई ओपन में रेकार्ड 15वां क्वार्टर फाइनल होगा। सैंडग्रेन ने इटली के 12वें वरीय फैबियो फोगनिनी को 7-6 (7/5), 7-5, 6-7 (2/7), 6-4 से पराजित किया।

जोकोविच को क्वार्टर फाइनल में मिलोस राओनिच का सामना करना होगा जिन्होंने अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। कनाडा के इस 32वें वरीय खिलाड़ी ने क्रोएशिया के मारिन सिलिच को 6-4, 6-3, 7-5 से पराजित किया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बार्टी ने अमेरिका की 18वीं वरीय एलिसन रिस्के को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया। उनका सामना अब चेक गणराज्य की 27वीं वरीय पेत्रा क्वितोवा से होगा।

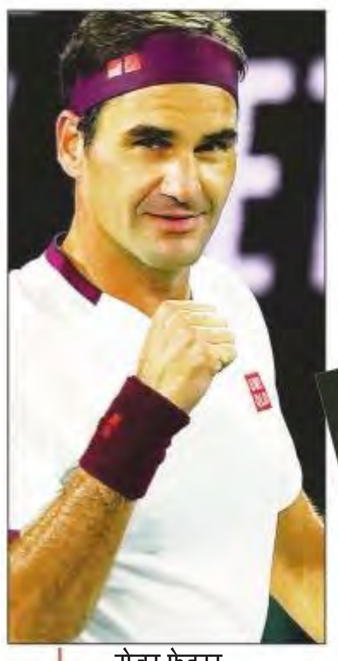

रोजर फेडरर

मारिया सक्कारी

ट्यूनीशिया की ओनस जेबुर भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। उन्होंने चीन की 27वीं वरीय वांग कियोंग को 7-6 (7/4), 6-1 से उलटफेर का शिकार बनाया। जेबुर किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली अरब देशों की पहली महिला खिलाड़ी हैं।

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने रविवार को आस्ट्रेलिया ओपन में विजयी शुरुआत की। उन्होंने येलेना ओस्टापेंको के साथ मिलकर मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं रोहन बोपन्ना क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। पेस और ओस्टापेंको की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद एक घंटे और 27 मिनट में स्टोर्म सेंडर्स और मार्क पोलमैंस की स्थानीय वाइल्ड कार्डधारक जोड़ी को 6-7(4), 6-3, 10-6 से हराया।

क्वितोवा ने यूनान की मारिया सक्कारी को तीन सेट तक चले मैच में 6-7 (4/7), 6-3, 6-2 से हराया। अमेरिका की पंद्रह वर्षीय कोको गॉफ का सफर भी चौथे दौर में थम गया। उन्होंने पहला सेट जीता था लेकिन आखिर में उन्हें हमवतन सोफिया केनिन से 6-7 (5/7), 6-3, 6-0 से हार का सामना करना पड़ा।

...मैच फिनिश...

कोहली से सीखता हूं : श्रेयस अय्यर

ऑकलैंड, 26 जनवरी (भाषा)।

सफेद गेंद के क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करने में विराट कोहली का कोई सानी नहीं। भारत के चौथे नंबर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आगामी दिनों में उनकी इस काबिलियत का लगातार अनुकरण करना चाहते हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे काफी कुछ सीखा है, वह जिस तरह से खेलते हैं और मैच को फिनिश करने की कोशिश करते हैं। उनका यह पहलू सर्वश्रेष्ठ है।

अय्यर ने कहा कि मुझे लगता है कि आपको एक अंदाजा मिल जाता है कि आपको कितने रनों का पीछा करना है और किस रन गति से उन्हें हासिल करना है।

विराट-रोहित के बाद थी जिम्मेदारी : राहुल

आकलैंड, 26 जनवरी (भाषा)।

भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल ने रविवार को कहा कि यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ईडन पार्क में उन्हें अपने रुख में बदलाव करना पड़ा क्योंकि पिच धीमी थी।

उन्होंने कहा, 'आज मेरी जिम्मेदारी अलग थी। हमने अपने सीनियर बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट जल्दी गंवा दिए इसलिए मुझे टिके रहना था और सुनिश्चित करना था कि मैं मैच को खत्म करूं।'

तीसरे मैच में भारत की हार, गंवाई श्रृंखला

क्राइस्टचर्च, 26 जनवरी (भाषा)।

भारत 'ए' को अंतिम नौ गेंदों पर चार विकेट गंवाने के कारण तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में रविवार को न्यूजीलैंड 'ए' के हाथों पांच रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारत को श्रृंखला जीतने के लिए 271 रन की दरकार थी।

भारत को अंतिम ओवर में सात रन चाहिए थे। उसके दो विकेट बचे हुए थे लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन (नाबाद 71) ने पहली गेंद खाली जाने के बाद दूसरी गेंद पर एक रन ले लिया। उनका यह फैसला काफी महंगा साबित हुआ क्योंकि तेज गेंदबाज काइल जैमीसन (49 रन देकर चार विकेट) ने संदीप वॉरियर और इशान पोरेल को लगातार गेंदों पर आउट करके दो गेंद शेष रहते ही न्यूजीलैंड को जीत दिला दी।

न्यूजीलैंड 'ए' ने मार्क चैपमैन के नाबाद 110 रन की मदद से पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर सात विकेट पर 270 रन बनाए थे। भारतीय टीम 49.4 ओवर में 265 रन पर आउट हो गई और इस तरह से न्यूजीलैंड 'ए' ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

भारत 'ए' ने 49वें ओवर में अक्षर पटेल (32) और राहुल चाहर (शून्य) के विकेट गंवाए थे। इन दोनों को बाएं हाथ के स्पिनर अजाज पटेल ने आउट किया। इस तरह से न्यूजीलैंड अहम मोड़ पर बेहतर खेल दिखाने में सफल रहा। पृथ्वी साव (55) और ऋतुराज गायकवाड़ ने पहले विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी।

छलांग

जर्मनी के बोरुसिया पार्क में शनिवार को बुंदेसलीगा फुटबाल में गोल पोस्ट में घुसती गेंद को छलांग लगाकर जाने से रोकते हुए बोरुसिया के गोलकीपर।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 466 रन का लक्ष्य दिया

जोहानिसबर्ग, 26 जनवरी (भाषा)।

पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज ब्युरन हेंड्रिक्स के पांच विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने चौथे और अंतिम क्रिकेट टैस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड को दूसरी पारी में 248 रन पर समेट दिया लेकिन मेजबान टीम को मैच जीतकर श्रृंखला बराबर करने के लिए 466 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य मिला है।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 217 रन की बढ़त हासिल करने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को फालोआन नहीं दिया। मेहमान टीम ने इसके बाद कप्तान जो रूट (58), सलामी बल्लेबाज डाम सिबले (44) और सैम कुरेन (35) की बदौलत अपनी कुल बढ़त को 450 रन के पार पहुंचाया।

पदार्पण कर रहे हेंड्रिक्स ने 64 रन देकर पांच विकेट चटकाए। एनरिच नोर्टजे और ड्वेन प्रिटोरियस ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। इससे पहले मार्क वुड (46 रन पर पांच विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 183 रन ही बना सकी। पहली पारी में 400 रन बनाने वाले इंग्लैंड ने 217 रन की बढ़त हासिल की। दक्षिण अफ्रीका की ओर से सिर्फ क्विंटन डिकॉक (76) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। उनके अलावा ड्वेन प्रिटोरियस (37) ही 30 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 88 रन से की और दिन के पहले ओवर में ही वर्नन फिलेंडर (04) का विकेट गंवा दिया जिन्हें क्रिस वोक्स (38 रन पर दो विकेट) ने स्टुअर्ट ब्राड के हाथों कैच कराया।

रानी की राय

मैं इस सम्मान को पूरी टीम और स्टाफ को समर्पित करती हूं — खेल मंत्री, हॉकी टीम के कोच की शुक्रगुजार हूं

पद्म श्री के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हूं

नई दिल्ली, 26 जनवरी (भाषा)।

भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल ने रविवार को कहा कि वह पद्म श्री के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हैं। रानी उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें शनिवार को देश के 71वें गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या पर पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया। रानी सहित छह खिलाड़ियों को पद्म श्री से नवाजा जाएगा।

पच्चीस साल की इस खिलाड़ी ने ट्वीट किया, 'मैं अपने देश के सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार में से एक के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हूं, मैं इस पुरस्कार को पूरी टीम और सहयोगी स्टाफ को समर्पित करती हूं। किरन रिजीजू, हॉकी इंडिया, कोच बलदेव सर, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया। रानी ने भारत के लिए 200 से ज्यादा मैच खेले हैं और हाल में उन्होंने देश को तोक्यो ओलंपिक कोटा दिलवाने में मदद की। बाद में हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'यह सम्मान भारतीय महिला हॉकी के लिए है। हम इस खेल में काफी आगे बढ़े हैं और मेरा सच में मानना है कि हम इससे बेहतर नतीजे हासिल कर सकते हैं।' खेल मंत्री रिजीजू ने कहा कि रानी रामपाल, प्रतिष्ठित पद्म श्री के लिए चुने जाने के लिए बधाई। आपने पूरी युवा भारतीय पीढ़ी को प्रेरित किया है। आपके प्रयास भारतीय हॉकी को नए स्तर तक ले जाएंगे। मुझे आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने कहा कि वह जिस मुश्किल हालात में पली हैं, वहां से आकर वह भारतीय महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण रही हैं जो कई मुश्किलों के बावजूद अपने बूते कुछ हासिल करने की इच्छा रखती हैं। उन्होंने उदाहरण पेश किया है और 2020 तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए टीम की तैयारियों में काफी अहम भूमिका निभाना जारी रखेंगी।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 71, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।